वर्ष-31, अंक- 254, पृष्ठ-12 | असाढ़ शुक्ल पक्ष 06, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
मंगलवार
01 जुलाई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

सीएम हेमंत सोरेन ने हूल क्रांति के शहीदों को दी श्रद्धांजलि, कहा-

हूल हमारी ताकत, हूल हमारी पहचान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित झारखंड भवन में एक संक्षिप्त समारोह में संथाल हूल क्रांति के शहीदों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर टुंडी इलाके के झामुमो के वरिष्ठ विधायक मथुरा महतो और गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन सहित कई लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा, "30 जून का दिन भारत के इतिहास में आदिवासी समाज के बलिदान और स्वतंत्रता की पहली चिंगारी के रूप में दर्ज है। वर्ष 1855 में शुरू हुई हूल क्रांति भारत की आज़ादी की नींव रखने वाला पहला जनविद्रोह था। यह सिर्फ ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ाई नहीं थी, बल्कि जल, जंगल और जमीन के अधिकार की मांग भी थी। हमारे पूर्वजों ने विषम परिस्थितियों में देश की परिकल्पना की। ऐसे महापुरुषों को भुलाना किसी भी समाज के लिए उचित नहीं है।"

सोरेन ने कहा, "संथाल हूल विद्रोह के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो और हजारों वीर शहीदों के संघर्ष और समर्पण के पदचिन्हों पर चलने वाले आदरणीय बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन अभी अस्वस्थ हैं। इस कारण मैं इस बार भोगनाडीह की क्रांतिकारी भूमि पर नहीं आ पाया।"

सोरेन ने कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, "हूल दिवस हमारे लिए सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं है। हूल दिवस हमारे लिए संकल्प का दिन है, हूल हमारी ताकत है, हूल हमारी पहचान है। आने वाले समय में आदिवासी धर्म कोड, आदिवासी संस्कृति, भाषा, सभ्यता और पहचान के लिए हूल उलगुलान होगा।"

उन्होंने कहा, "गुरुजी ने भी जमींदारी प्रथा के खिलाफ और आदिवासी अधिकारों के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है। प्रदेश की जनता उनकी लंबी उम्र की कामना कर रही है और उनकी छत्रछाया हम सभी पर बनी रहे।

मानसून की शुरुआत से ही बारिश की तीव्रता चिंता का विषय : सीएम

- **लगातार हो रही बारिश से हो रहे नुकसान पर सरकार की है नजर**
- **बारिश के कारण प्रभावित लोगों के साथ सरकार हमेशा खड़ी है**

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स के माध्यम से राज्यवासियों से कहा है कि मानसून की शुरुआत में ही झारखंड में हो रही लगातार बारिश चिंता का विषय है। बारिश के कारण प्रभावित लोगों के साथ सरकार खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता पहुंचाई जाएगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि झारखंड में मानसून अभी शुरू ही हुआ है और शुरुआत से ही बारिश की तीव्रता चिंता का विषय है। यह बदलाव पर्यावरण के दृष्टिकोण से हो रहे हैं। इन बदलावों से प्रभावित होने वाले लोगों पर सरकार की नजर है। ज्ञातव्य हो कि झारखंड में मानसून के शुरुआत से ही लगातार बारिश हो रही है, जिससे झारखंड के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। ऐसी परिस्थिति में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स के माध्यम एक वीडियो साझा कर राज्यवासियों को आश्वस्त किया है कि सरकार उन सभी लोगों के साथ खड़ी है, जो इस बारिश में प्रभावित हुए हैं। और वे सभी सरकार की निगरानी में हैं।

हमारे सैनिकों की शौर्यता

राष्ट्रीय नवीन मेल

सविता सिंह मीरा

हमारे सैनिकों की शौर्यता, वीरता कर्मठता और बलिदान विश्व पटल पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। इसके साक्षी हम सभी हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे वीरों ने दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए और दुश्मन के खेमे में आधी रात में ही सिंदरी सूरज चमका दिया। वीर सैनिको ने तिरंगा का परचम पूरे जगत में फैलाया। ब्रह्मोस और आकाश ने तो आकाश पर दिवाली मनवा दी। किन शब्दों में वीर सैनिको को शुभकामनाएं प्रेषित करें हम प्रत्यक्ष प्रमाण है।

सैनिकों के सम्मान में मेरे हृदय से निकली कुछ पंक्तियां अर्पित है :-

जहाँ हमारी सीमाओं पर तुम जैसे हों प्रहरी,
नहीं किसी में है हिम्मत जो लाँघ सके है देहरी।
जल थल नभ की सेनाएं करती जब प्रहार,
दुश्मन के सीने से निकल उठता है चीत्कार।
पहलगाम के आतंकियों की खूब सुनी दहाड़
दुश्मन के खेमे में घुस कर दिया उसे पछाड़।
रात्रि में दुश्मनों ने देखा जो सूरज सिन्दूरी,
तिरंगे का भगवा रंग चहूँ दिश छाया केसरी।
आज घर-घर चप्पे-चप्पे में होती चचाएं तेरी
देश की खातिर सुन ए वीर ले जा लहू भी मेरी।
नमन देश की माताओं जना तुमने वीर लला
फिर हमारे मातृभूमि पर कैसे आए कोई बला।
नमन तुम्हें वीर तुम्हारा नहीं कोई है सानी,
पूरा विश्व कह रहा ऑपरेशन सिंदूर की कहानी।
वीर तुम्हें शत-शत नमन तुझ से ही सुरक्षित वतन,
गर्व हमें इस बात का भारत में हमने लिया जन्म।
नमन नमन ऐ वीर करें हृदय से तुझे नमन।

बाइक की तेज रफ्तार बनी काल

एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, घर में मची चीख-पुकार

खूंटी। रफ्तार के कहर ने जिले में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जान ले ली। घटना कर्रा थाना क्षेत्र के संगोर गांव के पास हुई, जब एक बाइक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवाल तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, न तो बाइक सवार और न ही बाइक पर बैठे किसी व्यक्ति ने हेलमेट पहना था। मृतकों में मालगो गांव के नवीस 48 वर्षीय रेला मिंज, उनके पुत्र 20 वर्षीय अभिषेक मिंज और उनके भतीजा 20 वर्षीय रोहित मिंज शामिल हैं। तीनों सुबह मालगो गांव से बिरदा गांव गए थे और वहां से अपने गांव मालगो लौट रहे थे। सूचना मिलने पर कर्रा पुलिस ने शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, रेला मिंज अपने पुत्र अभिषेक और भतीजे रोहित के साथ बिरदा गांव गए थे। परिजनों को भी नहीं पता कि वे बिरदा गांव क्यों गए थे। ग्रामीणों के अनुसार तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर लौट रहे थे। बाइक की गति तेज थी। इस कारण संगोर स्कूल के पास मोड़ पर अनियंत्रित होकर बाइक एक पेड़ से टकरा गई। टकर खा कर तीनों सड़क किनारे मुंह के बल गिर गए। वहीं बाइक सड़क पर गिर गई। मेहा पंचायत के मुखिया और ग्रामीणों ने दुर्घटना की सूचना तत्काल कर्रा पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कर्रा थाना प्रभारी मनीष कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के बाद पुलिस शवों को बरामद कर कर्रा थाना ले गई। पहचान की प्रक्रिया के बाद परिजनों को घटना की सूचना दी गई। वहीं शवों पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सर्किल इंस्पेक्टर अशोक सिंह ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों से कर्रा बिरदा मुख्य मार्ग पर सड़क दुर्घटना की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही कर्रा थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल से क्षतिग्रस्त बाइक और तीनों शवों को बरामद कर थाने ले आए। जांच के बाद मृतकों की पहचान की गई और उनके परिजनों को सूचना देने के बाद कागजी कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

यूपीआई से लेकर पैन तक आज से बदल जाएंगे यह नियम

नई दिल्ली (आईएएनएस)। जुलाई, 2025 से कई नए वित्तीय नियम लागू होने जा रहे हैं, जिसका आपकी जेब पर सीधा असर हो सकता है। इनमें यूपीआई चार्जबैक, नए तत्काल ट्रेन टिकट बुकिंग और पैन कार्ड के नियमों में बदलाव शामिल हैं। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से हाल ही में सिस्टम को आसान बढ़ाने के उद्देश्य से यूपीआई चार्जबैक नियमों में बदलाव किया गया है।

मौजूदा समय में बहुत अधिक दावों के कारण सभी चार्जबैक रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया जाता है। ऐसे में सही चार्जबैक रिक्वेस्ट को प्रोसेस करने के लिए बैंक को यूपीआई रेफरेंस कंप्लेंट सिस्टम (यूआरसीएस) के जरिए एनपीसीआई के पास जाकर केस को व्हाइटलिस्ट करना पड़ता है। 15 जुलाई के बाद एनपीसीआई की इसमें कोई भूमिका नहीं रहेगी। अगर बैंक को कोई चार्जबैक रिक्वेस्ट सही लगती है तो उसे वह एनपीसीआई से व्हाइटलिस्ट किए बिना प्रोसेस कर सकती है। यूपीआई चार्जबैक एक औपचारिक विवाद है जिसे यूजर तब उठाता है जब कोई लेनदेन विफल हो जाता है या जब भुगतान की गई सेवा या उत्पाद वितरित नहीं किया जाता है। यह यूजर को बैंक या भुगतान सेवा प्रदाता से धन वापसी की मांग करने की अनुमति देता है।

नए पैन कार्ड का आवेदन करने के लिए एक जुलाई से आपके पास आधार कार्ड होना जरूरी है। इससे पहले आप किसी भी वैध दस्तावेज या जन्म प्रमाणपत्र के जरिए पैन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते थे। जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के कई नए नियम लागू हो जाएंगे। 1 जुलाई 2025 से आईआरसीटीसी की वेबसाइट या इसके मोबाइल ऐप के जरिए तत्काल ट्रेन टिकट के लिए आधार सत्यापन अनिवार्य हो जाएगा। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) ने 7 जून, 2025 को घोषणा की थी कि मासिक जीएसटी भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी को जुलाई 2025 से एडिट नहीं किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, जीएसटीएन ने कहा था कि करदाताओं को देय तिथि से तीन वर्ष की अवधि समाप्त होने के बाद जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मासूम बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म के 4 दोषियों को उम्रकैद

रांची। रांची की अदालत ने बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म करनेवाले 4 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनायी। पॉक्सो स्पेशल कोर्ट ने दोषी विपिन मुंडा, उत्तम मुंडा, संजू मुंडा और सोनू लोहरा को आज सोमवार को सजा सुनायी। इस मामले में पुलिस ने एक नाबालिग समेत पांच आरोपियों को दबोचा था। नाबालिग का केस जुवेनाइल कोर्ट में चल रहा है। गैंगरेप का घटना 12 अप्रैल 2024 की है। विपिन मुंडा एक नाबालिग आरोपी के साथ दो बच्चियों को सरहुल मेला घूमाने के बहाने टिकरा गांव के एक मिट्टी के मकान में ले गया था। वहां पहले से तीन आरोपी सोनू लोहरा, उत्तम मुंडा और संजू मुंडा मौजूद थे। जब सभी पांचों आरोपियों ने बच्ची से दुष्कर्म करने का प्रयास किया तो पीड़िता और उसकी सहेली ने इसका विरोध किया तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।

पावरगंज चौक पर दर्दनाक सड़क हादसा सेवानिवृत्त शिक्षक की मौके पर मौत

लोहरदगा। शहर के व्यस्ततम पावरगंज चौक पर सोमवार सुबह एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना में सेवानिवृत्त शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब लोग अपनी दिनचर्या की शुरुआत कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चंदन भारती (62 वर्ष), पिता स्व. रामबलभ भारती, जो तसर विभाग से सेवानिवृत्त थे और गिरिवर शिशु सदन स्कूल के प्रबंधक भी रह चुके थे, अपने घर से सब्जी लेने स्कूटी (संख्या जेएच 08 ई 5693) से निकले थे। इसी दौरान, विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बॉक्साइट लदे ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

PR No. 356034 (Health Med Edu and Family Welfare) 2025-26

इंडिया

प्रोडक्ट बनते अस्पताल और बचे हुए धरती के भगवान

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

जीवन की रक्षा करने वाले किसी ना किसी डॉक्टर से हम सभी को कभी न कभी मिलना ही पड़ा होगा और कुछ अपवादों को छोड़ दें तो हमारे मन में एक डॉक्टर की छवि जीवन रक्षक और लालच से दूर बीएचयू के डॉक्टर टीके लाहिरी जैसी ही होगी। रांची के डॉ एसपी मुखर्जी तथा हटिया के डॉ सिंह जो एचइसी से रिटायर थे ऐसे ही डॉक्टरों की श्रेणी में आते हैं अनेक भगवान रूपी डॉक्टर मीडिया से दूर हैं । हमारे आपके अनेक सहपाठी,मित्र, संबंधी और शुभचिंतक डॉक्टर होंगे और अनेक अवसरों पर सरकारी अस्पतालों का भी हमारा अनुभव बहुत ही अच्छा रहा हो सकता है जब बिना पैरवी के उन्होंने धरती के भगवान जैसी भूमिका निभाई है प्रखंड स्तरीय, सदर अस्पताल रांची, रिम्स से लेकर दिल्ली के एम्स तक में डॉक्टरों का कर्त्तव्य बोध कि उन्हें मरीज की जान बचाने को प्राथमिकता देनी है सबसे सराहनीय पक्ष है।यदि हम उनकी व्यस्तता और दबाव को समझकर सम्मानपूर्वक बात करें तो किसी पैरवी की आवश्यकता नहीं पड़ती।आज सिर्फ मरीज को देखकर उसकी बीमारी जानने वाले बंगाल के प्रथम मुख्यमंत्री बीसी रॉय का जन्म दिन है। प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों में से एक होने के साथ-साथ एक सम्मानित डॉक्टर भी थे, जिन्हें 4 फरवरी, 1961 को भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री पद ठुकराकर डॉक्टर ही बने रहना चाहा था पर महात्मा गांधी के कहने पर बाद में दोनों काम करते रहे।डॉ बीसी रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 में हुआ था। इनका निधन भी 1 जुलाई, 1962 में हुआ था। इसलिए 1 जुलाई को डॉक्टर्स डे के रूप में मनाते हैं।डॉक्टर राय जैसे अनेक डॉक्टर बांग्ला और हिंदी साहित्य में मिलते हैं पर आज निजी अस्पतालों की भीड़ में ऐसे समर्पित डॉक्टर क्यों नहीं हैं या कम हैं यह सवाल कौंधता है । जब से चिकित्सा शिक्षा का निजीकरण के बाद कॉर्पोरेट संस्कृति में अस्पताल प्रोडक्ट और डॉक्टर सेवाप्रदाता बनते चले गए, अस्पतालों की चमक बढ़ती हुई सजे हुए शो रूम जैसी हो गई और सबकुछ आम आदमी की पहुंच से दूर होता चला गया ।तभी से भगवान और भक्त जैसा यह पवित्र पेशा एक व्यवसाय में बदलता चला गया जहां ग्राहक और सेवा प्रदाता का नया रिश्ता बना । आप के पास पैसे हैं तो देश विदेश में बच्चों को पढ़ाकर डॉक्टर बना सकते हैं या फाइव स्टार जैसी सुविधाओं वाले अस्पतालों में इलाज करा सकते हैं पर आम भारतीय पहले जान बचाने को ज़मीन गिरवी रखकर इलाज कराता था अब भीड़ के बीच निःशुल्क चिकित्सा के नाम पर दलालों के चक्कर में पड़ जाता है । आयुष्मान कार्ड से पांच लाख तक का इलाज मुफ्त है पर अनेक अस्पतालों पर हुई कार्रवाई यह साबित करती है कि सब कुछ ठीक नहीं है । बड़े से लेकर छोटे तक सरकारी अस्पतालों में ऐसे दलाल बेरोक टोक घूमते हैं और जल्दी इलाज या अच्छा इलाज के नाम पर लाचार या ग्रामीण मरीज़ों से पैसे ऐंठते हैं। सरकारी डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं के अभाव में रहना नहीं चाहते या निजी प्रैक्टिस की जुगाड़ में रहते हैं। राजनेता उन्हें नाजायज़ संरक्षण देते हैं और पूरे मायाजाल में हर किसी के पास बहाने तैयार रहते हैं । आवश्यकता इस बात की है ज्यादा से ज्यादा अच्छे मेडिकल कॉलेज बढ़ाए जाएं और नाममात्र की फीस पर डॉक्टर बना जा सके तभी ग़रीब घरों के बच्चे जो मजबूरी को समझते हों आगे आएं ना कि करोड़पति बच्चे जो सिर्फ़ पैसा कमाने के लिए डॉक्टर बनना चाहते हैं । कोरोना काल में सबने देखा कि डॉक्टर्स ने कैसे अपनी जान की परवाह किए बिना लगातार काम कर रहे थे ऐसे ही सदर अस्पताल रांची में कार्यरत एक डॉक्टर अजित हैं । 81 साल की उम्र में मुफ्त में रोगियों का इलाज करने वाले वाराणसी के डॉ टी के लहरी देश के जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट जिन्हें लोग महापुरुष और भगवान कहते थे ।सादगी की प्रतिमूर्ति बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त डॉ लहरी को भारत सरकार ने पद्मश्री से भी सम्मानित किया था । लोग इनकी तुलना डा विधानचंद्र राय से करते हैं, जिनकी जयंती पर नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। अमेरिका से पढ़ाई की जन्म कोलकाता में हुआ है। मरीजों की सेवा करने के लिए उन्होंने शादी नहीं की। रिटायरमेंट के बाद उन्हें अमेरिका के कई बड़े अस्पताल से ऑफर आया था लेकिन उनका मन यहीं लगा हुआ है। 1997 के बाद कभी नहीं ली डॉक्टर लहरी ने सैलरी और पूरी सैलरी जरूरतमंद मरीजों को दान देते थे। बताया जाता है कि 1997 में उनकी सैलरी 84,000 रुपये थी और अन्य भत्तों को मिलाकर ये एक लाख के ऊपर थी। हाथ में बैग, दूसरे में काली छतरी लिए हुए पैदल घर या बीएचयू हास्पिटल की ओर जाते हुए देखा जा सकता था जो शहर के होटल में 25 रुपए की थाली का खाना खाते देखा जाता था । सुधार के लिए सरकारी अस्पतालों में निजी अस्पतालों की तरह सुरक्षा व्यवस्था भी की जानी चाहिए जिससे दलाल किस्म के लोगों पर रोक लगेगी और वे मरीजों को अस्पताल की सुविधाओं के बारे में गाइड भी करेंगे।

बड़ेपुर हाई स्कूल के पास युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

● मृतक बैकुंठ चौधरी एफसीआई गोदाम में करता था मजदूरी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। सोमवार की सुबह पुलिस ने बड़ेपुर हाई स्कूल के पास से युवक का शव बरामद किया। मृतक की पहचान कुर्मी टोला निवासी बैकुंठ चौधरी (42 वर्ष) के रूप में हुई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। बताया गया कि वह रविवार रात 8 बजे घर से सौ रुपये लेकर निकला था, पर रात में नहीं लौटा। सुबह पुलिस द्वारा शव बरामद किए जाने की खबर मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि शव संदिग्ध अवस्था में मिला है, मृतक का जीभ बाहर निकला था। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो पाएंगे। परिजनों के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ट्रेन दुर्घटना में घायल महिला होमगार्ड से मिले विधायक संजय यादव

हुसैनाबाद। स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव सोमवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे और ट्रेन दुर्घटना में घायल हुई होमगार्ड जवान अनुराधा कुमारी से मुलाकात की। विधायक ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया और कहा कि परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उनकी मदद करना उनका कर्तव्य है। इस दौरान अस्पताल चौकी के एएसआई सुशीला टीयू समेत कई पुलिसकर्मी भी उपस्थित थे।

सोरहर नदी से अज्ञात शव बरामद, जांच जारी

नौडीहा। थाना क्षेत्र अंतर्गत नौडीहा-महुगाईं मार्ग के समीप स्थित सोरहर नदी से सोमवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। जानकारी मिलते ही नौडीहा थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकलवाकर जांच शुरू की। प्रभारी ने बताया कि शव की पहचान सुनिश्चित करने के लिए सभी संभावित माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है और मामला जांचाधीन है।

थाना प्रभारी ने कहा– पहचान के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं

अपहरण कांड के आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। चर्चित अपहरण कांड संख्या 5/2022, धारा 364 भादवि के तहत फरार चल रहे अभियुक्त कलाम अंसारी के विरुद्ध पुलिस ने रविवार को कार्रवाई करते हुए इश्तेहार चिपकाया। पुलिस टीम ने ढोल बजाकर गांव में उसकी जानकारी दी और दो स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में आरोपी के घर की दीवार पर कानूनी नोटिस चिपकाया। यह कार्रवाई थाना प्रभारी राजेश रंजन के निर्देश पर की गई। नोटिस में अभियुक्त को शीघ्र न्यायालय में समर्पण करने की चेतावनी दी गई है।

नौडीहा में वज्रपात से पेड़ जला, गनीमत से टली बड़ी घटना

नौडीहा। रविवार की मध्यरात्रि नौडीहा क्षेत्र में वज्रपात की घटना हुई, जिसमें शिमल के एक पेड़ में आग लग गई। हालांकि बारिश की वजह से आग पर जल्द काबू पा लिया गया और किसी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में कई विद्यालय हैं, लेकिन अधिकांश में तड़ित चालक यंत्र या तो अनुपस्थित हैं या निष्क्रिय। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इन यंत्रों को लगवाने में रुचि नहीं ली जाती, जिससे भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने शिक्षा विभाग से इस दिशा में ठोस कार्रवाई की मांग की है।

कुशवाहा विकास संघ की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन

हुसैनाबाद। कुशवाहा विकास संघ द्वारा जपला स्थित कुशवाहा भवन में सोमवार को एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नीट, आईआईटी तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं को फूल वर्षा कर, डायरी और पेन देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता सुरेश मेहता और प्रदीप मेहता ने की। सम्मानित छात्रों में मोहम्मदगंज के हिमांशु कुमार, जपला के अनिकेत कुमार, अहमदनगर के अभिषेक रंजन और महुअरी गांव के रूपक कुमार प्रमुख रहे। वक्ताओं ने इन बच्चों को समाज का गौरव बताते हुए कहा कि कुशवाहा समाज के ये होनहार छात्र कठिन परिस्थितियों में सफलता पाकर प्रेरणा बने हैं। कार्यक्रम में कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. अरुण मेहता, डॉ. उपेंद्र वर्मा, अजय मेहता, सुनील मेहता आदि प्रमुख थे।

रेलवे की मनमानी से ग्रामीण परेशान, अंडरपास की मांग अनसुनी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। थर्ड रेल लाइन विस्तार के बावजूद राजनडीह-पदारथडीह और बेगमपुरा में अंडरपास ब्रिज नहीं बन पाया है, जिससे ग्रामीणों को भारी कठिनाई हो रही है। सिंचाई कॉलोनी के पास बने अंडरपास से केवल छोटे वाहन ही गुजर पाते हैं। गांवों के संपर्क मार्ग बारिश में पूरी तरह बाधित हो जाते हैं। बेगमपुरा के ग्रामीणों ने चुनाव बहिष्कार तक का फैसला लिया था, परंतु आश्वासनों के बाद मतदान किया गया। काशीस्रोत रेल पुल एक विकल्प है, लेकिन उससे जुड़ने वाले संपर्क मार्ग नहीं बन पाने के कारण यह भी अप्रभावी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सिंचाई कॉलोनी के पास बना अंडरपास भी जलजमाव की समस्या से जूझता है। भारी वाहन इस मार्ग से नहीं गुजर सकते, जिससे परिवहन और आवश्यक सेवाएं प्रभावित होती हैं। ग्रामीणों ने रेलवे गेट को मानवरहित की जगह मानवयुक्त करने की मांग दोहराई है।

सीडीपीओ कार्यालय पर अवैध वसूली का आरोप

▸ सेविकाओं से जबरन राशि मांगने को लेकर आक्रोश, सूचना अधिकार अधिनियम की आड़ में हो रही वसूली

नवीन मेल संवाददाता

नावाबाजार (पलामू)। विश्रामपुर बाल विकास परियोजना कार्यालय पर आंगनबाड़ी सेविकाओं से अवैध वसूली करने का गंभीर आरोप लगा है। यह आरोप सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्राप्त एक आरटीआई आवेदन के जवाब देने की आड़ में लगाया गया है। गिरिडीह के आरटीआई कार्यकर्ता राकेश मिश्रा ने कोरोना काल 2019-20 व 2020-21 के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों से सुखा राशन वितरण संबंधी जानकारी मांगी है। विश्रामपुर, हुसैनाबाद, लेस्लीगंज, हैदरनगर, पाटन और मनातू परियोजना कार्यालयों को इस आरटीआई में शामिल किया गया है। आरोप है कि विश्रामपुर परियोजना कार्यालय की महिला पर्यवेक्षिका शिमला कुमारी और एकता नाथ सेविकाओं से राशि वसूलने के लिए होटल और ढाबों में बैठक कर रही हैं। सेविकाओं ने बताया कि पोषण ट्रैकर की जानकारी देने के बहाने उन्हें बुलाकर आरटीआई कार्यकर्ता को 'मैनेज' करने और आरटीआई के जवाब को रफा-दफा करने के लिए पैसा मांगा जा रहा है। इतना ही नहीं, प्रतिमाह वाउचर जमा करने के बदले भी कार्यालय सहायक एवं पर्यवेक्षिका द्वारा अवैध रूप से पैसे की मांग की जाती है। कई सेविकाएं मानसिक दबाव में हैं लेकिन नौकरी जाने के डर से खुलकर सामने नहीं आ पा रही हैं। इस विषय में कार्यालय सहायक अनंत आलोक सिन्हा ने जानकारी से इनकार किया। पर्यवेक्षिका से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल बंद मिला।

डिवाइडर से टकराई बाइक, दो घायल

हरिहरगंज। सोमवार को एनएच-139 फोरलेन पर कौआखोह के पास बाइक के डिवाइडर से टकरा जाने से दो व्यक्ति घायल हो गए। घायल व्यक्तियों की पहचान बिहार के औरंगाबाद जिले के कुटुंबा निवासी सुभाष रजक (60) व रंजीत रजक (35) के रूप में हुई है। दोनों चाचा-भतीजा हैं और छतरपुर रिश्तेदार के घर जा रहे थे। हादसे के बाद दोनों को एनएचएआई एम्बुलेंस से सीएचसी हरिहरगंज लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सुभाष रजक को गंभीर स्थिति में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

बरवाडीह में फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने की कोशिश, तीन आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज

▸ झूठे मालगुजारी रसीद से जमीन पर दावा, घर में घुसकर दी धमकी; कोर्ट के आदेश पर पड़वा थाना में मामला दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

पड़वा। पलामू जिले के पड़वा थाना क्षेत्र के बरवाडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर फर्जी दस्तावेज तैयार करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी कोर्ट के आदेश पर पड़वा थाना में 05 सितंबर 2024 को दर्ज की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरवाडीह गांव निवासी अजित कुमार ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, डालटनगंज की अदालत में परिवाद पत्र (संख्या-2829/2023) दायर कर आरोप लगाया कि अभियुक्त राम कृपाल महतो, उनके पुत्र सीतेश कुमार महतो (दोनों निवासी ग्राम छिछोरी थाना पड़वा) तथा एक अन्य आरोपी अनिल सिंह (जो वर्तमान में अंचल कार्यालय, पड़वा में पदस्थापित हैं) ने साजिश के तहत उसकी पुश्तैनी जमीन पर फर्जी तरीके से मालगुजारी रसीद तैयार कर जमीन पर अवैध दावा किया है। परिवादी ने बताया कि यह जमीन वर्ष 1968 में उनके पूर्वजों द्वारा खरीदी गई थी और वर्षों से उसका नामांकन एवं मालगुजारी रसीद भी वैध रूप से चल रहा था। लेकिन अभियुक्तों ने वर्ष 2008 में बिना किसी वैध अधिकार के उक्त जमीन का निबंधन करा लिया, और बाद में अंचल कर्मी की मिलीभगत से फर्जी रसीद तैयार करवा ली। इसके अलावा, 01 नवंबर 2023 की सुबह 8 बजे अभियुक्त राम कृपाल और सीतेश कुमार लाठी-डंडे से लैस होकर उसके घर में जबरन घुस आए और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। साथ ही यह भी कहा कि उसने अंचल कार्यालय में सूचना लेने का दुस्साहस कैसे किया। घटना की जानकारी पीड़ित ने थाना और एसपी को भी दी थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर उसने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर 05 सितंबर 2024 को एफआईआर संख्या 69/24 दर्ज की गई। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 452, 504, 506, 467, 468, 471, एवं 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच का जिम्मा एसआई विजय प्रसाद मेहता को सौंपा गया है। इस मामले में पुलिस ने कहा है कि साक्ष्य के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित ने आरोपियों को कठोर दंड देने की मांग की है।

पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास

मोहम्मदगंज। गोड़ाडीह गांव में सोमवार को 15वें वित्त आयोग मद से बनने वाले पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। मुखिया शोभा देवी ने पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर कार्य की विधिवत शुरूआत की। यह पथ ईंट भट्ठा से प्रवेश पासवान के घर तक लगभग 300 फीट लंबा बनाया जाएगा। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह, उपमुखिया नीलेश कुमार सिंह, समाजसेवी उदय कुमार सिंह, वार्ड सदस्य सोनी देवी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

पांडू प्रखंड में योजनाओं का निरीक्षण कार्य में तेजी लाने के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

ऊंटारी रोड। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) मोहम्मद जावेद हुसैन ने पांडू प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में चल रही सरकारी योजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पीएम आवास, अबुआ आवास और दीदी बाड़ी योजना समेत मनरेगा योजनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। डीडीसी ने गुआसरई में आम बागवानी और दीदी बाड़ी योजना का निरीक्षण किया तथा कजरू कला में अबुआ आवास योजना के तहत निर्मित तीन घरों का गृह प्रवेश कराया। लाभुक शोभा देवी, पिंकी देवी और रीता देवी को आवास की चाबी सौंपी गई। ग्राम खुरा में भी बीडीओ रणबीर कुमार द्वारा लाभुक लीलावती देवी को अबुआ आवास का गृह प्रवेश कराया गया। निरीक्षण के दौरान प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी रितेश दुबे, आवास समन्वयक ओमप्रकाश, पंचायत सचिव जितेन्द्र कुमार, पंचायत सहायक मनोरंजन प्रसाद गुप्ता एवं सिलदिली पंचायत के मुखिया बालमुकुंद पासवान मौजूद रहे।

मोहर्रम को लेकर मुस्लिम समुदाय की बैठक सम्पन्न

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड मुख्यालय स्थित मदरसा परिसर में रविवार को मोहर्रम पर्व को लेकर मुस्लिम समुदाय की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से एनामुल आजाद उर्फ बबलू को जनरल खलीफा और आफताब आलम को नायब जनरल खलीफा नियुक्त किया गया। जनरल खलीफा एनामुल आजाद ने बताया कि मोहर्रम के अवसर पर शांति और सौहार्द बनाए रखने की पूरी कोशिश की जाएगी। नवमी के दिन अखाड़ा मिलान और पहलाम के आयोजन के साथ 10 दिनों तक डेग फातेहा व कुरानख्वानी किया जाएगा। बैठक में कमिटी के सदर, सेक्रेटरी, खजांची और सदस्य समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

लगातार बारिश से भदई फसलों की बोवाई प्रभावित, किसान हुए नाउम्मीद

◂◂ धान की बिचड़ा डालने में आई तेजी, मक्का-बोदी-बराई की खेती पर असर

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश जहां धान की खेती के लिए अनुकूल साबित हो रही है, वहीं भदई फसलों जैसे मक्का, बोदी, बराई, तील और मूंगफली की बोवाई किसानों के लिए चुनौती बन गई है। दलदली होती जमीन में जुताई असंभव हो गई है। किसानों का कहना है कि जब तक मिट्टी की नमी नियंत्रित नहीं होगी, तब तक भदई फसलों की बुवाई संभव नहीं। हालांकि, बारिश थमने पर अरहर की खेती का विकल्प अपनाया जा सकता है। इधर, आहर-तालाबों और नदी-नालों के भर जाने से धान की खेती के प्रति किसानों में उम्मीद बढ़ी है। यही कारण है कि अधिकांश किसान अब बिचड़ा डालने में जुट गए हैं और इसे लगभग पूरा कर लिया गया है।

परंपरागत स्वाद विलुप्ति की कगार पर

मक्का-घाटा, बोदी की सब्जी और बराई की दाल जैसे व्यंजन अब दुर्लभ भदई फसलों से जुड़ी ग्रामीण परंपरा भी अब दम तोड़ रही है। मक्का की रोटी, बोदी की सब्जी और बराई की दाल मट्ठे के साथ कभी स्वादिष्ट और पारंपरिक भोजन माने जाते थे, लेकिन बदलते मौसम, घटते उत्पादन और कृषि से मोहभंग के चलते यह व्यंजन अब दुर्लभ हो चले हैं। इस साल भी ऐसी स्थिति बनी हुई है।

हैदरनगर में 169 किसानों को मिला मक्का बीज

हैदरनगर। प्रखंड क्षेत्र में मक्का की खेती करने वाले किसानों के लिए राहत भरी खबर है। अब तक 169 किसानों को मक्का बीज वितरित किए जा चुके हैं। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अमरेश कुमार ने बताया कि विभाग ने समय पर बीज उपलब्ध कराने की पूरी कोशिश की है। एटीएम परवीन जहां ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर किया जा रहा है। इस अवसर पर उप प्रमुख पप्पू पासवान, पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडे और समाजसेवी अजय जायसवाल ने प्रशासन की सराहना की। बीज की समय पर आपूर्ति से किसानों में उत्साह का माहौल है।

सराहनीय पहल

भीमचुल्हा मंदिर में अंतजार्तीय पुनर्विवाह की मिसाल

दलित-आदिवासी दंपति ने समाज में पेश की नई परंपरा

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले भीमचुल्हा शिव मंदिर में सोमवार को एक अनोखा विवाह सम्पन्न हुआ। यह पुनर्विवाह एक दलित विधुर और एक आदिवासी विधवा के बीच संपन्न हुआ, जिसमें सादगी के साथ वैवाहिक रस्में पूरी की गईं। वधु जुही कुमारी रंका (गढ़वा) की निवासी हैं और वर शिवपूजन राम औरंगाबाद (बिहार) के नबीनगर से हैं। पुजारी पंडित गंगा तिवारी के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विवाह सम्पन्न हुआ। मंदिर के सेवक सत्येंद्र चंद्रवंशी ने इस आयोजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह विवाह सामाजिक समरसता और पुनर्विवाह की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल माना जा रहा है।

भीमचुल्हा मंदिर में सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन

मोहम्मदगंज। गोपालपुर (अरवल, बिहार) निवासी मिथिलेश सिंह और उनकी पत्नी रिंकी सिंह ने सोमवार को भीमचुल्हा मंदिर परिसर में सत्यनारायण भगवान की कथा का श्रवण किया। उन्होंने बताया कि सिंचाई विभाग में कार्यरत मिथिलेश सिंह की मनोकामना पूर्ण होने पर पारिवारिक पुरोहित से यह धार्मिक आयोजन कराया गया। कथा वाचन पुजारी सह गाइड पंडित गंगा तिवारी ने किया, जिसमें सेवक सत्येंद्र कुमार चंद्रवंशी भी उपस्थित थे। कहा गया कि इस मंदिर में श्रद्धा से की गई प्रार्थना अवश्य पूरी होती है।

न्यूज | बॉक्स

हूल दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

सतबरवा। घुटुवा पंचायत के सेरेनदाग गांव में हूल दिवस के अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता आशीष कुमार सिन्हा व पांकी विधायक प्रतिनिधि महेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी लोगों ने सिद्धो-कान्हू, फुलो-झानो सहित संथाल हूल के वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। आशीष सिन्हा ने कहा कि 1855 के संथाल विद्रोह ने ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी थी और यह स्वतंत्रता संग्राम का प्रथम चरण था। वहीं महेश यादव ने युवाओं से उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर सामाजिक न्याय और एकता को मजबूत करने की अपील की। कार्यक्रम में बनौधी यादव, प्रवेश यादव, अशर्फी यादव, मोहन सिंह, दीपक सिंह, फुलमती देवी, शंकर यादव सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल देशभक्ति नारों से गूंजता रहा।

जिला बनाने की मांग को लेकर संघर्ष मोर्चा का गठन

छतरपुर (पलामू)। छतरपुर को जिला बनाने की मांग को लेकर सोमवार को एक अहम बैठक जपला रोड स्थित परी मैरेज हॉल में आयोजित की गई। बैठक में 'छतरपुर जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा' का गठन किया गया और सर्वसम्मति से फंटूस जायसवाल को मुख्य संयोजक बनाया गया। बैठक की अध्यक्षता सुदामा पासवान ने की, जबकि संचालन अरविंद गुप्ता 'चुनमून' ने किया। हूल दिवस के अवसर पर सिदो-कान्हू और बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि छतरपुर सभी बुनियादी मापदंडों को पूरा करता है और जिला बनने से क्षेत्र के विकास की गति तेज होगी। बैठक में 21 सदस्यीय संयोजक मंडल गठित किया गया। बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं और अभिभावकों ने बैठक में भाग लिया।

अखिल भारतीय कानू महासंघ द्वारा शिक्षा सम्मान समारोह सम्पन्न

नीलाम्बर पीताम्बरपुर। अखिल भारतीय कानू महासंघ, पलामू द्वारा सोमवार को रजवाडीह स्थित लावण्या मैरेज हॉल में शिक्षा सम्मान सह मोटिवेशनल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कंगाली बाबा की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण के साथ हुई। कार्यक्रम में 10वीं, 12वीं और स्नातक स्तर के टॉपर छात्र-छात्राओं को मेडल, कप और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षा सफलता की कुंजी है और इस प्रकार के आयोजन समाज को प्रेरणा देते हैं। जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न हो, इसके लिए संघ सदैव तत्पर रहेगा। कार्यक्रम का संचालन अवधेश विद्यार्थी और संजय साहु ने किया। सैंकड़ों की संख्या में समाज के लोग और छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित थे।

नशा मुक्ति अभियान के तहत स्कूली बच्चों को किया गया जागरूक

नावाबाजार (पलामू)। एमआरडी पब्लिक स्कूल, नावाबाजार में सोमवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर विपिन कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया, जो पुलिस अधीक्षक रेशमा रमेशन के निर्देश पर चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में बच्चों को नशे के शारीरिक, मानसिक व सामाजिक नुकसान की जानकारी दी गई। बच्चों ने नशा मुक्ति को लेकर शपथ ली और हाथों में स्लोगन तख्तियों के साथ रैली भी निकाली। स्लोगन में लिखा था झ ₹नशा मिटाओ, घर-संसार बचाओ₹, ₹मादक पदार्थ से परिवार को बचाना है, नशा मुक्त जीवन अपनाना है₹। सब इंस्पेक्टर सिंह ने बताया कि नशे की लत युवाओं को अपराध की ओर ले जाती है और समाज में अपमान का कारण बनती है। उन्होंने महिला हिंसा पर भी जानकारी दी और बच्चों को 112 व 100 नंबर की जानकारी देते हुए जरूरत पर कॉल करने की सलाह दी। इस अभियान से समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ रही है।

सभी को साथ लेकर कॉलेज में शैक्षणिक वातावरण बनाना मेरा लक्ष्य : डॉ. अजय पासवान

- **जनता शिवरात्रि महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य का पदभार ग्रहण, पूर्व प्राचार्य को दी गई विदाई**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जनता शिवरात्रि महाविद्यालय में सोमवार को डॉ. अजय कुमार पासवान ने औपचारिक रूप से प्रभारी प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर एक सादे समारोह का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में किया गया, जिसमें पूर्व प्राचार्य डॉ. अश्विनी कुमार वैद्य ने उन्हें कार्यभार सौंपा। कार्यक्रम में कॉलेज के फैकल्टी सदस्य और गैर-शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. अजय पासवान शिक्षा क्षेत्र के एक अनुभवी एवं प्रतिष्ठित शिक्षाविद हैं। उन्होंने पूर्व में जीएलए कॉलेज में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य किया है, साथ ही नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में चार वर्षों तक जनसूचना अधिकारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं। शैक्षणिक उत्कृष्टता और प्रशासनिक दक्षता के लिए पहचाने जाने वाले डॉ. पासवान के नेतृत्व में महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास की आशा की जा रही है।

पदभार ग्रहण करने के पश्चात डॉ. पासवान ने कहा, "मैं इस दायित्व को पाकर गौरव अनुभव कर रहा हूँ। मेरा संकल्प है कि छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास और महाविद्यालय की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों पर ले जाया जाए।" उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों के सहयोग से एक प्रेरणादायक और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व प्राचार्य डॉ. एके वैद्य को विदाई दी गई और सम्मानित भी किया गया। कॉलेज परिवार की ओर से उन्हें उनके योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। समारोह में प्रो. सुरेश साहू, जयप्रकाश राम, प्रधान सहायक राजीव मुखर्जी, कमलेश पांडेय सहित समस्त स्टाफ व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और डॉ. पासवान का स्वागत करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता ने की धान रोपाई की शुरुआत

- **खुद खेत में उतरकर बीहन पहुंचाकर पेश की मिसाल**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पांकी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता ने रविवार को नीलांबर-पीतांबरपुर प्रखंड अंतर्गत स्थित अपने मौर्या फार्म हाउस में विधिवत पूजा-अर्चना कर धान रोपाई कार्य की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं खेत में उतरकर धान के पौधे (बिहन) लगाए और परंपरागत खेती से आत्मीयता का परिचय देते हुए किसानों के साथ खड़े रहने का संदेश दिया। विधायक ने कहा कि खेती केवल उत्पादन का माध्यम नहीं, बल्कि श्रम, प्रकृति और परंपरा से जुड़ा हुआ एक जीवन दर्शन है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में सिर्फ मंच से बातें करना ही नहीं, बल्कि ज़मीन पर किसानों की मेहनत और संघर्ष को महसूस करना भी ज़रूरी है। यह कार्य खेती से जुड़ाव और उसके महत्व को दर्शाता है।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सुनील कुशवाहा, संतोष वर्मा, मीडिया प्रभारी राकेश कुमार वर्मा उर्फ सोनू, गोपाल यादव, सुधीर तिवारी, अरविंद मेहता, राहुल सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

विधायक ने खेत में प्रवेश से पहले पूजा-अर्चना कर प्रकृति का आभार जताया और बेहतर फसल के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने कामना की कि यह वर्ष सभी किसानों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

नशे की जड़ पर चोट : डीआईजी ने दिए सख्त निर्देश, माफिया पर करें कार्रवाई

- **पलामू प्रक्षेत्र में अफीम, गांजा और शराब के धंधेबाजों की खैर नहीं**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू क्षेत्र में मादक पदार्थों की खेती, तस्करी और अवैध शराब के कारोबार पर अब पुलिस की आंख मूंदने की आदत नहीं चलेगी। पुलिस उपमहानिरीक्षक पलामू प्रक्षेत्र डालटनगंज ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए साफ कर दिया है – अब एक भी अपराधी बख्शा नहीं जाएगा। सभी थाना और ओपी प्रभारियों को सख्त लहजे में चेतावनी दी गई है कि यदि उनके इलाके में कोई भी नशे का कारोबार बिना कार्रवाई के चलता मिला, तो जिम्मेदार अधिकारी की खैर नहीं।

डीआईजी के अनुसार अफीम, गांजा, डोडा और देसी शराब की अवैध खेती व व्यापार न सिर्फ कानून व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं बल्कि युवा पीढ़ी को भी गर्त में धकेल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे को लेकर बेहद गंभीर है और अब सिर्फ खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा।

आदेश में कहा गया है कि सीमावर्ती, जंगल, नदी किनारे और संदिग्ध गांवों में गश्ती बढ़ाई जाए, खुफिया तंत्र मजबूत हो और मुखबिरों को सक्रिय कर हर सूचना पर तुरंत कार्रवाई हो। यह भी निर्देश दिया गया है कि एनडीपीएस एक्ट व उत्पाद शुल्क अधिनियम के तहत दोषियों को बिना देर किए जेल भेजा जाए।

डीआईजी ने खास तौर पर यह भी कहा कि छापेमारी सिर्फ दिखावे की नहीं होनी चाहिए, बल्कि ठोस और असरदार होनी चाहिए। आम जनता को भी इस मुहिम में शामिल करने की अपील की गई है और पुलिस को बताया गया है कि जनता से मिली सूचना की गोपनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अगर थाना प्रभारी अब भी लापरवाही बरतते हैं, तो खुद उनके खिलाफ कार्रवाई तय है। नशे का धंधा अब 'कमाई का जरिया' नहीं, बल्कि नौकरी गंवाने का कारण बनेगा।

121.6 मिमी की तुलना में इस बार हुई 252.9 मिमी बारिश, खरीफ फसलों की पैदावार को लेकर बढ़ी उम्मीद

पलामू में जून में सामान्य से 108% अधिक बारिश, धनरोपनी में जुटे किसान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में इस वर्ष जून माह में सामान्य से लगभग दुगनी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार जिले में जहां औसतन 121.6 मिमी वर्षा होती है, वहीं इस बार 252.9 मिमी बारिश हुई है। यानी सामान्य की तुलना में 108 प्रतिशत अधिक। इस अत्यधिक वर्षा के चलते किसानों में खरीफ फसल की अच्छी उपज को लेकर नई उम्मीद जगी है।

मौसम विभाग के अनुसार झारखंड में बीते 11 वर्षों में जून महीने में सबसे अधिक वर्षा इसी वर्ष दर्ज की गई है। पूरे राज्य में इस वर्ष जून में औसतन 348.9 मिमी वर्षा हो चुकी है। पलामू भी उन 14 जिलों में शामिल है, जहां सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है।

अकाल से राहत, उम्मीदों की आई गौरतलब है कि पिछले कई वर्षों तक जिले में कम वर्षा के चलते किसान खेती को लेकर संकट में थे। पिछले वर्ष को छोड़ दें तो लगातार सूखे की स्थिति ने खेतों को सूना कर दिया था और फसल की पैदावार पर भी गंभीर असर पड़ा था। किसानों को सिंचाई के लिए पंप सेटों और टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता था। हालांकि इस बार समय पर और पर्याप्त वर्षा ने किसानों को खेतों में सक्रिय कर दिया है। मई में हुई शुरुआती बारिश से बिचड़ा तैयार करना शुरू हुआ था और अब जून में लगातार हो रही बारिश के कारण अधिकांश क्षेत्रों में धान की रोपनी शुरू हो चुकी है।

विधि-विधान से शुरू हुई खेती : धान की रोपाई के पहले किसान पारंपरिक विधि से पूजा-अर्चना कर गांव के देवता को नमन कर खेती की शुरुआत कर रहे हैं। चैनपुर प्रखंड अंतर्गत पूर्वडीहा गांव के निवासी और पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त रामआस दुबे ने बताया कि रिटायरमेंट के बाद पिछले 10 वर्षों से वे खेती कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार अब तक तीन बीघा में धान की रोपनी कर चुके हैं और बारिश अनुकूल रही तो आगे भी यह काम जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें सिंचाई के लिए हमेशा पंपिंग सेट का सहारा लेना पड़ता था, लेकिन इस वर्ष प्रकृति ने साथ दिया है, जिससे किसान फिर से खेती में उम्मीद लेकर जुटे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक की मौत, एक घायल

मेदिनीनगर। सोमवार की शाम सतबरवा थाना क्षेत्र के दुबियाखाड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों को टक्कर मार दी। हादसे में अजमल अंसारी (32) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हाशमू अंसारी (28) गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों मेदिनीनगर से अपने गांव बेतला लौट रहे थे। स्थानीय लोगों ने दोनों को एमएमसीएच पहुँचाया। मृतक का पोस्टमार्टम मंगलवार को किया जाएगा। हादसे के बाद परिजनों में शोक की लहर है।

गांजा तस्करी मामले में दो अभियुक्तों को 12 वर्ष की सश्रम कारावास व एक लाख जुर्माना की सजा

मेदिनीनगर। सतबरवा थाना अंतर्गत गांजा तस्करी के एक मामले में पलामू व्यवहार न्यायालय ने कड़ी सजा सुनाते हुए दो आरोपियों को 12 वर्ष सश्रम कारावास और एक-एक लाख रुपये जुर्माने की सजा दी है। यह फैसला एनडीपीएस-13/2022, सतबरवा थाना कांड संख्या-94/2022 के तहत सोमवार को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-01, डालटनगंज, पलामू की अदालत द्वारा सुनाया गया। सजा पाने वाले अभियुक्तों में ओड़िशा के सम्बलपुर जिले के बाराबांका थाना क्षेत्र निवासी देवेन्द्र साबर (ड्राइवर) और नकटी देवल थाना क्षेत्र के जगन्नाथ गांव निवासी मनोज शेठी (खलासी) शामिल हैं। दोनों अभियुक्तों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20/22 (सी) के अंतर्गत दोषी पाया गया। अदालत ने प्रत्येक को 12 साल सश्रम कारावास के साथ एक-एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना नहीं देने पर एक वर्ष अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। घटना 29 सितंबर 2022 की है। सतबरवा थाना प्रभारी को गुप्त सूचना मिली थी कि टाटा-709 मॉडल की एक सफेद रंग की ट्रक से भारी मात्रा में गांजा की तस्करी की जा रही है। सूचना पर तत्परता दिखाते हुए थाना के सामने सुबह 3 बजे चेकिंग अभियान चलाया गया। जांच के दौरान उक्त ट्रक से 3 क्विंटल 20 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि गांजा को लातेहार से ओड़िशा के सम्बलपुर ले जाया जा रहा था।

न्यूज बॉक्स

पेट्रोल पंप और आभूषण दुकानों में सीसीटीवी लगाने का निर्देश

मेदिनीनगर। सोमवार को शहर थाना परिसर में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी की अध्यक्षता में पेट्रोल पंप और आभूषण दुकानदारों के साथ बैठक आयोजित की गई। शहर थाना प्रभारी ने बैठक का संचालन किया। बैठक में कहा गया कि दुकानों में सुरक्षा की दृष्टि से चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य है। साथ ही दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों का पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लेना और सत्यापन कराना आवश्यक बताया गया। बैठक में करीब 20 कारोबारी उपस्थित थे।

ब्लड बैंक की मांग तेज, एकमात्र केंद्र पर बढ़ा दबाव

मेदिनीनगर। पलामू जिले में एकमात्र ब्लड बैंक होने से भारी दबाव बना हुआ है। जरूरतमंदों को 70-80 किमी दूर मेदिनीनगर आना पड़ता है। जपला, छतरपुर, रामगढ़, मनातू समेत अन्य क्षेत्रों से आने वाले रोगी भी इसी बैंक पर निर्भर हैं। स्थानीय लोगों, संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सरकार से जिले के अन्य क्षेत्रों में ब्लड बैंक खोलने की मांग की है। सिविल सर्जन अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज में ब्लड बैंक खोलने की प्रक्रिया जारी है और ब्लड संग्रहण केंद्र पर भी विचार हो रहा है।

विद्यार्थी परिषद का सदस्यता अभियान, पूरे जिले में बनाए जाएंगे 12 हजार सदस्य

मेदिनीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पलामू जिला की कार्यशाला गणपति धर्मशाला में संपन्न हुई। इस अवसर पर 15 जुलाई से 15 अगस्त तक चलने वाले सदस्यता अभियान की रणनीति बनाई गई। जिला के विभिन्न कॉलेजों और प्रखंड स्तर पर सदस्यता टोली का गठन किया गया। उद्घाटन विभाग संयोजक रामाशंकर पासवान, कला मंच प्रमुख अंकित लाल और नगर विद्यार्थी विस्तार प्रमुख उत्कर्ष नंद ने किया। पासवान ने कहा कि परिषद छात्रहित के लिए सदैव संघर्षरत है और इस बार 12,000 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। नगर मंत्री उत्कर्ष तिवारी ने बताया कि प्रचार-प्रसार के लिए दीवार लेखन और अन्य माध्यमों का सहारा लिया जाएगा। कार्यशाला में कौशल मिश्रा, गगन सिंह, किसलय दुबे, सूरज उपाध्याय, राज कुमार, नीतीश कुमार, ऋतिक उरांव समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

पत्नी की टांगी से हत्या करनेवाले प्रभू परहिया को आजीवन कारावास

मेदिनीनगर। पलामू जिला अंतर्गत चैनपुर थाना क्षेत्र में खेत विवाद को लेकर पत्नी की हत्या के आरोपी प्रभू परहिया को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-06, डालटनगंज के न्यायालय ने सोमवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। न्यायालय ने दोषी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह निर्णय चैनपुर थाना कांड संख्या 114/2011 (एसटी संख्या 136/2012) के तहत सुनाया गया। मामला 9 अगस्त 2011 का है जब चैनपुर थाना क्षेत्र के परसाखॉड़ गांव निवासी तापेश्वर परहिया की पत्नी बिफनी देवी अपने खेत में लगी मक्के की फसल की देखभाल करने गई थी। इसी दौरान प्रभू परहिया ने अपने मवेशियों को उक्त खेत में छोड़ दिया। जब बिफनी देवी ने जानवरों को हटाने का प्रयास किया, तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर अभियुक्त प्रभू परहिया ने टांगी से हमला कर बिफनी देवी की हत्या कर दी। घटना के बाद वादी तापेश्वर परहिया ने चैनपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक जनार्दन शर्मा ने साक्ष्य और गवाहों के आधार पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। करीब 14 वर्षों तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद आखिरकार 30 जून 2025 को न्यायालय ने प्रभू परहिया को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 10,000 का जुर्माना लगाया। न्यायालय का यह फैसला महिला हिंसा के मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई और समयबद्ध न्यायिक प्रक्रिया का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

जरूरतमंदों की उम्मीद बन चुका है 'समृद्धि की रोटी' अभियान

मेदिनीनगर। जरूरतमंदों के लिए मिशन समृद्धि संस्था का 'समृद्धि की रोटी' अभियान एक भरोसे का नाम बन चुका है। कड़कती धूप हो, ठिठुरती ठंड या फिर झमाझम बारिश—संस्था की टीम हर परिस्थिति में भोजन लेकर जरूरतमंदों तक पहुंच रही है। शनिवार को भारी बारिश के बावजूद संस्था की टीम भोजन लेकर शनि मंदिर क्षेत्र पहुंची, जहां पहले से ही भूख से जूझ रहे बच्चे, वृद्ध और महिलाएं बारिश के कारण एक जगह सिमटे हुए थे। बारिश के कारण सभी लोग एकत्र थे, जिससे भोजन वितरण में सहूलियत भी हुई। संस्था की टीम ने पूरे मनोयोग से भोजन बांटा और सभी के चेहरे पर राहत की मुस्कान आई। संस्था के सदस्यों ने बताया कि यह अभियान समाज के सजग नागरिकों के सहयोग और टीम के समर्पण से निरंतर चल रहा है। इसमें रोटी उपलब्ध कराने वाले हर परिवार का योगदान अमूल्य है। संस्था ने विशेष रूप से बैजन्ती गुप्ता, वीणा राज, शिल्पी गोस्वामी, ममता कुमारी, बेबी पांडेय और अन्य सहयोगियों को उनके सतत सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। संस्था के सदस्यों का कहना है कि "हमारी कोशिश है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। यही हमारा संकल्प है और जब तक साथियों का प्यार और समर्थन बना रहेगा, यह कार्य अनवरत चलता रहेगा।" 'समृद्धि की रोटी' अभियान आज जरूरतमंदों के लिए सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि उम्मीद और आत्मसम्मान का प्रतीक बन चुका है।

हूल विद्रोह के महानायकों को झामुमो ने दी श्रद्धांजलि आदिवासी अस्मिता के संघर्ष को किया याद

- **सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो समेत वीर शहीदों को किया गया नमन**

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कार्यालय में रविवार को हूल दिवस के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो और अन्य वीर शहीदों व वीरांगनाओं के संघर्ष और बलिदान को नमन किया गया।

जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज़ादी की लड़ाई शुरू होने से पहले ही 1855 में संथाल क्षेत्र में हूल विद्रोह के माध्यम से हमारे वीर पूर्वजों ने अंग्रेजी हुकूमत और महाजनों के अत्याचार के विरुद्ध बिगुल फूंका था। उन्होंने कहा कि यह विद्रोह केवल प्रतिरोध नहीं था, बल्कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक शुरुआत थी।

राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि हमारे वीर पुरखों की यह विरासत हमें हमेशा न्याय, अधिकार और स्वाभिमान के लिए प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे शहीदों के सपनों का झारखंड बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

सभा के दौरान सभी ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और "सिदो-कान्हू अमर रहें, झारखंड के वीर शहीद अमर रहें, जय झारखंड" के नारे लगाए।

इस मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य संजीव तिवारी, सन्नु सिद्दीकी, सुशीला मिश्रा, सुनील तिवारी, रंजन चंद्रवंशी, रमेश सिंह, अनुराग सिंह, देवानंद भारद्वाज, राकेश सिन्हा, संतोष मिश्रा, दीपू चौरसिया, अशफर रब्बानी, अविनाश देव, अखलेश कुमार सिंह, शाहनवाज उर्फ बबलू, विशाल सिन्हा, अल्ताफ राइन, रंजीत सिंह, मन्नत बग्गा, नन्हे खान, अरविंद चौधरी, बबलू चौधरी, कौशल किशोर, सैयद फैजल, कौशल कुमार सिंह, कांति चंद्रवंशी, राजिया नियाजिया, मंजू देवी, धीरेंद्र उरांव सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गंभीर बीमारी से जूझ रहे प्रिंस के इलाज के लिए मदद की अपील

मेदिनीनगर। शहर के सिंचाई विभाग के पास रहने वाले प्रिंस, जो कि विगत कुछ दिनों से पेंक्रियाज की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार प्रिंस के पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं, जिससे परिवार पर इलाज का आर्थिक बोझ और अधिक बढ़ गया है। चिकित्सकों के अनुसार प्रिंस के इलाज पर अनुमानित करोड़ों रुपये खर्च हो सकते हैं, जो किसी एक परिवार के लिए वहन कर पाना संभव नहीं है। इसी बीच वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट को जब इस परिस्थिति की जानकारी प्रिंस की माता अर्चना सिन्हा के माध्यम से मिली, तो ट्रस्ट की सचिव शर्मिला वर्मा के नेतृत्व में टीम ने तत्काल सहायता की पहल की। अब तक कुछ आर्थिक सहायता भेजी भी जा चुकी है, लेकिन बीमारी के इलाज में लगने वाली बड़ी राशि को पूरा करने के लिए ट्रस्ट ने जिलेवासियों से सामूहिक सहयोग की अपील की है।

1 जुलाई से शुरू होगी शराब दुकानों का हैंडओवर-टेकओवर, 5 जुलाई से सभी दुकानें संचालित होंगी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले में खुदरा शराब दुकानों के संचालन में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। वर्तमान मानव बल प्रदाता की सेवा अवधि 30 जून 2025 को समाप्त हो रही है। इसको लेकर उत्पाद विभाग ने नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी पूरी कर ली है। उत्पाद अधीक्षक संजीत कुमार देव ने जानकारी देते हुए बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में अब दुकानों में मौजूद शराब के स्टॉक एवं उपस्करों (उपकरणों) का हैंडओवर और टेकओवर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। यह प्रक्रिया 1 जुलाई 2025 से प्रारंभ की जाएगी और 4 जुलाई तक इसे पूरा कर लेने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि सिर्फ उन्हीं दुकानों को अस्थायी रूप से बंद किया जाएगा, जिनमें हैंडओवर-टेकओवर की प्रक्रिया चल रही होगी। शेष सभी शराब की दुकानें यथावत खुली रहेंगी और उनके संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। 5 जुलाई से सभी खुदरा शराब दुकानें सुचारू रूप से संचालित होंगी। अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि यह कदम पूरी तरह प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है और उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। यह सुनिश्चित किया गया है कि स्टॉक की जांच, उपकरणों की गिनती और दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और निगरानी में हो। उल्लेखनीय है कि झारखंड स्टेट बेवरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत संचालित इन दुकानों का नियंत्रण अब सीधे नए मानव बल प्रदाता के माध्यम से किया जाएगा। विभागीय सूत्रों के अनुसार नई व्यवस्था के तहत स्टाफ चयन, स्टॉक प्रबंधन और निगरानी प्रणाली में भी बदलाव किए जा सकते हैं।

संभावना | ताजा सब्जियों की भारी कमी, दूरदराज से मंगाई जा रही आपूर्ति

बारिश से सब्जियों के भाव में उछाल, रसोई का बजट बिगड़ा

नवीन मेल संवाददाता

15 से 20 रुपये तक बढ़े भाव, सब्जी की थाली महंगी

बीते पखवाड़े के मुकाबले लगभग सभी प्रमुख स जियों के दामों में 15 से 20 रुपये प्रति किलो की वृद्धि दर्ज की गई है। स्थानीय स जी विक्रेता नाजिया खातून ने बताया कि प्याज जो पहले 10 रुपये किलो मिल रही थी, वह अब 25 रुपये में बिक रही है। टमाटर का दाम 20 से बढ़कर 40 रुपये हो गया है, भिंडी 20 से बढ़कर 40 रुपये, और धनिया पत्ता पहले जहां 10 रुपये में 100 ग्राम मिलती थी, अब उसकी कीमत 20 रुपये हो गई है।

मेदिनीनगर। पलामू समेत पूरे क्षेत्र में बीते कई दिनों से हो रही लगातार बारिश अब आम लोगों की रसोई पर असर डालने लगी है। मेदिनीनगर के बाजारों में सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। स्थानीय खेतों में खड़ी सब्जियां बारिश से सड़ चुकी हैं, जिससे बाजार में ताजा सब्जियों की भारी कमी हो गई है। यह स्थिति अब महंगाई के रूप में आमजन के सामने चुनौती बनकर उभर रही है।

दुकानदारों के अनुसार, बारिश के कारण स्थानीय स्तर पर सब्जियों की आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई है। खेतों में जलजमाव से सब्जियों की फसलें खराब हो गईं, जिससे न तो कटाई संभव हो रही है और न ही सप्लाई। इसके कारण अब मेदिनीनगर के बाजारों में छत्तीसगढ़, रांची और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से सब्जियां मंगाई जा रही हैं। इससे न केवल लागत बढ़ी है, बल्कि ताजगी और गुणवत्ता की भी कमी साफ देखी जा रही है।

अन्य सब्जियों में भी इसी तरह की कीमतों में उछाल देखा गया है

कद्दू : 20 से बढ़कर 40 रुपये प्रति किलो, **बैंगन :** 30 से 50 रुपये, **कुंदरू :** 25 से 40 रुपये, **खीरा:** 40 से बढ़कर 60 रुपये प्रति किलो।

ग्राहकों की परेशानी बढ़ी, विक्रेताओं की बिक्री घट रही : महंगाई से जहां एक ओर आम लोग परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर सब्जी विक्रेताओं की बिक्री भी प्रभावित हुई है। दुकानदारों के अनुसार, बढ़े दाम के कारण ग्राहक पहले जैसी मात्रा में खरीदारी नहीं कर रहे हैं, जिससे उनका व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है। यदि बारिश का सिलसिला यूं ही जारी रहा, तो आने वाले दिनों में सब्जियों की कीमतों में और बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। लोग अब मजबूरी में कम मात्रा में सब्जी खरीदने को विवश हैं।

जंगली हाथी ने दो ग्रामीणों को कुचला, ग्रामीणों में आक्रोश

● रेंजर के आश्वासन पर उठाया गया शव, अनाथ बच्चों को हर माह 10,500 की सहायता का वादा

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। थाना क्षेत्र के चिरका गांव में रविवार देर रात एक जंगली हाथी ने दो ग्रामीणों को कुचलकर मार डाला। मृतकों की पहचान प्रमिला देवी (40 वर्ष) और सुधीर सोरेंग (35 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना रात लगभग 11:30 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रमिला देवी घर के बाहर अपने प्रवासी पति से मोबाइल पर बात कर रही थीं, तभी अचानक हाथी ने हमला कर दिया और उन्हें कुचल दिया। वहीं, पास के घर में सो रहे सुधीर सोरेंग जब कटहल के पेड़ की हलचल पर बाहर निकले तो हाथी ने उन पर भी हमला कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम और आक्रोश का माहौल बना रहा। सुबह होते ही सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए और शव को उठाने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों ने वन विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले छह महीनों में यह पांचवीं घटना है, लेकिन अब तक विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। घटना की सूचना मिलते ही चिनिया थाना प्रभारी अमित कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। बावजूद इसके ग्रामीण शव नहीं उठाने दे रहे थे। करीब 11 बजे रेंजर गोपाल चंद्र घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 50,000 की तत्काल सहायता राशि प्रदान की और 3.50 लाख की सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। इसके अलावा, उन्होंने मृतकों के अनाथ बच्चों को हर माह ?10,500 की सहायता देने की बात कही। आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने शवों को उठाने की अनुमति दी। घटना के दौरान लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बनाए रखने के लिए चिनिया, रंका और डंडई थाना की पुलिस मौके पर तैनात रही। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि वन विभाग शीघ्र कार्रवाई नहीं करता, तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

पहाड़ी मंदिर परिसर में बोलेरो फिसलने से चालक घायल, गढ़वा रेफर

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। भवनाथपुर थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पहाड़ी शिव मंदिर के पास सोमवार को एक बोलेरो गाड़ी के ढलान पर फिसल जाने से चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल चालक की पहचान बिहार राज्य के सीतामढ़ी निवासी सोहित गिरी के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, बिहार के ब्राह्मण समाज के पुजारी वर्ग भवनाथपुर पहाड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे थे। बोलेरो चालक गाड़ी धो रहा था, इसी दौरान हैंडब्रेक न लगने के कारण गाड़ी ढलान पर लुढ़कने लगी। चालक ने गाड़ी को रोकने का प्रयास किया, लेकिन फिसलने से वह धक्का खाकर गिर पड़ा, जिससे उसकी कमर में गंभीर चोट आई। मौके पर उपस्थित लोगों ने तत्काल घायल को भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सक डॉ. फैज अहमद ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

बाइक असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त, दो युवक घायल

रमना। सोमवार को जिरुआ घाटी में एक मोटरसाइकिल असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे गम्हरिया गांव के दो युवक विनेश कुमार और बब्लू बियार गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के समय वहां मौजूद लोग केवल तमाशबीन बने रहे, लेकिन दिलीप पासवान और रोहित पासवान नामक युवकों ने मानवता का परिचय देते हुए घायलों को तुरंत एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया। घटना के समय युवक मवेशी को बचाने के प्रयास में असंतुलित होकर गिर गए थे। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गढ़वा सदर अस्पताल रेफर किया गया।

दो वर्षों से अधूरी पुलिया बनी ग्रामीणों की परेशानी

रंका। तमगे पंचायत के सिवान और कुद्रुम गांव को जोड़ने वाली सड़क पर पिछले दो वर्षों से अधूरी पड़ी पुलिया ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन चुकी है। आवागमन बाधित होने से ग्रामीणों को 15झ्र20 किलोमीटर घूमकर प्रखंड मुख्यालय या अस्पताल जाना पड़ता है। पूर्व मुखिया सुधीर कुजूर ने बताया कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण निर्माण अधूरा पड़ा है। जब इस विषय में प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला टोपनो से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कॉल फॉरवर्ड कर दी। वहीं एसडीएम रुद्र प्रताप ने भी अनभिज्ञता जताई और जानकारी लेकर कार्रवाई करने की बात कही। विद्यालय के करीब 500झ्र1000 बच्चों को भी रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल को लेकर भाजपा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

नवीन मेल संवाददाता

रंका। भाजपा उत्तरी मंडल की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर '11 साल बेमिसाल' चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश दास ने कहा कि मोदी सरकार ने जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना सहित कई योजनाओं से गांव-गरीबों को लाभ पहुंचाया है। इस दौरान ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई। मौके पर प्रतिमा देवी, शेखर कुमार, राकेश रवानी, रवि कुमार उर्फ चप्पू, दिनेश प्रसाद चंद्रवंशी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

एसडीएम के आदेश पर रंका मोड़ स्थित अवैध गैस गोदाम सील

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार के आदेश पर रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर परिषद, अंचल कार्यालय एवं गढ़वा थाना की संयुक्त टीम ने रंका मोड़ स्थित भीड़भाड़ वाले इलाके में अवैध रूप से संचालित एचपी गैस गोदाम को सील कर दिया। यह गोदाम ओबरा के लिए ग्रामीण वितरक का लाइसेंस लेकर शहरी क्षेत्र में गोपनीय रूप से यामाहा बाइक दुकान के अंदर चलाया जा रहा था। जांच के दौरान गोदाम से 76 भरे और 149 खाली सिलेंडर बरामद हुए। सुरक्षा दृष्टिकोण से भरे सिलेंडरों को ओबरा स्थित वैध गोदाम भेजा गया, जबकि परिसर को सील कर दिया गया। एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि इस गोदाम पर बीते 6 महीनों में तीन बार कार्रवाई की जा चुकी है, बावजूद इसके अवैध संचालन जारी था। इसलिए जनहित में यह सख्त कार्रवाई की गई है। गोदाम संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय जानकारी के अनुसार गोदाम का संचालन एक रिंकू धर दुबे नामक व्यक्ति कर रहा था।

मझिआंव नगर पंचायत में डोर टू डोर कचरा उठाव सेवा की शुरूआत

▸ स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। गढ़वा जिले के मझिआंव नगर पंचायत में डोर टू डोर कचरा संग्रहण सेवा की औपचारिक शुरूआत सोमवार को की गई। कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार ने वाहनों की पूजा अर्चना के उपरांत उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। कचरा उठाव का यह कार्य ह्लग्रीन मझिआंव वेस्ट सॉल्यूशनह्व संस्था के माध्यम से किया जा रहा है। इस सेवा के तहत घर-घर जाकर कचरा एकत्र किया जाएगा। मौके पर स्वच्छता प्रभारी राकेश सिन्हा, राकेश पाठक, अनूप तिवारी, वीरेंद्र कुमार, रामाशीष राम, नासिर, अमित पाठक सहित कई कर्मी उपस्थित थे।

पॉक्सो मामले में फरार अभियुक्त चीकू यादव के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। पॉक्सो एक्ट के तहत वांछित अभियुक्त चीकू यादव उर्फ निक्कू यादव के घर पर मेराल पुलिस ने सोमवार को ढोल-नगाड़े के साथ इश्तेहार चिपकाया। वह अप्रैल माह से फरार चल रहा है। पुलिस अवर निरीक्षक रवि कुमार ने हारादाग खुर्द स्थित घर पर इश्तेहार चस्पा किया और परिवार को बताया कि यदि आरोपी जल्द गिरफ्तार नहीं होता तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी विष्णुकांत ने बताया कि न्यायालय से आदेश के बाद यह प्रक्रिया की गई है।

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक, थाना प्रभारी ने दी सख्त चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। थाना परिसर में मोहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन सोमवार को थाना प्रभारी अमित कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में सभी समुदायों के लोग शामिल हुए और आपसी सौहार्द का परिचय दिया। थाना प्रभारी ने कहा कि जुलूस सिर्फ निर्धारित मार्ग से ही निकलेगा और डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, 'त्योहार तब ही सुंदर होता है जब हर कोई सुरक्षित हो।' बैठक में एएसआई नवीन कुमार राणा, काशिद हुसैन, सुखराव उरांव, रामसागर यादव, ताहिर अंसारी, फैयाज अंसारी, सहित कई सामाजिक प्रतिनिधि मौजूद थे।

एसडीएम ने कांडी अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, एंटी वेनम और रेबीज इंजेक्शन की अनुपलब्धता पर जताई चिंता

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने सोमवार को कांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डॉक्टरों की उपस्थिति, ओपीडी व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई सहित कई बिंदुओं की जांच की। चिकित्सक अमित कुमार ओपीडी में ड्यूटी पर उपस्थित पाए गए, जबकि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मझिआंव सदर अस्पताल में थे। जांच के दौरान यह पाया गया कि अस्पताल में सर्पदंश की दवा (एंटी वेनम) और रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध नहीं थे। एसडीएम ने इसे अत्यंत गंभीर लापरवाही बताया और निर्देश दिया कि इन जीवनरक्षक दवाओं की आपूर्ति अतिशीघ्र सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कांडी क्षेत्र सोन और कोयल नदियों से घिरा होने के कारण सर्पदंश के मामले अधिक आते हैं। समय पर दवा उपलब्ध हो तो कई लोगों की जान बच सकती है। एसडीएम ने आम नागरिकों से अपील की कि सांप काटने पर ओझाझगुनी के पास न जाएं, बल्कि तत्काल नजदीकी अस्पताल में पहुंचें। झाड़-फूंक में समय गंवाने से जान जोखिम में पड़ जाती है।

स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि, भाजपा ने मनाया हुल दिवस

रंका। हुल दिवस के अवसर पर भाजपा उत्तरी मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश दास के नेतृत्व में स्वतंत्रता सेनानी जेठान सिंह, फेतल सिंह, डॉ. लोहिया व कपूर्री ठाकुर को उनके स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाजपा नेताओं ने स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और संघर्षों पर प्रकाश डाला। मौके पर जिला परिषद सदस्य उमा देवी, पूर्व सांसद प्रतिनिधि सुनील माली, विधायक प्रतिनिधि रवि कुमार, रंजीत कमलापुरी, भोला ठाकुर समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रीति-रिवाज | विधायक आवास में मनाया गया हूल दिवस, शहीद सिद्धू-कान्हू को दी गई श्रद्धांजलि

झामुमो नेताओं ने आदिवासी वीरों के बलिदान को बताया प्रेरणास्त्रोत

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। स्थानीय विधायक अनंत प्रताप देव के नगरगढ़ स्थित आवासीय परिसर में सोमवार को हुल दिवस का आयोजन पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं और कार्यकताओं ने वीर शहीद सिद्धू-कान्हू की शहादत को याद करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वरिष्ठ झामुमो नेता मुक्तेश्वर पांडेय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सिद्धू-कान्हू झारखंड की आत्मा हैं। उन्होंने 1855 में संथाल विद्रोह के माध्यम से जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजी शासन के खिलाफ बिगुल फूंका। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को एकजुट कर उन्होंने जो क्रांति की मशाल जलाई, वह आज भी हमें अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने बताया कि जब जमींदारों और अंग्रेजों द्वारा आदिवासियों पर अत्याचार चरम पर था, उस समय सिद्धू-कान्हू ने अपनी बहनों की बलि देकर भी हुल नहीं रोका और हजारों आदिवासियों को एकजुट कर संघर्ष किया। कार्यक्रम में झामुमो नेता निर्मल पासवान, कामता प्रसाद, अमर नाथ पांडेय, रमेश चंद्रवंशी, समेत कई नेता और महिलाएं उपस्थित थीं।

हेताडकला के जंगलों में गूंजा हुल दिवस का जयघोष

चिनिया। प्रखंड अंतर्गत हेताडकला गांव के जंगलों में सोमवार को हुल दिवस पारंपरिक और जनभावनाओं से जुड़े अंदाज में मनाया गया। इस मौके पर स्थानीय ग्रामीणों और आदिवासी समाज के सैकड़ों लोगों ने वीर शहीद सिंधु-कान्हू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय आदिवासी महासभा की केंद्रीय सदस्य कविता सिंह खरवार ने कहा कि हुल दिवस केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि यह आदिवासी समाज की अस्मिता, संघर्ष और चेतना का प्रतीक है। सिंधु-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो जैसे वीरों ने अपने प्राणों की आहुति देकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा की थी। आज जरूरत है कि हम उनके बताए रास्ते पर चलकर अपने हक और अधिकारों के लिए सजग रहें। उन्होंने महिलाओं से विशेष आग्रह किया कि वे भी समाज के आंदोलनों में आगे बढ़कर भाग लें। महासभा के प्रखंड अध्यक्ष अजय सिंह खरवार ने कहा कि हुल आंदोलन ने ही आदिवासी समाज को जल, जंगल और जमीन पर अधिकार दिलाया। आज हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम इस धरोहर को सहेजें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि हुल आंदोलन की चेतना केवल अतीत नहीं है, वह वर्तमान और भविष्य की दिशा तय करने वाली शक्ति है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष मौजूद थे, जिनमें विनोद सिंह, मंजू देवी, शकुंती देवी, छटनी देवी, द्रौपती देवी, देवकाली देवी सहित कई अन्य शामिल रहे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि आदिवासी संस्कृति, भाषा, परंपरा और अधिकारों की रक्षा के लिए वे सतत जागरूक रहेंगे।

न्यूज | बॉक्स

कांडी में मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

कांडी। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने को लेकर कांडी थाना परिसर में सोमवार को शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कांडी बीडीओ सह सीओ राकेश सहाय ने की। बैठक में उपस्थित दोनों समुदायों से आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि जुलूस के दौरान डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। बैठक में सुरक्षा, विधि-व्यवस्था और समन्वय पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सिंह, मुखिया ललित बैठा, भाजपा मंडल अध्यक्ष शशिरंजन दुबे, बाबू खान, तौकीर अंसारी समेत कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे।

चोरी के संदेह में युवक को भीड़ ने पीटा, पुलिस ने बचाया

रमना। प्रखंड क्षेत्र के बनखेता गांव में रविवार की रात चोरी के संदेह में एक युवक को ग्रामीणों ने घेरकर बुरी तरह पीट दिया। बताया जाता है कि युवक अमरकेश वियार, पिता अदरू वियार, गांजा सेवन के स्थान पर मौजूद था, जिसे नशे की हालत में देखकर ग्रामीणों ने चोर समझ लिया। स्थानीय निवासी छोटू मेहता के चिल्लाने पर भीड़ जमा हो गई और बिना पुष्टि के युवक की पिटाई कर दी। हालांकि वह बार-बार निर्दोष होने की अपील करता रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को बचाकर उपचार के लिए अस्पताल ले गई। जांच के दौरान युवक के पास से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। थाना प्रभारी ने इस प्रकार की हिंसा पर कड़ी आपत्ति जताते हुए चेतावनी दी कि किसी भी व्यक्ति को संदेह के आधार पर पीटना गंभीर अपराध है। युवक को फिलहाल परिजनों को सौंप दिया गया है तथा आगे पूछताछ के लिए थाना में बुलाया जा सकता है।

मोहर्रम की तैयारी को लेकर माउंट हीरा ऑर्गनाइजेशन की बैठक, सद्दाम आलम तीसरी बार अध्यक्ष चुने गए

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत अंतर्गत चचेरिया स्थित बगैयाटांड़ में माउंट हीरा ऑर्गनाइजेशन की ओर से मोहर्रम पर्व की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से सद्दाम आलम को लगातार तीसरी बार संगठन का अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने कहा कि पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा। पूरे गांव को इस्लामी परचम और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया जाएगा। साउंड सिस्टम और अन्य व्यवस्थाएं भी की जाएंगी। सद्दाम आलम ने अपील की कि सभी सदस्य आपसी भाईचारे और समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में उपाध्यक्ष मिन्नतुल्लाह अंसारी, संरक्षक महमूद आलम सीनियर, पत्रकार अरमान खत्री, खजांची तालिब खान, सचिव बिट्टू खान, जैद खान, वारिस हाशमी सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

एसडीएम ने केजीएन पैथोलॉजी को कराया सील, बिना पंजीकरण चल रहा था जांच केंद्र

गढ़वा। एसडीएम संजय कुमार ने सोमवार को कांडी दौरे के दौरान एक गैर पंजीकृत पैथोलॉजी केंद्र को बंद करा दिया। केजीएन पैथोलॉजी नामक जांच केंद्र जिला स्तर पर बिना किसी वैध पंजीकरण के संचालित हो रहा था। जब एसडीएम ने संचालक से प्रमाणपत्र की मांग की, तो वह कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसकी पुष्टि गढ़वा सिविल सर्जन से बातचीत में भी हुई। इसके बाद एसडीएम ने मौके पर ताला लगवाकर संचालन पर रोक लगा दी। संचालक को चेतावनी दी गई कि बिना विधिवत पंजीकरण के केंद्र दोबारा खोला गया तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने सिविल सर्जन को भी निर्देश दिया कि इस केंद्र के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें।

समाजसेवी का हृदयाघात से निधन, भवनाथपुर में शोक की लहर

भवनाथपुर। भवनाथपुर प्रखंड के समाजसेवी रमेश तिवारी (57 वर्ष) का सोमवार की अहले सुबह रांची में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे स्व. पंचानंद तिवारी के पुत्र थे, जो क्षेत्र में एक समाजसेवी के रूप में जाने जाते थे। उनकी असामयिक मृत्यु की खबर से भवनाथपुर और आसपास के इलाकों में शोक की लहर फैल गई। रमेश तिवारी अपने मिलनसार स्वभाव, सामाजिक सक्रियता और बहुआयामी प्रतिभा के लिए चर्चित थे। वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री को शोक संतप्त छोड़ गए हैं। उनके निधन पर झामुमो नेता राजीव रंजन सिंह, जयराम पासवान, ध्रुव नारायण दुबे, दिवाकर चौधरी, आर. के. पांडेय, दीपक तिवारी, प्रवीण पांडे, मूंगा साह, सत्यम पांडे, अर्जुन उपाध्याय, नागेंद्र झा, बबलू सिंह, अमित तिवारी, रविंद्र कुमार, संजय कुमार, जितेंद्र पासवान सहित सैकड़ों लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही, भवनाथपुर के पत्रकारों सीताराम पाठक, अरविंद पाठक, दयाशंकर पाठक, प्रदीप चौबे, सुनील कुमार, रवि रंजन यादव, विमलेश कुमार, सुरेश राउत, रमाशंकर मेहता, श्याम विमल, शिव कुमार साह, अयोध्या साह, अजीत कुमार और फुलेंद्र यादव ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख ईश्वर से प्रार्थना की।

जागरूकता शिविर में ग्रामीणों ने उठाया सरकारी योजनाओं का लाभ

● धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत आरागुंडी में हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत जनजातीय गौरव वर्ष के अवसर पर सदर प्रखंड के आरागुंडी पंचायत सचिवालय में जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। बीडीओ मनोज तिवारी, मुखिया रवि भगत, रोजगार सेवक उपेंद्र कुमार सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। बीडीओ ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय समुदाय को योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें सीधे लाभ से जोड़ना है। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मनरेगा, आयुष्मान भारत योजना, आधार पंजीकरण, जनधन योजना, श्रमिक कार्ड आदि से संबंधित स्टॉल लगाए गए। ऑन-स्पॉट पंजीकरण, दस्तावेज सत्यापन व त्वरित स्वीकृति की सुविधा भी उपलब्ध रही। शिविर में चार गांवों के ग्रामीणों की भारी उपस्थिति देखी गई।

एक जुलाई से बंद रहेगा बेतला नेशनल पार्क

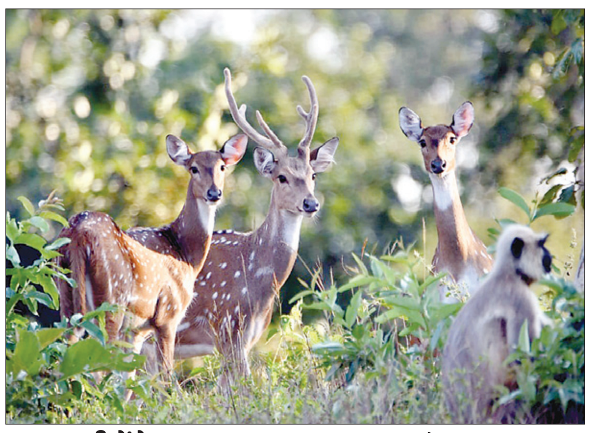

● वन्यजीवों के प्रजनन काल को देखते हुए 3 माह तक नो-एंट्री

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी के निर्देश पर बेतला नेशनल पार्क को एक जुलाई से 30 सितंबर तक बंद कर दिया जाएगा। यह फैसला मानसून के दौरान वन्यजीवों के प्रजनन काल को देखते हुए लिया गया है।

रेंजर उमेश कुमार दुबे ने बताया कि इस दौरान सैलानियों को पार्क भ्रमण की अनुमति नहीं होगी, लेकिन रेस्ट हाउस और कैंटीन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। पार्क बंद रहने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और गश्ती व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा।

फ्लाई ऐश ढुलाई में स्थानीय वाहनों को प्राथमिकता की मांग तेज

● एनटीपीसी प्रबंधन को भेजा गया प्रस्ताव, नहीं मानी मांग तो बाधित होगा कोल ट्रांसपोर्ट

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। एनटीपीसी टंडवा से फ्लाई ऐश की ढुलाई में स्थानीय प्रभावित- विस्थापित क्षेत्र के वाहनों को प्राथमिकता देने की मांग सोमवार को चुंदरुधाम में आयोजित बैठक में उठाई गई। बैठक की अध्यक्षता कामाख्या सिंह और संचालन मुकेश कुमार ने किया।

विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि टिप टेलर वाहनों से ढुलाई को बंद करने और 16 चक्का ट्रकों से अंडरलोड ढुलाई सुनिश्चित कराने का प्रस्ताव एनटीपीसी प्रबंधन को भेजा जाएगा। वहीं, मांगें नहीं माने जाने पर एनटीपीसी की कोल ढुलाई को बाधित करने की चेतावनी दी गई। बैठक में विजय साहू, हेमराज साहू, हीरामन महतो, झमन महतो, विकास दास, कृष्णा यादव, प्रदीप गुप्ता समेत दर्जनों वाहन मालिक उपस्थित थे।

डीएवी विद्यालय के मैनेजर जीपी झा पहुंचे लातेहार

● भविष्य की अधोसंरचनात्मक योजनाओं और डिजिटल सुविधाओं का खाका तैयार

लातेहार। डीएवी पब्लिक स्कूल, लातेहार के लिए सोमवार का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। डीएवी विद्यालय लोहरदगा के प्रधानाचार्य सह लातेहार विद्यालय के मैनेजर जीपी झा का विद्यालय परिसर में आगमन हुआ। प्राचार्य घनश्याम कुमार सहाय और सभी शिक्षकगणों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

मैनेजर झा ने विद्यालय प्रांगण और आगामी स्थायी निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय का निर्माण आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। हाल ही में उच्च क्षमता वाला डिजिटल जनरेटर और वॉटर कूलर लगाया गया है। आगामी महीनों में स्मार्ट क्लास, डिजिटल पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला जैसी सुविधाओं को विकसित करने की योजना है। प्राचार्य ने बताया कि पोचरा स्थित भूमि का रजिस्ट्रेशन और म्यूटेशन पूर्ण हो चुका है और आर्किटेक्ट टीम ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर योजना निर्माण शुरू कर दिया है। इस अवसर पर सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं अन्य सहयोगीगण उपस्थित रहे।

रंजीत कुमार साहू बने कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष

● राज्यसभा सांसद से लेकर विधायक तक ने दी शुभकामनाएं

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस झारखंड प्रदेश ने रंजीत कुमार साहू को लातेहार जिले का ओबीसी मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री साहू ने राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के प्रतिनिधि के रूप में लंबे समय से कार्य किया है। वे 2019 और 2024 के विधानसभा चुनाव में मनिका सीट पर कांग्रेस को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। अपनी नियुक्ति पर उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया। बधाई देने वालों में विधायक रामचंद्र सिंह, प्रमोद सिंह, दरोगी यादव, विश्वनाथ पासवान, सुरेश सिंह, वृंद बिहारी यादव, अरुण सिंह, बच्चन यादव, अख्तर अंसारी, तस्लीम अंसारी, उत्तम कुमार समेत कई कार्यकर्ता शामिल हैं।

महुआडांड़ में मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

जुलूस के रूट चार्ट, डीजे प्रतिबंध और सौहार्द की अपील

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। मोहर्रम पर्व को लेकर महुआडांड़ थाना परिसर में सोमवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीओ विपिन कुमार दुबे ने की। उन्होंने कहा कि मोहर्रम जुलूस तय रूट चार्ट के अनुसार निकाला जाए, किसी भी प्रकार की नई ऊंचाई या बदलाव पूर्व अनुमति के बिना न किया जाए।

थाना प्रभारी मनोज कुमार ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियों से कहा कि त्योहार को शांति से मनाएं और अनावश्यक डीजे का प्रयोग न करें। सर्किल इंस्पेक्टर पीर मोहम्मद ने आगाह किया कि किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। एसडीपीओ शिवपूजन बहेलिया ने कहा कि महुआडांड़ में सभी समुदाय मिलकर पर्व मनाते हैं, यह भाईचारे की मिसाल है।

मोहर्रम कमेटी के जेनरल खलीफा तनवीर अहमद उर्फ रिंकू और नायब खलीफा शमशाद अंसारी ने जुलूस की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि पहला जुलूस सुबह 7 बजे से 11 बजे तक और दूसरा जुलूस सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक निकाला जाएगा। बैठक में बीडीओ संतोष बैठा, जिप सदस्य स्तेला नगेसिया, प्रमुख कचन कुजूर, पूर्व जिप सदस्य मनीना कुजूर, मुखिया रेणु तिग्गा सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

बरवाडीह में माले और आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने मनाया हुल दिवस

● 1855 के शहीदों की स्मृति में रैली और प्रतिमा पर माल्यार्पण

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। हुल दिवस के अवसर पर सोमवार को भाकपा माले और आदिवासी संघर्ष मोर्चा के बैनर तले बरवाडीह में रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व माले जिला सचिव बिरजू राम, प्रखंड सचिव राजेंद्र सिंह और प्रभारी कृष्णा सिंह ने किया।

रैली के बाद सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और संकल्प लिया गया कि शहीदों के सपनों को पूरा किया जाएगा। बिरजू राम ने कहा कि आज की सरकारें भी अंग्रेजों की तर्ज पर जल, जंगल और जमीन को पूंजीपतियों के हवाले करना चाहती हैं। 9 जुलाई को भारत बंद को सफल बनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में दर्जनों कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए।

जामुन के पेड़ से गिरकर युवक घायल, रिम्स रेफर

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ अनुमंडल क्षेत्र के राजगुरु गांव में जामुन तोड़ने के प्रयास में पेड़ से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान अजीत कुमार यादव (18 वर्ष), पिता मोहन यादव के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार अजीत अपने घर के पास एक जामुन के पेड़ पर चढ़ा हुआ था। इसी दौरान पेड़ की एक डाली टूट गई, जिससे वह असंतुलित होकर नीचे गिर पड़ा। गिरने से उसके सिर, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों की मदद से युवक को तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया।

करैत सांप के डंस से डेढ़ वर्षीय बालक की मौत, झाड़-फूंक में गया कीमती समय

बारियातू (चतरा)। शिबला पंचायत के भाटचतरा बाराडहर गांव में करैत सांप के डंस से डेढ़ वर्षीय बालक विशाल कुमार की मौत हो गई। मृतक बच्चा गुड्डू भुइयां का पुत्र था। घटना शनिवार रात की है जब बच्चा अपनी मां सरिता देवी के साथ घर में सो रहा था। रात लगभग 11 बजे करैत सांप ने बच्चे को डंस लिया। बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज की बजाय पहले झाड़-फूंक के लिए इटके के कटहल टोला ले गए, जहां ओझा ने कहा कि बच्चे को सर्पदंश नहीं हुआ है बल्कि सैतानी असर है। करीब तीन घंटे झाड़-फूंक में बिताने के बाद बच्चे को घर वापस लाया गया, लेकिन उसकी स्थिति और बिगड़ गई। इसके बाद परिजन उसे नावाटोला स्थित दूसरे भगत के पास ले गए, जहां भी झाड़-फूंक के दौरान उसकी मौत हो गई। सोमवार को जब स्थानीय सांप रेस्क्यूकर्ता उत्तम शर्मा को बुलाया गया तब उन्होंने बताया कि करैत सांप के काटने के लक्षण स्पष्ट थे और यदि समय पर अस्पताल ले जाते, तो बच्चा बच सकता था। उन्होंने बताया कि करैत सांप रात में शरीर की गर्मी के कारण मनुष्यों के पास आ जाता है और उसके डंस का अहसास मच्छर काटने जैसा होता है, जिससे पहचान में देरी होती है। उन्होंने लोगों से अंधविश्वास से बचने और सर्पदंश की स्थिति में तुरंत अस्पताल जाने की अपील की।

श्रद्धांजलि | झामुमो कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि सभा में दी पुष्पांजलि

हूल क्रांतिकारियों की शहादत आज भी प्रेरणास्त्रोत : बैद्यनाथ राम

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। झारखंड मुक्ति मोर्चा लातेहार जिला कमिटी की ओर से हूल क्रांति दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम ने सिदो-कान्हू, फूलो-झानो, काल भैरव को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 1855 की यह क्रांति भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की नींव थी। उन्होंने कहा कि आदिवासी वीरों का संघर्ष आज के सामाजिक-सांस्कृतिक शोषण के विरुद्ध एक प्रेरणास्त्रोत है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ साहदेव के निर्देश पर दर्जनों झामुमो कार्यकर्ता शामिल हुए। अरुण दुबे, बुद्धेश्वर उरांव, सुदामा प्रसाद, ममता सिंह, सुशील यादव समेत कई अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखे।

हूल आंदोलन आजादी की नींव था : अमित पाण्डेय

लातेहार। हूल दिवस पर आजसू पार्टी लातेहार कार्यालय में श्रद्धा व सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमित पाण्डेय ने की और सिद्धो-कान्हो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अपने संबोधन में अमित पाण्डेय ने कहा कि 1855 में सिद्धो-कान्हो ने जो संघर्ष किया, उसने भारत की आजादी की नींव रखी। आजसू पार्टी उनके बलिदान को कभी नहीं भूलेगी और उनके आदर्शों पर चलते हुए जनहित में संघर्ष करती रहेगी। कार्यक्रम में बिट्टू दास, अमर उरांव, श्याम प्रसाद, अंकित यादव, रविशंकर शर्मा, अख्तर हुसैन समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वज्रपात से गाय की मौत, मुआवजे की मांग

कुंदा (चतरा)। कुंदा प्रखंड के चाया गांव में रविवार को वज्रपात की चपेट में आने से एक गाय की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब पशुपालक जीतन यादव की गाय खेत में घास चर रही थी और अचानक बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए जैसे ही गाय पास के पेड़ के नीचे पहुंची, तभी आकाशीय बिजली गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पशुपालक जीतन यादव, पिता गौरी यादव ने बताया कि उन्होंने पाई-पाई जोड़कर यह गाय खरीदी थी और इस नुकसान से वह पूरी तरह टूट गए हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है ताकि नुकसान की आंशिक भरपाई की जा सके। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार को सहायता देने की मांग की है।

न्यूज बॉक्स

बरवाडीह में ट्रांसफार्मर लदे कंटेनर पलटा, बड़ा हादसा टला

बरवाडीह। संत क्लारेट स्कूल लेदगाई के पास एक बड़ा कंटेनर सड़क हादसे में पलट गया। कंटेनर में ट्रांसफार्मर लदा हुआ था। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह रेलवे पावर हाउस या किसी और परियोजना से संबंधित था। भाजपा नेता दीपक तिवारी ने बताया कि ट्रांसफार्मर रेलवे के पावर हाउस के लिए ले जाया जा रहा था। स्थानीय प्रशासन से जांच की मांग की जा रही है।

29 जून को रसोइया संघ की आमसभा, 9 जुलाई की हड़ताल में शामिल होने का आह्वान

बेतला (लातेहार)। झारखंड राज्य विद्यालय रसोइया संघ की प्रखंड स्तरीय बैठक का आयोजन पुराने ब्लॉक प्रांगण में किया गया। अध्यक्षता प्रखंड सचिव रीना देवी ने की। बैठक में माले नेता राजेंद्र सिंह, कृष्णा सिंह और कमलेश सिंह ने भाग लिया। राजेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार मजदूर विरोधी चार श्रम कोड लागू कर मजदूरों के अधिकार छीन रही है। न्यूनतम वेतन न मिलने और ठेका प्रथा से हजारों श्रमिक प्रभावित हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी रसोइया कर्मी 9 जुलाई को अपने विद्यालयों में भोजन नहीं बनाएंगे और हड़ताल में भाग लेंगे। स्कूलों को इसकी पूर्व सूचना दी जाएगी। बैठक में सैकड़ों रसोइया कर्मी शामिल हुए।

पोखरी में पुलिस प्रशासन ने की मोहर्रम पर बैठक सभी धर्मों के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह अनुमंडल पुलिस प्रशासन ने मोहर्रम को लेकर पोखरी गांव में शांति समिति की बैठक की। बैठक में एसडीपीओ भरत राम, सर्किल इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, थाना प्रभारी राधेश्याम कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। एसडीपीओ भरत राम ने कहा कि प्रशासन सोशल मीडिया सहित सभी गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। सभी धर्मों के लोगों ने एक स्वर में मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का भरोसा दिया।

भारी बारिश से माल्हन पंचायत में कई घर गिरे, मुखिया ने लिया जायजा

चंदवा। लगातार बारिश के कारण माल्हन पंचायत में कई कच्चे मकान ढह गए। मुखिया जतरु कुमार मुंडा ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि संजू देवी, जिनके पति की पहले सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी है, उनके मकान के गिरने से परिवार खुले में आ गया है। मुखिया ने प्रशासन से सभी प्रभावितों को आवास योजना का लाभ देने और मुआवजा राशि शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग की।

ऑटो ने पीसीआर वैन को मारी टक्कर, तीन घायल

लातेहार। शहर के रेलवे स्टेशन रोड स्थित आश्रम स्कूल के पास सोमवार सुबह करीब 11 बजे एक ऑटो ने पीछे से पुलिस की पीसीआर वैन (JH-19B-0718) को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पलट गया। इस हादसे में चालक समेत दो महिलाएं घायल हो गईं। घायलों को पीसीआर वैन के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए बाहर निकाला और सदर अस्पताल पहुँचाया। घायलों की पहचान मनीता कुमारी (22), राजमणि देवी (32) और बसंत कुमार (40) के रूप में हुई है। सभी लातेहार व गारू क्षेत्र के निवासी हैं और इलाजरत हैं।

हूल दिवस भारतीय आजादी के संघर्ष का अनकहा अध्याय : अनीता देवी

बालूमाथ। झारखंड के स्वतंत्रता आंदोलन के गौरवशाली अध्याय 'हूल विद्रोह' की स्मृति में आयोजित हूल दिवस कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने सिदो-कान्हू के संघर्ष को स्मरण करते हुए कहा कि यह आंदोलन ब्रिटिश हुकूमत और ज़मींदारी प्रथा के विरुद्ध पहला संगठित आदिवासी विद्रोह था। उन्होंने बताया कि 30 जून 1855 को झारखंड के भागा गांव से सिदो-कान्हू ने हजारों संथालों के साथ विद्रोह का बिगुल फूंका था। यह महज विरोध नहीं, बल्कि स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई थी। अनीता देवी ने युवाओं से अपील की कि वे अपने इतिहास से प्रेरणा लें और अन्याय के विरुद्ध संगठित होकर खड़े हों।

लुकुईया गांव पहुंचे मजदूर नेता प्रमोद साहू, सड़क निर्माण की उठाई मांग

चंदवा। झारखंड दैनिक मजदूर यूनियन के अध्यक्ष प्रमोद साहू ने बोदा पंचायत के लुकुईया गांव का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें लुकुईया देवी मंडप से अंबा टोली तक की जर्जर सड़क की समस्या बताई। बरसात में यह सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है और आवागमन अत्यंत कठिन हो जाता है। प्रमोद साहू ने कहा कि अंबाटोली में 40 घरों की आबादी निवास करती है, परंतु प्रशासनिक उपेक्षा से यह क्षेत्र बेहद पिछड़ा है। देवनद नदी में पुल नहीं होने से लोग जोखिम उठाकर नदी पार करते हैं। उन्होंने लातेहार उपायुक्त से अविलंब सड़क और पुल निर्माण की मांग की। मौके पर कई ग्रामीण, समाजसेवी और संगठन के सदस्य उपस्थित थे।

भोगनाडीह में आदिवासियों पर लाठीचार्ज निंदनीय : महेंद्र साहू

चंदवा। भोगनाडीह में हूल दिवस के अवसर पर आदिवासी समुदाय पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज की कड़ी निंदा करते हुए भाजपा नेता महेंद्र साहू ने कहा कि यह घटना आदिवासी अस्मिता पर सीधा प्रहार है। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी समाज की आवाज़ को दबाया जा रहा है और उनके पूर्वजों के बलिदान दिवस पर उनके वंशजों को ही कार्यक्रम में भाग नहीं लेने दिया गया। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार को 'छलावा' बताते हुए कहा कि हूल आंदोलन की भावना ही इस दमनकारी सरकार के पतन का कारण बनेगी।

लोहरदगा-रांची मुख्य सड़क पर स्थित शंख पुल जर्जर, दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा-रांची मुख्य मार्ग पर स्थित शंख पुल की स्थिति दिनों-दिन खतरनाक होती जा रही है। यह पुल, जो जिले के लिए एक महत्वपूर्ण यातायात संपर्क है, एक बार फिर जर्जर हालत में पहुंच गया है। सड़क के बीचों-बीच बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे हर दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह पुल जब नया बना था, तभी कुछ महीनों के भीतर ही टूट गया था। इसके बाद उसकी मरम्मत की गई, लेकिन कुछ ही वर्षों में दोबारा उसकी हालत खराब हो गई है। अभी भी पुल पर जगह-जगह दरारें और गड्ढे दिखाई दे रहे हैं, जिनमें बारिश के पानी का जमाव भी हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि इसी मार्ग से जिले के वरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नेता प्रतिदिन गुजरते हैं, लेकिन किसी की नजर इस गंभीर समस्या पर नहीं पड़ रही है। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि न केवल सत्ताधारी दल बल्कि विपक्ष के नेता भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। भारतीय सूचना अधिकार रक्षा मंच, लोहरदगा के जिला सचिव संजय विश्वकर्मा, सनाउल्लाह अंसारी, रियाज अंसारी, खालिद अंसारी, इम्तियाज़ खान, जागीर अंसारी, इमरान खान, सद्दाम अंसारी और मिनहाज अंसारी सहित अन्य सदस्यों ने पुल की त्वरित मरम्मति की मांग की है। मंच ने प्रशासन से मांग की है कि इस पुल की स्थिति का संज्ञान लेते हुए शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू किया जाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले लोगों की जान-माल की रक्षा की जा सके।

बालाटोली का एक साल से टूटा पुल बना ग्रामीणों की मुसीबत

आवागमन पूरी तरह से ठप प्रशासन बना मूकदर्शक

नवीन मेल संवाददाता

किस्को/लोहरदगा। "विकास के दावे" और "जमीनी हकीकत" के बीच झूल रहा है किस्को प्रखंड का बालाटोली क्षेत्र, जहां एक वर्ष पूर्व बरसात में ध्वस्त हुई पुल आज भी वैसी की वैसी पड़ी है। खरकी पंचायत सचिवालय के समीप स्थित यह पुल बालाटोली-उपर कोचा-कसियाडीह को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क पर बना था, जो अब स्थानीय निवासियों के लिए संकट का सबब बन चुका है।

ग्रामीणों की मानें तो इस पुल के ध्वस्त होने से दोपहिया और चारपहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह से ठप है। आमजन को जान हथेली पर रखकर पैदल आना-जाना पड़ता है। स्कूली बच्चों, महिलाओं, बीमार व्यक्तियों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी भयावह है। पुल की हालत इतनी जर्जर है कि कभी भी हादसा हो सकता है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि मुखिया चांदमनी उरांव, जिला परिषद सदस्य संदीप कुमार गुप्ता, प्रखंड और जिला स्तर के अधिकारी बार-बार निरीक्षण करने और शीघ्र पुल निर्माण का आश्वासन दे चुके हैं। लेकिन आश्वासन के बाद सब खामोश हो गए, और समस्या जस की तस बनी हुई है। पुल की मरम्मत न होने से कई गांवों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क कट चुका है, जिससे स्वास्थ्य, शिक्षा और आपातकालीन सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों ने कहा कि चुनाव के समय "विकास" की बातें करने वाले जनप्रतिनिधि अब गहरी नींद में सो रहे हैं, और जनता की पीड़ा किसी को नहीं दिख रही।

ग्रामीणों की मांग है कि पुल का अविलंब पुनर्निर्माण हो, आवागमन बहाल किया जाए। ग्रामीणों ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को फिर से नहीं, अब एक्शन में आना होगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो वे जन आंदोलन करने को विवश होंगे। यह पुल केवल कंक्रीट का ढांचा नहीं, बल्कि कई गांवों की जीवन रेखा है — जिसे टूटे हुए एक साल हो गया, और अब सब्र भी टूट रहा है।

अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा झारखंड प्रदेश का संवैधानिक चुनाव संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

● लोहरदगा के किशोर कुमार वर्मा बने प्रदेश अध्यक्ष, आकाश चंद्रवंशी बने युवा अध्यक्ष

लोहरदगा। अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा, झारखंड प्रदेश का बहुप्रतीक्षित संवैधानिक चुनाव पूरे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत गुप्त मतदान से संपन्न हुआ। प्रदेश भर में दस सेक्टरों में बांटकर चुनाव कराया गया, जिसमें समाज के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं की अभूतपूर्व भागीदारी देखी गई। लोहरदगा के केतकी पैलेस, रांची के पहाड़ी तल्ला स्थित चंद्रवंशी भवन, पलामू क्लब, हजारीबाग, कोडरमा, गोड्डा, रामगढ़, धनबाद सहित अन्य जिलों में मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। चुनाव परिणाम की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद, राष्ट्रीय चुनाव आयुक्त सुरेंद्र सिंह, प्रदेश चुनाव प्रभारी सुबोध कुमार, रांची जिला प्रभारी प्रेम वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से की गई। इसमें लोहरदगा निवासी, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक किशोर कुमार वर्मा को भारी बहुमत से प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया। वहीं धनबाद जिला के आकाश चंद्रवंशी को युवा प्रदेश अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। मौके पर अशोक आजाद (राष्ट्रीय अध्यक्ष) ने कहा किशोर वर्मा जैसे सुलझे नेतृत्वकर्ता झारखंड में समाज को संगठित कर मजबूत दिशा देंगे। सुरेंद्र सिंह (राष्ट्रीय चुनाव आयुक्त) ने कहा कि यह लोकतांत्रिक चुनाव झारखंड में समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगा। प्रेम वर्मा (रांची जिला प्रभारी) ने कहा कि झारखंड को एक उगता सूरज मिला है, जो समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। किशोर कुमार वर्मा (नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष) ने कहा कि शिक्षक होने के नाते समाज में शिक्षा और चेतना का संचार करूंगा, युवा पीढ़ी को तैयार करूंगा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पुष्पमाला पहनाकर और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

मोबाइल दुकान चोरी मामले में 3 नामजद आरोपी गिरफ्तार, जेल

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा/लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र के कल्हेपाट चौक स्थित एक मोबाइल दुकान में 8 जून 2025 की रात हुई चोरी के मामले में पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तारियां गुमला जिला अंतर्गत घाघरा थाना क्षेत्र से की गईं, जिसमें घाघरा पुलिस का सहयोग सराहनीय रहा। 8 जून की रात चोरों ने मोबाइल दुकान के बगल की एक दुकान का एल्वेस्टर तोड़कर और वेंटिलेटर को क्षतिग्रस्त कर तीन महंगे मोबाइल, ब्लूटूथ और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान चुरा लिए थे। मामले में 9 जून को सेन्हा थाना में कांड संख्या 63/25 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4), 305 के तहत जांच प्रारंभ की गई। पुलिस ने जांच के क्रम में तीन नामजद युवकों को चिन्हित कर घाघरा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया जिसमे अभय कुमार सिंह – पिता आनंद सिंह, निवासी बराडीह, मंटु उरांव – पिता हरिचंद्र उरांव, निवासीः पकरी पाट, सेरेंगहातु, आशिक महली – पिता प्रदीप महली, निवासी रन्हे शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपी आशिक महली के परिजनों का दावा है कि वह 8 जून को बनारस (उत्तर प्रदेश) से काम कर घर लौटा था। चार दिन बाद उसने एक सेकेंड हैंड मोबाइल खरीदा था, जो कि चोरी का निकला। मोबाइल बेचने वाले युवक ने कहा था कि पैसे की जरूरत है, इसलिए वह बेच रहा है। उन्हें जानकारी नहीं थी कि यह मोबाइल चोरी का है। पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने मोबाइल चोरी की बात स्वीकार की। इसके बाद तीनों को मेडिकल जांच के उपरांत न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें लोहरदगा जेल भेज दिया गया। सेन्हा पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई से स्थानीय लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। हालांकि, परिजनों की ओर से लगाए गए दावों को लेकर जांच जारी है। पुलिस ने आश्वस्त किया है कि सभी तथ्यों की निष्पक्षता से जांच की जाएगी।

शिबू सोरेन के स्वास्थ्य में हो रहा है सुधार : धीरज साहू

लोहरदगा। पूर्व राज्य सभा सदस्य और कांग्रेस के दिग्गज नेता धीरज प्रसाद साहू ने दिल्ली में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की है। इस क्रम में मुख्यमंत्री से शिबू सोरेन जी के स्वास्थ्य को लेकर धीरज प्रसाद साहू ने जानकारी ली। साथ ही शिबू सोरेन जी के जल्द स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना भी की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने धीरज प्रसाद साहू को बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। जल्द ही वे स्वास्थ हो कर लौटेंगे। डाक्टर की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है। काफी देर तक दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हुई। मौके पर धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि शिबू सोरेन जी एक सर्वमान्य नेता हैं। सभी लोग उनसे प्रेम करते हैं। झारखंड के लोगों के बीच उनका एक विशिष्ट स्थान है। गुरुजी ने अपना पूरा जीवन झारखंड को दिया है। लोगों का प्रेम और उनकी प्रार्थना से वे जल्द स्वस्थ होंगे। शिबू सोरेन जी के स्वास्थ्य के साथ-साथ झारखंड के विकास को लेकर भी दोनों नेताओं ने चर्चा की। दोनों नेताओं ने कहा कि सभी मिल कर राज्य को एक विकसित राज्य बनाएंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी ने श्रद्धांजलि सभा व विचार गोष्ठी का किया आयोजन

हूल दिवस पर कांग्रेस कार्यालय में सिद्धो-कान्हू को किया गया नमन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में राजेंद्र भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में हूल क्रांति दिवस के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा व विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुखैर भगत ने की। सर्वप्रथम उपस्थित कांग्रेसजनों ने हूल विद्रोह के जननायक सिद्धो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। विचार गोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने 1855 के ऐतिहासिक हूल आंदोलन और सिद्धो-कान्हू के अद्वितीय बलिदान पर प्रकाश डाला। जिला अध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि "हूल दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि यह शोषण और अन्याय के खिलाफ आदिवासी क्रांति की पहली गर्जना है, जो साहिबगंज के भोगनाडीह गांव से उठी थी।" उन्होंने कहा कि सिद्धो-कान्हू ने 50,000 से अधिक संथालों के साथ अंग्रेजों और महाजनों के शोषण के खिलाफ विद्रोह कर, जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए बलिदान दिया। यह विद्रोह ब्रिटिश हुकूमत के साथ-साथ उन जमींदारों और साहूकारों के खिलाफ भी था जो समाज को गुलाम बना रहे थे। सुखैर भगत ने आगे कहा कि "हमें सिद्धो-कान्हू से प्रेरणा लेकर आज के सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करनी चाहिए। वक्ताओं ने जल-जंगल-जमीन, शिक्षा, पहचान और सम्मान जैसे मुद्दों पर संगठित संघर्ष की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यकारी जिला अध्यक्ष शकील अहमद, प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, मोहन दुबे, आलोक साहू, रीना भगत, राजेश लाल सफेद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हूल दिवस पर स्कूली बच्चों ने दी सिद्धो-कान्हू को श्रद्धांजलि, विद्यार्थियों ने जाना संघर्ष का इतिहास

लोहरदगा। एकागुड़ी स्थित ब्लूमिंग बड्र्स पब्लिक स्कूल में सोमवार को हूल दिवस श्रद्धा, गौरव और जागरूकता के साथ मनाया गया। यह दिन झारखंड के इतिहास में उस क्रांति की याद दिलाता है, जब 1855 में सिद्धो और कान्हू मुर्मू ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा किया था। विद्यालय परिसर में आयोजित विशेष सभा में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर सिद्धो-कान्हू समेत अन्य आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। विद्यालय के निदेशक मुकेश कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक तारीख नहीं, बल्कि यह स्वाभिमान, साहस और आत्मबलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें अपने पूर्वजों की कुर्बानियों को याद रखते हुए समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। प्रधानाचार्या शोभा रानी साहू ने कहा कि हूल क्रांति ने आदिवासी समाज को अपनी पहचान और गरिमा के लिए संघर्ष करना सिखाया।

तैयारी — मुहर्रम को लेकर लोहरदगा अंजुमन इस्लामिया बोर्ड की हुई बैठक

17 सदस्यीय बनायी गयी सेन्ट्रल मुहर्रम कमेटी

● शांति व सद्भाव के साथ भव्य तरीके से निकाली जाएगी मोहर्रम का जुलूस : अब्दुल रउफ अंसारी

नवीन मेल संवाददाता

सेन्ट्रल मुहर्रम कमेटी ने पांचवीं से दशमी तक के सभी कार्यक्रम किया तय

सेन्ट्रल मुहर्रम कमेटी ने पांचवीं से दशमी तक सभी कार्यक्रम भी तय कर दिया है। जिसके मुताबिक पांचवीं पहली जुलाई मंगलवार रात 8.00 बजे से रात 2.00 बजे तक जोशो जुनून के साथ कर्बला में मिट्टी लेने जायेंगे तथा लौट कर साहू पेट्रोल पंप के पास नुमाइशी खेल होगा। सातवीं 03 जुलाई बृहस्पतिवार सुबह 7.00 बजे से रात 9.00 बजे तक कर्बला मैदान में फातेहाख्वानी (फातिहा) एवं मेला का आयोजना होगा। आठवीं 04 जुलाई शुक्रवार रात 8.00 बजे से थानाटोली इमली पेड़ के पास ईमाम बाड़ा में छोटी तजेया रखी जायेगी, और सारे गांवों में पगड़ीपोशी की जायेगी। नवमी 05 जुलाई शनिवार रात 8.00 बजे से 2.00 बजे तक थानाटोली इमली पेड़ के पास ईमाम बाड़ा में जुलूस के साथ बड़ी तजेया रखी जाएगी एवं सारे मुहल्ले के अखाड़ों में पगड़ीपोशी की जाएगी। दशमी 06 जुलाई रविवार दोपहर 2.00 बजे से रात 12.00 बजे तक जुलूस निकाला आयेगा। 07 जुलाई सोमवार सुबह 11.00 बजे से रात 9.00 बजे तक सेन्हा ईदगाह मैदान में अस्त्र शस्त्र ईनामी मुकाबला एवं जुलूस के साथ अखाड़ा का कार्यक्रम होगा। 08 जुलाई मंगलवार सुबह 10.00 बजे से रात 10.00 बजे तक बी एस कॉलेज पुलिस पिकेट के पास कर्बला मैदान में अस्त्र शस्त्र चालन का ईनामी मुकाबला एवं जुलुस के साथ आखाडा का कार्यक्रम होगा।

लोहरदगा। आगामी मुहर्रम को लेकर बीते रात अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा बोर्ड की बैठक अध्यक्ष अब्दुल रउफ अंसारी की अध्यक्षता में ओल्ड हजरत बाबा दुखन शाह (रअ) मदरसा में की गई। बैठक में शांति एवं सद्भाव के साथ मुहर्रम मनाने के लिए सर्व सहमति से 17 सदस्यों की एक सेन्ट्रल मोहर्रम कमेटी बनाई गई। केन्द्रीय मुहर्रम कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें मुख्य कन्वेनर अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी, एवं सचिव शाहिद अहमद बेलू को बनाया गया है। जबकि 5 कन्वेनर व 10 सदस्य बनाए गए हैं। पांच कन्वेनरों में अंजुम इस्लामिया के ट्रेजरर सैयद फिरोज शाह, नाइब सदर हाजी नईम खान, सैयद आरीफ हुसैन, सहसचिव अल्ताफ कुरैशी, अनवर अंसारी शामिल हैं। जबकि सदस्यों में हाजी सउद आलम, अली रहमान कुरैशी, अब्दुल कादिर, सरवर खान, इरशाद अहमद, मोजम्मिल अंसारी, मो. यासीन कुरैशी, सरफुल अंसारी, सेराज अंसारी और अब्दुल मोहेमिन बबन को बनाया गया है। सेन्ट्रल मुहर्रम कमेटी ने लोहरदगा के सभी लाइसेंसी एवं अवाम को बुलाकर एक विशेष बैठक कर मोहर्रम की दिशा और दशा तय की गई। बैठक में सेन्ट्रल मुहर्रम कमेटी द्वारा रूट चार्ट भी जारी कर दी गई। जिसके मुताबिक सभी मुहल्ले का मुहर्रम जुलूस बड़ा तालाब जामा मस्जिद चौक पर पहुंचेंगे। वहां से मुहर्रम का जुलूस शुरू हो कर थाना रोड, बालिका स्कूल के निकट से नव्वा मुहल्ला होते हुए हनुमान मंदिर, भट्टी मोड़ से अंजुमन मुहल्ला होते हुए न्यू रोड, पावरगंज चौक, कोर्ट रोड, बाबा मठ होते हुए साईडिंग बस स्टैण्ड, पावरगंज चौक, सोमवार बाजार पहुंचेगी। वहां से अपने-अपने मुहल्ले वापस चले जाएंगे। मीटिंग की अध्यक्षता कर रहे सदर अब्दुल रऊफ अंसारी ने आवाम से अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम का जुलूस पुरजोर तरीके से निकाला जाए एवं ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग जुलूस में शामिल हों। मीटिंग में मौजूद अंजुमन इस्लामिया के सेक्रेटरी सैयद शाहिद अहमद बेलू ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी जुलूस बड़े पैमाने पर एवं भव्यता के साथ निकाला जाएगा।

न्यूज बॉक्स

मौसीबाड़ी में भगवान जगन्नाथ के भंडारे का प्रसाद खाने उमड़े श्रद्धालु

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के अग्रसेन पथ स्थित कुटिया शिव मंदिर प्रांगण मौसीबाड़ी में भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी की भव्य पूजा-अर्चना के साथ प्रतिदिन भंडारे का आयोजन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच किया जा रहा है। भक्तों की आस्था इस कदर उमड़ी हुई है कि हर दिन दोपहर और शाम को भोग के बाद प्रसाद पाने के लिए लोग कतारबद्ध होकर पहुंचे। भगवान को कटहल के कोआ, खीर, चावल-दाल, पूड़ी, सब्जी, बूंदिया, और पापड़ सहित विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया गया। भोग के पश्चात पत्तल में प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। भंडारे की तैयारी सुबह से ही शुरू हो गई थी। युवा श्रद्धालु सेवा में जुटे दिखे — कोई चावल धो रहा था तो कोई सब्जी काट रहा था। स्थानीय युवाओं द्वारा चूल्हा-चौकी और प्रसाद निर्माण की जिम्मेदारी बखूबी निभाई गई, जिसमें सेवा का गहरा भाव देखने को मिला। श्रद्धालु पत्तल में प्रसाद ग्रहण कर डस्टबिन में पत्तल डाल पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी दिखा रहे थे। आयोजन स्थल पर पुजारी देवनारायण पांडेय, प्रमोद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अजय मित्तल समेत कई अन्य श्रद्धालु व कार्यकर्ता मौजूद रहे। यह आयोजन न सिर्फ धार्मिक भावनाओं को बल्कि सामूहिक सहयोग और समर्पण की भावना को भी प्रकट करता है। मौसीबाड़ी का यह आयोजन आने वाले दिनों में और भी श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता रहेगा।

मौसीबाड़ी में भगवान जगन्नाथ अपने वराह रुप में दर्शन दिए

भंडरा। नौ दिवसीय ऐतिहासिक रथ मेला को लेकर अखिलेश्वर धाम स्थित मौसीबाड़ी में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। सोमवार को मौसीबाड़ी में भगवान जगन्नाथ अपने वराह रुप में दर्शन दिए। रोजाना भगवान जगन्नाथ स्वामी के अलग-अलग रूपों का दर्शन के लिए काफी संख्या में भक्त पहुंच रहे है। साथ ही आयोजित भंडारा में प्रसाद ग्रहण कर रहे है। पुरोहित राधा मोहन शर्मा ने कहा कि मौसीबाड़ी में भगवान नौ दिनों तक अपने सभी नौ अवतार में भक्तों को दर्शन देंगे। सोमवार को वराह रूप में भगवान दर्शन दिए। वाराह रूप के पीछे कथा है कि एक बार, हिरण्याक्ष नामक एक शक्तिशाली राक्षस ने पृथ्वी को चुराकर समुद्र के नीचे छिपा दिया। इससे पूरी पृथ्वी जलमग्न हो गई और जीवन संकट में पड़ गया। तब ब्रह्मा जी ने भगवान विष्णु से पृथ्वी को बचाने की प्रार्थना की थी। भगवान विष्णु ने वराह का रूप धारण किया और समुद्र में प्रवेश किया। उन्होंने हिरण्याक्ष को युद्ध के लिए ललकारा और दोनों के बीच भयंकर युद्ध हुआ। अंततः भगवान वराह ने हिरण्याक्ष को मारकर पृथ्वी को अपने दांतों पर उठा लिया और उसे जल से बाहर निकाला। फिर उन्होंने पृथ्वी को समुद्र के ऊपर स्थापित किया और सृष्टि का संतुलन बहाल किया।

हैंड ओवर-टेक ओवर की प्रक्रिया पूरी होने तक बंद रहेंगी सभी खुदरा उत्पाद दुकानें

लोहरदगा। आयुक्त, उत्पाद के निदेशानुसार "हैंड ओवर-टेक ओवर" की प्रक्रिया पूर्ण होने तक आज दिनांक 30 जून 2025 के रात्रि 10 बजे के पश्चात लोहरदगा जिला अंतर्गत सभी खुदरा उत्पाद दुकानें बंद रहेंगीं। इसमें लोहरदगा जिला की विदेशी शराब दुकान मैना बगीचा, विदेशी शराब दुकान पावरगंज, विदेशी शराब दुकान अल्का सिनेमा, विदेशी शराब दुकान मिशन चौक, विदेशी शराब दुकान मैना बगीचा, विदेशी शराब दुकान साईडिंग, विदेशी शराब दुकान भट्ठी रोड, विदेशी शराब दुकान मिशन चौक, कम्पोजिट शराब दुकान भण्डरा, कम्पोजिट शराब दुकान चट्टी, कम्पोजिट शराब दुकान सेन्हा, कम्पोजिट शराब दुकान नवाडीह, कम्पोजिट शराब दुकान कैरो, कम्पोजिट शराब की दुकान जीमा और कम्पोजिट शराब दुकान कुडू शामिल हैं।

कांग्रेस का संगठन सृजन को लेकर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में संगठन सृजन को लेकर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष सुखैर भगत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला के पर्यवेक्षक डॉक्टर राजेश गुप्ता ने ग्राम पंचायत संगठन को मजबूत बनाने के लिए कई अहम जानकारियां दी। ग्राम पंचायत गठन में प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष एवं प्रखंड पर्यवेक्षकों की सहमति से कमेटी गठन करने को कहा गया। पंचायत कमेटी कांग्रेस पार्टी का एक अहम यूनिट है। जिसमें समर्पित और निष्ठावान कांग्रेसी जो कांग्रेस के लिए हमेशा तन मन से समर्पित रहते हैं वैसे लोगों को जोड़ना है। जिला अध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि ग्राम पंचायत गठन में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है जो लोग कम से कम 5 वर्षों से पार्टी के विचारधारा से जुड़े हैं। वैसे लोगों को पंचायत का दायित्व सौंपा जाना है।अंत में मंडल अध्यक्षों को उनकी नियुक्ति को लेकर उन्हें प्रमाण पत्र और पार्टी का झंडा देकर उन्हें दायित्व सौंपा गया है। किस्को प्रखंड से रामदेव उरांव, सेन्हा प्रखंड से राजकिशोर साहू, भंडरा प्रखंड से हामिद अंसारी, कुड़ू पूर्वी क्षेत्र से सिराजुल अंसारी, कुड़ू पश्चिम से सुशील उरांव, कैरो प्रखंड से महताब आलम, पेशरार प्रखंड से बीना कुमारी, एवं लोहरदगा प्रखंड से सुनील राम को नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कार्यकारी अध्यक्ष शकील अहमद, प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, मोहन दुबे समेत काफी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्य के गठबंधन सरकार जनता को कर रही गुमराह : अजातशत्रु

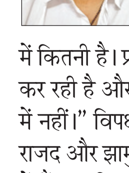

लोहरदगा। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अजातशत्रु ने सोमवार क़ो लोहरदगा में प्रेस को संबोधित करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार का पक्ष मजबूती से रखा और विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार देशहित में फैसले लेती है न कि किसी दल या गठबंधन के दबाव मेंअजातशत्रु ने कहा, जातीय जनगणना आज देश की आवश्यकता है। हर जाति को यह जानने का अधिकार है कि उनकी संख्या देश में कितनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार इस दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है और यह फैसला पूरी तरह देशहित में है, किसी दल के दबाव में नहीं।" विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस, राजद और झामुमो जैसे दल अब जातीय जनगणना का श्रेय लेने की होड़ में हैं, जबकि सच्चाई यह है कि 1951 में कांग्रेस ने जातीय जनगणना कराई जरूर थी, लेकिन उसे कभी सार्वजनिक नहीं किया।

रात्रि गश्ती के दौरान घायल युवक को पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

भरनो। एनएच-23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर भरनो के पुराना थाना के समीप एक बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सोमवार देर रात उस समय हुआ, जब युवक सिसई से रांची जा रहा था। घायल युवक की पहचान विमल उरांव, सिसई निवासी के रूप में हुई है, जो रांची में रहकर पढ़ाई करता है। वह अकेले ही मोटरसाइकिल से रांची जा रहा था। भरनो थाना के पास सड़क की खराब स्थिति और बाइक की तेज गति के कारण वह अपना संतुलन खो बैठा और बाइक सहित गिर पड़ा। सौभाग्य से उसी समय भरनो थाना में पदस्थापित एएसआई रामजी बैठा रात्रि गश्ती पर निकले हुए थे। उन्होंने घटनास्थल के पास घायल युवक को देखा और राहगीरों की मदद से तत्काल भरनो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

गड्ढे में डूबने से युवक की मौत, इलाके में फैला शोक

बिशुनपुर। गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड अंतर्गत गुरदरी थाना क्षेत्र के बरपाट बॉक्साइट माइंस में एक दर्दनाक हादसे में 35 वर्षीय मिलरेड असुर की मौत हो गई। युवक का शव खदान के पानी से भरे गड्ढे में तैरता हुआ मिला, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के संबंध में गुरदरी थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक मिलरेड असुर, निवासी बरपाट, शनिवार को अपने घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी खोजबीन कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इधर सोमवार की सुबह ग्रामीणों की नजर हिंडालको कंपनी द्वारा संचालित बॉक्साइट खदान के एक बड़े गड्ढे पर पड़ी, जिसमें पानी भरा हुआ था। गड्ढे में एक शव तैरता देख ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। परिजनों ने पहुंचकर शव की पहचान की और तुरंत गुरदरी पुलिस को सूचित किया।

पति व सौतन ने मिलकर दूसरी पत्नी रिजवाना को रास्ते से हटाया

नवीन मेल संवाददाता

हादसे का रचा था ड्रामा

गुमला। गुमला जिले के सिसई बस्ती से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां सौतन और पति ने मिलकर दूसरी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या को सीढ़ी से गिरने का हादसा बताकर छिपाने की कोशिश की गई, लेकिन मृतका के भाई की सजगता और पुलिस की तत्पर जांच ने सच्चाई को उजागर कर दिया। घटना 28 जून की रात की है। मृतका रिजवाना परवीन की मौत को उसके ससुरालवालों ने सीढ़ी से गिरने की दुर्घटना बताया। लेकिन रिजवाना के भाई रिजवान अंसारी को इस मौत पर शक हुआ। उसने गुमला थाना में पति शमशाद अंसारी, पहली पत्नी अफसाना खातून सहित पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुमला पुलिस जांच में जुट गई। सोमवार को गुमला थाने में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि पंचनामा के दौरान मृतका के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए, जो हादसे की थ्योरी को गलत साबित कर रहे थे। जब पुलिस ने पति शमशाद अंसारी और उसकी पहली पत्नी अफसाना खातून से सख्ती से पूछताछ की, तो दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। अफसाना ने बताया कि वह रिजवाना को अपनी सौतन मानती थी और उसे यह बर्दाश्त नहीं था कि रिजवाना उसके पति और बच्चों के बीच आ रही है। इसी रंजिश में दोनों ने मिलकर रिजवाना को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। आरोपियों ने स्वीकार किया कि 28 जून की रात लगभग 8 बजे घर में आटा गूंथने के दौरान कहासुनी हुई। उसी दौरान अफसाना और शमशाद ने पहले कुल्हाड़ी से रिजवाना के सिर पर वार किया, फिर दुपट्टे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद पूरे मोहल्ले में यह झूठ फैलाया गया कि रिजवाना सीढ़ी से गिरकर घायल हुई थी और उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मौके से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और गला घोंटने में इस्तेमाल किया गया दुपट्टा भी बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामले की जांच आगे भी जारी है, अन्य आरोपियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने कहा की जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि यह सोची-समझी हत्या थी। दोनों आरोपियों ने पहले से योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया और हादसे की कहानी गढ़ी। पुख्ता सबूतों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

गुमला पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का किया भंडाफोड़

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर बेचते थे बाइक, 5 गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। सक्रिय रूप से जिले और आसपास के क्षेत्रों में चोरी की बाइक बेचने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पांच चोरी की बाइक भी जब्त की गई हैं। एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने सोमवार को गुमला थाना में प्रेस वार्ता कर इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संतोषी मंदिर, टोटो के पास वाहन जांच अभियान के दौरान एक बाइक संदिग्ध पाई गई। जांच में पता चला कि बाइक चोरी की है, जिसके बाद पनसो निवासी मुंतज़िर अंसारी को हिरासत में लिया गया।

पूछताछ में मुंतज़िर अंसारी ने कई अहम जानकारियां दीं। उसने खुलासा किया कि गिरोह के अन्य सदस्य आदम अंसारी, सुल्तान अंसारी, परवेज खान और अमीर अंसारी मिलकर चोरी की बाइकों को गांव-देहात में बेचने का काम करते हैं। ये सभी बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उसे असली बताकर भोले-भाले ग्रामीणों को बेचते थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी चारों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया।

सभी पांच अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एसडीपीओ ने बताया कि गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और चोरी की बाइकों को कम कीमत में प्राप्त कर, नकली कागज़ात और नंबर प्लेट के सहारे लोगों को गुमराह कर रहा था।

पुलिस ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर किसी ने संदेहास्पद बाइक खरीदी हो या उसके दस्तावेज संदिग्ध हों, तो वह तुरंत नजदीकी थाना में संपर्क करे ।

आंगनबाड़ी सेविकाओं ने मानदेय वृद्धि के लिए पीएम को लिखा पत्र

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड की लगभग 200 आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं ने आज प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। आंगनबाड़ी सेविका संघ की अध्यक्ष ममता गुप्ता ने बताया कि वे सभी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रही हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।ममता गुप्ता ने बताया कि आंगनबाड़ी सेविकाओं के मानदेय में 2018 के बाद से कोई वृद्धि नहीं की गई है, जबकि वे पिछले 50 वर्षों से बाल विकास के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने याद दिलाया कि दिसंबर 2023 में भी उन्होंने धरना प्रदर्शन किया था, लेकिन उसका भी कोई नतीजा नहीं निकला। आज इस अवसर पर प्रखंड की सभी आंगनबाड़ी सेविकाएं मौजूद थीं, जिन्होंने अपनी मांगों को पुरजोर तरीके से प्रधानमंत्री तक पहुंचाने के लिए एक साथ पत्र पोस्ट किए।

मुख्य मांग

- मानदेय में बढ़ोतरी वर्तमान में सेविकाओं को ₹10,500 मिलते हैं, जो आज की महंगाई में जीवनयापन के लिए अपर्याप्त है।
- **कार्य अवधि व जिम्मेदारियां :** सरकार के कागजों में उनका काम सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक एक ही पाली का है, लेकिन व्यवहार में उन्हें 24 घंटे काम करना पड़ता है। इसके अलावा, चुनाव संबंधी और स्वास्थ्य संबंधी कार्यों से उन्हें मुक्त करने के आदेश के बावजूद, विभाग इन आदेशों का पालन नहीं करता।
- **सरकारीकरण:** सेविकाएं पिछले 50 वर्षों से सेवा दे रही हैं और सरकार से उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग कर रही हैं। वे चाहती हैं कि सेविका को तृतीय श्रेणी कर्मचारी और सहायिका को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी घोषित किया जाए।
- **सेवानिवृत्ति की आयु और लाभ:** उनकी सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष की जाए। साथ ही, सेवानिवृत्ति के समय सेविका को ₹10 लाख और सहायिका को ₹5 लाख का एकमुश्त भुगतान किया जाए।

न्यूज बॉक्स

बैल चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के बरवेनगर गांव से गुरुवार रात चोरी हुए एक बैल को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।बरवेनगर निवासी हसद मियां (60) ने बताया कि गुरुवार की रात उनके बैल को अज्ञात चोरों ने चुरा लिया था। सुबह जब परिवार के सदस्यों ने बैल को गायब पाया तो उनकी तलाश शुरू की, लेकिन बैल का कहीं पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने चैनपुर थाना को इसकी सूचना दी।सूचना मिलते ही चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें एसआई दिनेश कुमार, विजय उरांव और अन्य जवान शामिल थे। पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए खोजबीन शुरू की।सघन जांच के बाद पुलिस ने बरवेनगर निवासी कलीम खान और रमजान मियां को गिरफ्तार कर लिया। इन दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों में संतोष का माहौल है।

जागरूकता अभियान चलाया गया

चैनपुर। चैनपुर पंचायत भवन में सोमवार को परिवार विकास संस्था द्वारा बाल संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने की, जिसमें बच्चों को दुर्व्यवहार, शोषण, उपेक्षा और हिंसा से बचाने के उपायों पर जोर दिया गया।अभियान में चैनपुर की मुखिया शोभा देवी, उप मुखिया तेरेसा लकड़ा, पंचायत समिति आशा लकड़ा, वार्ड सदस्य रश्मि भारती टोप्पो, और परिवार विकास संस्था के फील्ड कोऑर्डिनेटर कपिल देव यादव और सीताराम मुंडा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के विभिन्न अधिकारों पर गहन चर्चा की गई। इसमें शिक्षा का अधिकार, पर्याप्त आवास, भोजन, पानी और स्वास्थ्य के उच्चतम प्राप्त करने योग्य मानक, काम करने का अधिकार, और काम पर अधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। इसके अतिरिक्त, अल्पसंख्यकों और स्वदेशी लोगों के सांस्कृतिक अधिकारों पर भी विस्तार से बात की गई, ताकि बच्चों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जा सके। जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने अपने संबोधन में कहा, "बच्चों का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।" उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार या शोषण की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।मुखिया शोभा देवी और कॉर्डिनेटर कपिल देव यादव ने बताया कि इस जागरूकता अभियान का मुख्य लक्ष्य समुदाय को बच्चों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें बाल संरक्षण कानूनों के बारे में जानकारी देना है।

भारी बारिश में ढहा गरीब का आशियाना

पालकोट (गुमला)। लगातार हो रही भारी बारिश ने गुमला जिले के कई इलाकों में तबाही मचाई है। इसी क्रम में पालकोट प्रखंड अंतर्गत बघिमा पंचायत के बाघिमा बड़का टोली निवासी छेबो देवी का कच्चा मकान बीती रात लगभग तीन बजे अचानक भरभरा कर गिर गया। घटना के समय घर में छेबो देवी अपने पुत्र बंधन सिंह और बच्चों के साथ सो रही थीं, लेकिन सौभाग्यवश सभी लोग सुरक्षित बच गए। छेबो देवी ने बताया कि मकान पहले से ही जर्जर हालत में था और लगातार हो रही बारिश से उसकी स्थिति और भी खराब हो गई थी। बीती रात जब सब सो रहे थे, तभी घर का एक हिस्सा अचानक गिर गया, जिससे पूरा आशियाना उजड़ गया। छेबो देवी ने बताया की हमारी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। घर की मरम्मत या नया घर बनाना हमारे सामर्थ्य से बाहर है। हमने प्रखंड प्रशासन से निवेदन किया है कि हमारी मदद की जाए, ताकि हम बच्चों के साथ खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर न हों।" अब पीड़ित परिवार प्रशासन से त्वरित मुआवजा और आवास की सहायता की मांग कर रहा है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से गरीब महिला की मदद करने की अपील की है।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, 5 घायल

भरनो (गुमला)। एनएच-23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर सोमवार की शाम भरनो थाना क्षेत्र के नवाटोली के पास दो बाइकों की सीधी टक्कर में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दो मासूम बच्चे अचेत हो गए जिन्हें गंभीर स्थिति में रिम्स, रांची रेफर किया गया है। हादसे में मठ तुरिअम्बा गांव निवासी 29 वर्षीय जितेंद्र गोप, उनका 7 वर्षीय पुत्र आर्यन गोप, 5 वर्षीय पुत्र अर्पित गोप, 45 वर्षीय मीना देवी और गुमला निवासी 30 वर्षीय थॉमस कुजूर घायल हुए। जानकारी के अनुसार थॉमस कुजूर रांची की ओर अपनी बाइक से तेज रफ्तार में जा रहे थे, तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों पर सवार लोग सड़क पर गिर पड़े। विशेष रूप से दो मासूम बच्चे आर्यन और अर्पित गिरकर अचेत हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत सभी घायलों को उठाकर भरनो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद दोनों बच्चों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रिम्स रेफर कर दिया। अन्य घायलों का इलाज कर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा की अनदेखी को लेकर चिंता बढ़ा गया है।

सांसद प्रतिनिधि ने किया सिसई प्रखंड का दौरा

सिसई (गुमला)। सांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा ने सिसई प्रखंड अंतर्गत शिवनाथपुर पंचायत के पंडरानी गांव का दौरा किया। पार्टी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। उन्होंने कहा कि माननीय सांसद सुखदेव भगत जनता के समस्याओं के प्रति संवेदनशील हैं लगातार क्षेत्र के जनता की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही जनता के मुद्दों को प्रखरता से सदन में माननीय सांसद द्वारा रखा जा रहा है। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर सांसद प्रतिनिधि ने समाधान करने का भरोसा दिया। मौके पर गुमला जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आजाद अंसारी, सिसई प्रखंड उप प्रमुख निलेश उरांव, युवा जिला उपाध्यक्ष जय सिंह, आश्रित उरांव, जयराम उरांव सहित कई कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। सामाजिक न्याय के संकल्प के साथ राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन की प्रदेश स्तरीय बैठक कटहल मोड़ करम पुल के समीप नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय निलेश भवन में उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत प्रदेश कार्यालय के विधिवत उद्घाटन के साथ हुई, जिसका उद्घाटन फीता काटकर समारोहपूर्वक किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार निलेश ने की, जबकि संचालन कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हरिनाथ साहू ने किया। इस अवसर पर संगठन के अनेक प्रमुख पदाधिकारी एवं सभी जिलों से आए सैकड़ों प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें संत कुमार शाह, शंभू प्रसाद साहू, डॉ. अजय कुमार साव, संजय साहू, अरविंद साहू, आशीष कुमार साहू, विकास कुमार साहू, मनोज कुमार साहू, रीना देवी, गायत्री देवी, किरण देवी, संतोषी कुमारी, राधिका कुमारी, कपिल साहू, कैलाश साहू, सुभाष साहू समेत विभिन्न जिलों के अध्यक्ष और सदस्य उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार निलेश ने कहा की देश में तेली जाति की आबादी लगभग 14 करोड़ और झारखंड में 37 लाख यानी 14% से अधिक है। बावजूद इसके समाज को राजनीतिक हिस्सेदारी नहीं मिल रही है। अब समय आ गया है कि हमारा समाज 'पहले जाति, फिर पार्टी' के सिद्धांत पर चले और बंधुआ वोटिंग से बाहर निकलकर जागरूक वोटिंग की दिशा में आगे बढ़े। उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछले चार दशकों से तेली समाज भाजपा को 99% वोट देता आ रहा है, लेकिन पार्टी ने इसे बंधुआ वोटर समझ लिया है। अब महासंगठन के नेतृत्व में समाज अपनी राजनीतिक ताकत का अहसास कराएगा। वहीं कार्यकारी अध्यक्ष संत कुमार शाह ने कहा की आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में जो भी राजनीतिक दल तेली समाज को उनकी आबादी के अनुपात में टिकट देगा, समाज एकजुट होकर उसी दल को समर्थन देगा। बैठक के उपरांत नवनियुक्त दर्जनों पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा मनोनयन पत्र प्रदान किए गए।

हूल दिवस पर कस्तूरबा आश्रम व डूडीया गांव में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

सिद्धो-कान्हू की शहादत को किया गया नमन

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। हूल क्रांति की अमर गाथा को स्मरण करते हुए कस्तूरबा आश्रम विकास भारती बिशुनपुर भरनो कार्यालय एवं डूडीया गांव में हूल दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कस्तूरबा आश्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। मौके पर उपस्थित सी.के. शर्मा ने हूल क्रांति और सिद्धो-कान्हू मुर्मू की वीरता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि देश की आज़ादी केवल 1947 की कहानी नहीं है, बल्कि इससे पहले भी अनेक संघर्ष हुए, जिनमें आदिवासी वीरों की अहम भूमिका रही है। उन्होंने बताया कि सिद्धो (ज. 1815) और कान्हू (ज. 1820) मुर्मू का जन्म साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव में हुआ था। 1855 में इन महान सपूतों ने 400 गांवों के लगभग 50,000 संथाल आदिवासियों के साथ मिलकर "करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो" का नारा देते हुए ब्रिटिश सत्ता, जमींदारों और साहूकारों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका। सिद्धो-कान्हू और उनके साथियों ने तीर-धनुष जैसे पारंपरिक हथियारों से अंग्रेजों के आधुनिक हथियारों का मुकाबला किया। हालांकि असमान संसाधनों के कारण यह विद्रोह दबा दिया गया, लेकिन इस संघर्ष ने भारत की आजादी के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी।

पंचकठिया में सिद्धो-कान्हू को फांसी दी गई और यह स्थल आज भी शहीद स्थल के रूप में स्मरण किया जाता है। सी.के. शर्मा ने युवाओं से आग्रह किया कि वे इस महान बलिदान से प्रेरणा लें और राष्ट्र सेवा में समर्पित रहें। कार्यक्रम में शोभा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, सुखराम लोहरा, प्रशिक्षणार्थी एवं 55 ग्रामीणों ने भाग लिया और हूल क्रांति के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हूल दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बिशुनपुर। हूल दिवस के अवसर पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय, अंकुरी में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चार गांवों के लगभग 200 ग्रामीणों ने भाग लिया और सिद्धो-कान्हू की वीरगाथा को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा की शुरुआत सिद्धो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण से हुई, जिसे विद्यालय के प्रधानाध्यापक बालेश्वर उरांव, गैर विभागीय प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्य पंकज कुमार सिंह, जोसेफ लकड़ा और बुद्धिमान उरांव ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद उपस्थित ग्रामीणों द्वारा भी पुष्प अर्पित कर अमर शहीदों को नमन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जीव नंदन महतो ने किया। इस दौरान पंकज कुमार सिंह ने सिद्धो-कान्हू की जीवनी और हूल विद्रोह के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला।

हूल दिवस पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने किया वीर शहीदों को नमन

गुमला। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से सोमवार, 30 जून 2025 को ऐतिहासिक हूल दिवस का आयोजन बिन्देश होटल, गुमला में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा के जिलाध्यक्ष छोटेलाल उरांव भगत ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने 30 जून 1855 को साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से शुरु हुए संथाल विद्रोह को आजादी की पहली जनक्रांति बताया। इस विद्रोह में सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव जैसे वीर सेनानियों ने 20 हजार से अधिक आदिवासियों के साथ मिलकर अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के खिलाफ बिगुल फूंका था। हूल क्रांति के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इस जनआंदोलन के फलस्वरूप संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम और छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम जैसे कानून अस्तित्व में आए, जो आज भी झारखंड में आदिवासियों की ज़मीन की रक्षा का आधार हैं।

कुव्यवस्था चैनपुर प्रखंड में पीवीटीजी परिवारों के लिए रखा अनाज दुर्दशा का शिकार

जर्जर भवन में रखे अनाज हो रहा खराब

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। सरकार जहां एक ओर आदिम जनजाति परिवारों को योजनाओं से जोड़ने और उन्हें योजनाओं का लाभ देने के लिए कई तरह की योजना चल रही है तो वहीं दूसरी और प्रशासनिक उदासीनता की वजह से उनको मिलने वाली योजनाओं का हाल बेहाल है। मामला चैनपुर प्रखंड का है जहां विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के लिए रखा गया अनाज रखरखाव की कमी और जर्जर भंडारण सुविधाओं के अभाव में लगातार खराब हो रहा है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि उन जरूरतमंद परिवारों को मिलने वाला महत्वपूर्ण राशन, जो गरीबी और बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं, समय पर और सही गुणवत्ता में नहीं मिल पा रहा है।

जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने इस मामले पर गहरी चिंता व्यक्त की है। जानकारी के अनुसार, पीवीटीजी परिवारों को मिलने वाला यह महत्वपूर्ण राशन एक अत्यंत जर्जर भवन में रखा जा रहा है। भवन की खराब स्थिति के कारण अनाज के खराब होने का खतरा लगातार बना हुआ है। न केवल इमारत की जर्जर स्थिति बल्कि उचित भंडारण सुविधाओं जैसे नमी से बचाव और कीट नियंत्रण का अभाव भी इस बर्बादी का एक मुख्य कारण है। अनाज को खुले में रखने या अपर्याप्त सुरक्षा के कारण उसमें नमी लग रही है और कीटों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे वह उपभोग के लायक नहीं रह जा रहा है। इस गंभीर स्थिति का सीधा असर पीवीटीजी समुदाय के लोगों पर पड़ रहा है। उन्हें समय पर और सही गुणवत्ता वाला अनाज नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी पोषण सुरक्षा पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति सरकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर भी गंभीर सवाल उठाती है, जिनका मुख्य उद्देश्य इन हाशिए पर पड़े समुदायों का उत्थान करना और उन्हें खाद्य सुरक्षा प्रदान करना है।

मेरी लकड़ा ने इस मामले की चिंता जताई

जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने इस पूरे मामले पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस अनाज को सबसे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए, वह लापरवाही और कुप्रबंधन के कारण बर्बाद हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि तुरंत उचित भंडारण सुविधाओं का इंतजाम किया जाए, जर्जर भवन की मरम्मत कराई जाए या अनाज को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि पीवीटीजी परिवारों को उनका हक मिल सके और सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक सही मायने में पहुंच सके।

विहिप बजरंग दल की प्रखंड समिति का पुनर्गठन, सुदामा केशरी बने अध्यक्ष

भरनो। भरनो बस्ती स्थित विहिप बजरंग दल कार्यालय में सोमवार को विहिप बजरंग दल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सुदामा केशरी ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य समिति विस्तार और संगठन को अधिक सक्रिय व सशक्त बनाना रहा। बैठक में कार्यकर्ताओं ने हिंदू समाज के हितों और धार्मिक कर्तव्यों को प्राथमिकता देते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने पर जोर दिया। साथ ही प्रखंड समिति के पुनर्गठन को लेकर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया, जिसके तहत पुरानी समिति को ही दोबारा सक्रिय करते हुए नई ऊर्जा के साथ कार्य प्रारंभ करने की सहमति बनी। अध्यक्ष सुदामा केशरी, उपाध्यक्ष आशीष केशरी, सुरक्षा प्रमुख रोशन केशरी, संयोजक गुलशन केशरी। इस अवसर पर अमन ठाकुर, संतोष केशरी, निशांत केशरी, नकुल केशरी, राजा केशरी, संदीप केशरी सहित कई सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जानबूझकर आप जो भी करते हैं, उसके प्रति सावधान रहें, क्योंकि यदि आपकी इच्छा-शक्ति अत्यंत बलशाली न हुई, तो अवचेतन मन की आदतों को प्रभावित करने की शक्ति के कारण आपको विवशतापूर्वक वहीं कार्य बारंबार करना पड़ सकता है। - श्री श्री परमहंस योगदानंद

संपादकीय

युद्ध टालता भारत और विश्व

भारत ने पाकिस्तान से पारंपरिक युद्ध लड़े बिना उसे उसकी औकात दिखा दी पर अनेक लोग इससे संतुष्ट नहीं हैं। युद्ध में एक दूसरे को बर्बाद करती दुनिया को क्या याद करना चाहिए? क्लाउड लेवी स्ट्रॉस की चेतावनी कि 'दुनिया इन्सानों के बगैर शुरू हुई थी और इन्सानों के बगैर ही खत्म होगी।' आखिर क्यों नहीं? परमाणु बम और मिसाइलों की रेंज बताती इस दुनिया में कोई ऐसा नेतृत्व है, जिसे यकीन हो कि इस दुनिया को बचाना ही एक नेतृत्व के लिए सब कुछ होता है। और कोई नेतृत्व सिर्फ नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ही युद्ध विराम को अपने हिसाब से एक टूल न बना ले, बल्कि शांति का भी नेतृत्व करता नजर आए। क्या विश्व को एक ग्रुप ऑफ गुड लीडर्स जैसी संस्था की आवश्यकता आ पड़ी है, जो दुनिया को शांति और सद्भाव का पाठ पढ़ा सके? आतंकवाद और घृणा से घिरते एवं फिर हिंसक होते इस समाज को कोई बर्बाद होने से बचाना क्यों नहीं चाहता? क्यों आखिर युद्ध ही सभी मसलों का हल है? और अगर है, तो फिर ये मसले हल क्यों नहीं होते? इन सबके बीच शांति क्या अप्रचलित मूल्य बन चुकी है? ऐसा लगता है, जैसे धर्म और नस्ल में दिनों-दिन बंटती जा रही इस दुनिया को सिर्फ पैसे और व्यापार से ही युद्ध से दूर किया जा सकता है, शांति के उद्बोधन और सामाजिक आचरण से नहीं। क्या शांति अपने आप में किसी नेतृत्व का 'सेंटर ऑफ ग्रेविटी' नहीं हो सकती? सर्दियों से पहले शरद ऋतु आती है और आते हैं वे अच्छे लोग, जो लोगों के जीवन में खुशियों के रंग भरते हैं। और उन अच्छे लोगों में से कोई बहुत अच्छा व्यक्ति उनका लीडर बनता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि न तो समाज में एकजुटता के पत्ते भूरे होंगे और न ही आम आदमी की मुस्कान। लेकिन मिसाइलों के धमाकों में वह लीडर कहां है? यह दुनिया चंद्रमा के बाद अब मंगल ग्रह और अंतरिक्ष में मनुष्यों की विशाल छलांग की कहानी गढ़ रही है। लेकिन पृथ्वी पर विकास और जिजीविषा की छलांग सिर्फ युद्ध के संदेश लिए ड्रोन और मिसाइलों से क्यों हो रही है? क्या अब भी हमारी धरती को उन भूले-बिसरे नेताओं के पदचिह्नों की जरूरत है, जिन्हें दुनिया ने पिछले कुछ दशकों में देखा है? सबसे ज्यादा महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला याद आ रहे हैं। इधर युद्ध, मिसाइल, ड्रोन हर जगह मंडरा रहे हैं, तो ग्लोबल वार्मिंग, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, आतंकवाद, निरक्षरता, महंगाई, भुखमरी का संकट भी बढ़ता जा रहा है। फिर यह दुनिया बचेगी कैसे? कौन होगा वह लीडर, जो शांति का नायक बनेगा? और क्या शांति के नेतृत्व के लिए भी आर्थिक और सामरिक शक्ति का विशाल जखीरा रखना एक 'जरूरी योग्यता' बन जाएगी? क्या महान सम्राट अशोक की कहानी इतिहास में हिंसा से अहिंसा के हृदय परिवर्तन की आखिरी कहानी बनकर रह जाएगी? आज हर दूसरा व्यक्ति डिजिटल वर्ल्ड में इन्फ्लुएंसर बना घूम रहा है। तो फिर वह इन्फ्लुएंस शांति और सद्भाव के लिए क्यों नहीं होता? अगर सब कुछ एक लीडर के हाथ में होता है, तो वह अच्छा नेता कैसा होता है? अरस्तू इसका उत्तर देते हुए कहते हैं कि एक अच्छा नेता कोई और नहीं, बल्कि एक अनुयायी होता है और वह अनुसरण करता है लोगों की जरूरतों और इच्छाओं का, सभी के कल्याण का। आधुनिक दुनिया में 'अनुसरण' शब्द सिर्फ मेटा और ब्लू टिक के इर्द-गिर्द ही दिखाई देता है। अंत में, अरस्तू ने निष्कर्ष निकाला कि एक अच्छा अनुयायी ही एक अच्छा नेता बनने के योग्य होता है।

परमाणु बम और मिसाइलों की रेंज बताती इस दुनिया में कोई ऐसा नेतृत्व है, जिसे यकीन हो कि इस दुनिया को बचाना ही एक नेतृत्व के लिए सब कुछ होता है।

एक दिन सम्मान का, हर दिन समर्पण का-चिकित्सक दिवस की पुकार

जब जीवन की डोर किसी अनजानी पीड़ा से उलझने लगती है, जब साँसें संदेह और भय से जकड़ने लगती हैं, तब एक चेहरा विश्वास का उजाला बिखेरता है - जो रक्षक भी हैं, और संजीवनी भी, वह है नब्ज़ की भाषा समझने वाले देवदूत चिकित्सक। मानवता की सेवा में अटल, विज्ञान और करुणा का अनुपम मेल, एक ऐसा व्यक्तित्व जो न केवल रोग से जूझता है, बल्कि रोगी को जीने का हौसला भी देता है। 1 जुलाई का दिन भारत में इन्हीं जीवनदाताओं को समर्पित है-'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस', जो उन निःस्वार्थ सेवकों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है, जिनकी धड़कनें देश के स्वास्थ्य से जुड़ी हैं। यह दिन हमें न केवल उनके योगदान को याद करने का अवसर देता है, बल्कि उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर विचार करने और एक संवेदनशील समाज के निर्माण का संकल्प लेने का भी आह्वान करता है।

यह दिवस भारत के महान चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी और प्रखर राजनेता डॉ. बिधान चंद्र रॉय की स्मृति में मनाया जाता है। उनका जन्म और निधन, दोनों ही 1 जुलाई को हुए-यह महज संयोग नहीं, बल्कि उनके जीवन की पूर्णता का प्रतीक है। भारत रत्न से सम्मानित डॉ. रॉय न केवल एक कुशल चिकित्सक थे, बल्कि पश्चिम बंगाल के लोकप्रिय मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने चिकित्सा और प्रशासन के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी। उनके प्रयासों से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे संस्थानों की नींव पड़ी और भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) को मजबूती मिली। उनके लिए चिकित्सा केवल पेशा नहीं, बल्कि एक धर्म था-एक ऐसा दायित्व, जो आज भी हर चिकित्सक के हृदय में जीवित है। उनकी यह विरासत हमें सिखाती है कि चिकित्सक का कर्तव्य सिर्फ इलाज करना नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ और सशक्त बनाना है।

आज की बात

प्रो. आरके जैन

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना किसी युद्ध से कम नहीं। भारतीय चिकित्सा परिषद के अनुसार, देश में लगभग 13 लाख पंजीकृत चिकित्सक हैं, जिनमें से करीब 8 लाख सक्रिय रूप से सेवा दे रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानक के अनुसार, प्रत्येक 1000 लोगों पर एक डॉक्टर होना चाहिए। भारत में यह अनुपात 1:834 है, जो भले ही वैश्विक औसत से बेहतर हो, लेकिन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच गहरी खाई इसे कमज़ोर बनाती है। शहरी क्षेत्रों में जहाँ यह अनुपात 1:400 तक पहुँच जाता है, वहीं ग्रामीण भारत में यह 1:3000 से भी बदतर है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में चिकित्सकों की कमी, अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा, और सीमित संसाधन आज भी गंभीर चुनौतियाँ हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 30% स्वास्थ्य केंद्रों में ही पूर्णकालिक चिकित्सक उपलब्ध हैं, जो इस असमानता को और उजागर करता है। इन विषम परिस्थितियों के बावजूद, भारतीय चिकित्सक एक सच्चे योद्धा की तरह हर चुनौती का सामना करते हैं। कोविड-19 महामारी इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। वर्ष 2020 से 2022 के बीच, भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के अनुसार, लगभग 1600 से अधिक चिकित्सकों ने अपनी जान गँवाई। फिर भी, लाखों डॉक्टरों ने दिन-रात, बिना थके, बिना डरे, मरीजों की सेवा की। उस दौर में, जब दुनिया ठहर-सी गई थी, अस्पतालों में चिकित्सकों की धड़कनें ही जीवन की लय बनकर उभरीं। उन्होंने न केवल लाखों लोगों की जान बचाई, बल्कि भय और अनिश्चितता के बीच मानसिक बल भी प्रदान किया। इस दौरान भारत में लगभग 5 करोड़ से अधिक लोगों को कोविड से संबंधित चिकित्सा सेवाएँ दी गईं, जिनमें से अधिकांश का श्रेय चिकित्सकों की अथक मेहनत को जाता है।

भारत में हर दिन औसतन 75 लाख से अधिक लोग चिकित्सा सेवाएँ प्राप्त करते हैं। इनमें सरकारी अस्पताल, निजी क्लिनिक, स्वास्थ्य शिविर और अब तेज़ी से बढ़ रही टेलीमेडिसिन सेवाएँ शामिल हैं। वर्ष 2024 तक, टेलीमेडिसिन के माध्यम से लगभग 10 करोड़ से अधिक परामर्श सत्र पूरे हो चुके हैं, जो चिकित्सा की पहुँच को ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक ले जाने में एक क्रांतिकारी कदम है। लेकिन इन सभी सेवाओं की रीढ़ वही चिकित्सक हैं, जो न केवल दवा देते हैं, बल्कि करुणा और विश्वास का वह अमूल्य स्पर्श भी प्रदान करते हैं, जो किसी मशीन से संभव नहीं। कई चिकित्सक निःशुल्क शिविरों, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों और गैर-लाभकारी संगठनों के माध्यम से समाज के सबसे वंचित वर्गों तक पहुँच रहे हैं। उदाहरण के लिए, 'डॉक्टर्स फॉर यू' जैसे संगठन हर साल लाखों लोगों को मुफ्त चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करते हैं, जिनमें से अधिकांश दूरस्थ और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में होते हैं। हालाँकि, इस सेवा भाव के पीछे कई गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। भारतीय चिकित्सा संघ के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 75% से अधिक चिकित्सक अपने कार्यस्थल पर किसी न किसी रूप में दुर्व्यवहार या हिंसा का सामना करते हैं। यह हिंसा मौखिक अपशब्दों से लेकर शारीरिक हमलों तक हो सकती है। यह तथ्य न केवल चिंताजनक है, बल्कि शर्मनाक भी। जो व्यक्ति जीवन बचाने के लिए दिन-रात मेहनत करता है, उसकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना समाज का प्राथमिक दायित्व है। इसके अलावा, चिकित्सकों को लंबे कार्य घंटों, मानसिक तनाव और सतत अध्ययन की चुनौती का भी सामना करना पड़ता है। एक औसत चिकित्सक सप्ताह में 60-70 घंटे काम करता है, और कई बार रातों की नींद भी त्याग देता है। फिर भी, उनका समर्पण अडिग रहता है। चिकित्सक का जीवन केवल तकनीकी ज्ञान और कौशल तक सीमित नहीं है। यह संवेदना, धैर्य और मानवीयता का संगम है। हर सफल उपचार के पीछे अनगिनत बलिदान छिपे होते हैं—पारिवारिक समय की कमी, व्यक्तिगत जीवन का त्याग, और निरंतर सीखने की प्रक्रिया। आज चिकित्सा जगत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक सर्जरी, और जीन थेरेपी जैसे नवाचार तेज़ी से बढ़ रहे हैं। भारत में ही 2024 तक 500 से अधिक अस्पतालों ने रोबोटिक सर्जरी को अपनाया है, और टेलीमेडिसिन का उपयोग 50% से अधिक बढ़ा है। लेकिन इन तकनीकी प्रगतियों के बीच भी, एक चिकित्सक की करुणामयी नज़र और सांत्वनादायक शब्द ही मरीज को सबसे पहले राहत देते हैं। मशीनें शरीर का इलाज कर सकती हैं, लेकिन मन और आत्मा को ठीक करने का काम केवल एक संवेदनशील चिकित्सक ही कर सकता है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि एक गहन आत्मचिंतन का अवसर है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपने चिकित्सकों को वह सम्मान, सुरक्षा और संसाधन दे पा रहे हैं, जिनके वे हकदार हैं? क्या हम एक ऐसा समाज बना पा रहे हैं, जो उनके बलिदानों को समझे और उनकी गरिमा की रक्षा करे? तकनीक भले ही कितनी भी उन्नत हो जाए, लेकिन चिकित्सक का मानवीय स्पर्श ही सच्चा उपचार है। इस राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर हम केवल धन्यवाद तक सीमित न रहें। यह समय है एक संकल्प का—एक ऐसे समाज के निर्माण का, जो अपने चिकित्सकों को हर कदम पर सम्मान, सुरक्षा और समर्थन दे। क्योंकि जब चिकित्सक मुस्कराता है, तब राष्ट्र स्वस्थ और सशक्त होता है। उनके बिना हमारा जीवन अधूरा है, और उनकी सेवा ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

उत्कृष्टता की साधना ही जीवन का असली उद्देश्य है

जीवन में उत्कृष्टता की साधना ही वह मार्ग है जो हमें आत्मिक, सामाजिक और व्यावसायिक रूप से महानता की ओर ले जाता है। हम सब यह मानते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान कुरुक्षेत्र के मैदान में दिया, परंतु यह बात ध्यान देने योग्य है कि उन्होंने यह ज्ञान एक ऐसे व्यक्ति को दिया जो अपने समय का सबसे बड़ा धनुर्धर था-यानी वह पहले से ही उत्कृष्टता की ऊंचाई पर था। उत्कृष्टता कोई मंज़िल नहीं, बल्कि यह एक निरंतर यात्रा है। जीवन में हम जो भी कार्य करें-चाहे वह पढ़ाई हो, खेल हो, खाना बनाना हो या ऑफिस का काम-हर कार्य में यह आत्ममंथन होना चाहिए कि मैं इसमें और बेहतर क्या कर सकता हूं? हर दिन स्वयं से यह प्रश्न करना कि "मैं आज कितना बेहतर हुआ?" यही गीता को जीवन में उतारना है। आज हम अधिकतर समय दूसरों की आलोचना करने, उनकी कमियों को देखने में गंवा देते हैं। लेकिन सच्ची प्रगति तब होती है जब हम स्वयं की आलोचना करें, अपनी आदतों और कार्यशैली को सुधारें और हर दिन एक नया संस्करण खुद का बनाएं। अगर कोई गृहणी है, तो वह यह सोच सकती है कि ऐसा कौन सा पौष्टिक, स्वादिष्ट और नया व्यंजन बना सकती हूं जो परिवार को स्वस्थ भी रखे और आनंद भी दे। अगर आप एक क्लर्क हैं, तो आप सोच सकते हैं कि अपने कार्य को कैसे अधिक व्यवस्थित, प्रभावी और प्रेरणादायक बनाया जाए। हम में से हर व्यक्ति में उत्कृष्ट बनने की संभावना है, परंतु इसके लिए जरूरी है निरंतर आत्मचिंतन, आत्मसुधार और प्रयास। जो जीवन को बस पुराने ढर्रे पर जीते हैं, वे कभी नयापन नहीं ला सकते। जो हर दिन खुद को बदलने, निखारने और विकसित करने का संकल्प लेते हैं, वही सच्चे अर्थों में गीता को जीते हैं। गीता केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए है। और उसे जीने का अर्थ है - अपने हर कर्म में सर्वश्रेष्ठ की खोज, हर दिन स्वयं से प्रतिस्पर्धा, और जीवन को एक उद्देश्य के साथ जीना। आइए, हम भी अपने जीवन के हर पहलू में उत्कृष्टता की साधना करें। यही साधना हमें न केवल सफलता की ऊंचाइयों तक ले जाएगी, बल्कि हमें आत्मिक शांति, संतुलन और दिव्यता से भी भर देगी।

अलग बात

वीणा देवांगन

(veenavlogs@gmail.com)

जगन्नाथ की त्रिभुवन में महिमा

जगन्नाथ भगवान रथ पर आरूढ़, भक्तों को मनोवांछित फल प्रदान करने वाले नीलांचल अर्थात पुरी में निवास करने वाले नारायण श्री हरि कृष्ण स्वरुप जगत कल्याण के लिए रथ पर सवार होकर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करते है। कृष्ण नाम तो मोक्ष प्राप्ति का सहज एवं सरल मार्ग है। भक्तों के संरक्षक पालनकर्ता भाई बलभद्र और लाड़ली सुभद्रा के साथ भ्रमण पर निकले है। सनातन धर्म में चार धाम यात्रा का उल्लेख है, जिनमें चार स्थान श्री हरि विष्णु नारायण ने विभिन्न कार्यों के लिए चयनित किए है। उत्तर में बद्रीनाथ में प्रभु की ध्यान स्थली है। दक्षिण में रामेश्वर में प्रभु स्नान करते है। पश्चिम में द्वारिका में विश्राम करते है एवं पूर्व में जगन्नाथ पुरी में भोजन ग्रहण करते है। प्रभु ने भक्तों के मनोरथ पूर्ण करने के लिए और असीम श्रृद्धा भक्ति के लिए चारों दिशाओं को चयनित किया है जिससे भक्त सहज ही ईश्वरीय आराधना से जुड़ सकें। विष्णु श्री हरि नारायण वही स्वरुप है जो कृष्ण बनकर देने पर आ जाए तो तीन मुट्ठी चावल में तीनों लोक प्रदान कर दे और जब वामन स्वरुप में आ जाए तो तीन पग से तीनों लोक नाप ले। प्रभु की प्रत्येक लीला भक्त के ईश्वर के प्रति असीम विश्वास को उजागर करती है।

आपकी बात

डॉ. रीना रवि मालपानी
(कवयित्री एवं लेखिका)

जगन्नाथ पुरी धाम में प्रथम भवन नीलांचल है जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के साथ निवास करते है और दूसरा है सुन्दरांचल जिसमें गुंडीचा मंदिर है। भगवान जगन्नाथ स्वरुप में भक्तों के भाव वाला भोजन ग्रहण कर उन्हें भावों की माला से जोड़ते है। अपनी माया से छप्पन भोग प्रकट करने वाले जगत के नाथ जगन्नाथ भक्त के अनुग्रह पर भोग ग्रहण कर तृप्ति का अनुभव करते है। प्रभु के विभिन्न स्वरुप में प्रत्येक समय ईश्वर की असीम भक्ति से जुड़ने का सन्देश देते है। नीलांचल में विराजमान भगवान जगन्नाथ सभा का आयोजन भी करते है, बीमार भी होते है, औषधि ग्रहण करते है, शरीर त्यागते है, नवीन शरीर ग्रहण करते है और यदि भक्त दर्शन का अभिलाषी हो तो भगवान अपनी दिनचर्या भी परिवर्तित कर देते है। एकादशी के दिन चावल में निवास करने वाले पाप से जगन्नाथ धाम में भक्तों को मुक्त करते है और दैनिक दिनचर्या अनुरूप चावल की खिचड़ी और व्यंजनों का प्रसाद स्वीकार ग्रहण करते है। ब्रह्म तत्व धारण करने वाले भगवान जगन्नाथ भक्तों की पुकार पर स्वयं अपने गर्भ गृह से निकलकर जन सामान्य के बीच आते है। ईश्वरीय लीला कभी भी अकारण नहीं होती, वह तो विधि का विधान होती है जिसमें भक्त का हित और गहरी ईश्वरीय आस्था निहित होती है। जिनकी ईच्छा के बिना पुष्प नहीं खिल सकते एक तुच्छ तृण भी गंतव्य नहीं हो सकता उन प्रभु की रथ यात्रा को भक्त गंतव्य तक पहुंचाते है। यह सब सृष्टि के नियामक चक्र में कितनी मनोहारी और अनोखी लीला है भगवान जगन्नाथ की। कुछ समय के लिए प्रभु बीमार हो जाते है, औषधीय काढ़ा ग्रहण करते है और लाड़ली सुभद्रा के अनुग्रह पर अपनी मौसी गुंडीचा के घर पर निवास करते है। जगन्नाथ भगवान वही श्री कृष्ण का स्वरुप है जो माँ को मातृत्व सुख प्रदान करने के लिए अनूठी लीलाएँ करते है। कभी काल कोठरी में बंद कर दिए जाते है तो कभी रस्सी से बाँध दिए जाते है, तो फिर भला मातृ तुल्य मासी का आग्रह कैसे अस्वीकार कर सकते है। मौसी अपने दुलारे को प्रत्येक प्रकार से मिष्ठान भोग, दूध, रबड़ी, माखन परोसकर अपने प्रेम अनुराग में कहीं भी न्यूनता नहीं होने देती है। मौसी के मनुहार के पहले जगन्नाथ भगवान जन सामान्य के कष्टों का भी निवारण करते है और भक्तों के दर्शन प्रदान कर असीम भक्ति की क्षुधा को शांत करते है। मौसी के घर पहुँचने पर मीठी मनुहार हो सहर्ष स्वीकार करते है, मौसी अपने लाडलों की प्रतीक्षा में एकटक रास्ता निहारती रहती है। करुणा के सागर भक्त की ईच्छा को पूर्ण न करें यह संभव नहीं है, इसीलिए लाड़ली सुभद्रा और मातृ तुल्य गुंडीचा मौसी दोनों की इच्छाएँ भगवान जगन्नाथ पूरी करते है। जगन्नाथ भगवान का नगर भ्रमण भक्तों में अनूठे उत्साह का संचार करता है। भक्तों की आतुरता और भक्तों का सैलाब प्रभु के दर्शन के लिए उमड़ पड़ता है। रथ पर आरूढ़ भगवान जगन्नाथ के दर्शनाभिलाषी सुदूर स्थानों से एकत्र होते है। प्रभु की छवि के दर्शन का सौभाग्य विरलों को ही मिलता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

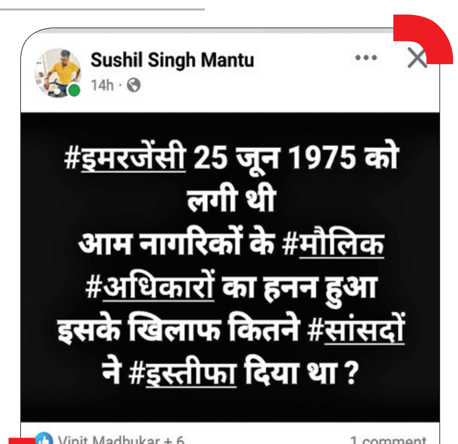

एक्स से

आज का दोहा

मौसम और अलाव का नहीं रहा संबंध।
सभी तोड़ने लग गये, हितकारी अनुबंध।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

टीएमसी नेताओं की निर्लज्ज टिप्पणियों से उठा विवाद

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार-गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बनकर उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। इन नेताओं ने गैंगरेप मामले पर विवादित बयान से राज्य एवं देश में भारी जनाक्रोश पैदा हो गया था। विशेषतः राजनेताओं के बयानों एवं सोच में एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अन्दर एवं बाहर दोनों मोर्चों पर घिरती हुई नजर आ रही है। जहां इस मामले में पार्टी के अन्दर गुटबाजी एक बार फिर सामने आयी है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा टीएमसी नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। यह एक बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर नारी सम्मान एवं अस्मिता को लेकर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। अकसर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। ऐसे बयानों के बावजूद अकसर ये राजनेता किसी कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फ़टकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नज़र आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही ये चिन्ताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए सामान्य बात है।

जब किसी देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और सोच के लिए एक जघन्य आइना बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिरों को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है। पीड़िता एक लॉ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा थी, जो अपने उज्ज्वल भविष्य के सपनों के साथ शिक्षा के पथ पर अग्रसर थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्म' नहीं, 'राष्ट्रीय आपदा' माना जाए, और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए।

देश की बात

ललित गर्ग

कोलकाता की लॉ छात्रा की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि केवल कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। यह केवल एक छात्रा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर बेटी की सुरक्षा की लड़ाई है। न्याय तब होगा जब ऐसी घटनाएं रुकेंगी और उसके लिए हमें मिलकर लड़ना होगा। सबसे दुखद पहलू यह है कि अनेक बार ऐसी घटनाओं में समाज चुप रहता है, पीड़िता को दोषी ठहराने की कोशिश की जाती है। सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। पीड़िता के लिए यह पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब उनके जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

पंजाब में पाकिस्तानी ड्रग तस्कर गिरफ्तार

कनाडा से हो रहा था संचालित 60 किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ किया है । इस कार्रवाई में राजस्थान के बाड़मेर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से 60.302 किलोग्राम हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की गई। इस कार्टेल को पाकिस्तानी तस्कर तनवीर शाह और कनाडा में रहने वाला हैंडलर जोबन कलेर संचालित कर रहा था। पंजाब पुलिस ने इस ऑपरेशन में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर से नौ प्रमुख तस्करों और हवाला ऑपरेटरों को गिरफ्तार किया। इन गिरफ्तारियों ने ड्रग तस्करी के इस विशाल नेटवर्क की कमर तोड़ दी, जो न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय था। बरामद हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपए आंकी गई है। पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस सफल कार्रवाई की जानकारी साझा की। पुलिस ने बताया कि यह ऑपरेशन नार्को-आतंक के खिलाफ उनकी सतत लड़ाई का हिस्सा है। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने इस बारे में पूरी जानकारी दी। उनके वीडियो को पंजाब पुलिस के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी जारी किया गया।

कश्मीर के बाद अब मिजोरम में रेलवे लाएगी खुशहाली

51.38 किमी लंबी बैराबी-सैरांग रेल लाइन का पीएम जल्द करेंगे उद्घाटन

- पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी। नई दिल्ली

मोदी सरकार के कार्यकाल में भारतीय रेल उन स्थलों तक भी पहुंची है जहां रेलवे का सपना तो बहुत पहले देखा गया लेकिन उसे पूरा करने की दिशा में पहले की सरकारों ने कोई बड़े कदम नहीं उठाये थे। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब पुल का उद्घाटन किया था जिससे कश्मीर घाटी का राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ने का सपना पूरा हुआ। अब सुदूर पूर्वोत्तर के राज्य मिजोरम की राजधानी आइजोल को देश के रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए निर्धारित 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेल लाइन भौगोलिक और साजोसामान से जुड़ी चुनौतियों को पार करते हुए बन कर तैयार हो चुकी है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के एक अधिकारी ने कहा है, ''रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीएसआर) की मंजूरी के साथ यह लाइन तैयार है और बहुत जल्द प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे।

''हम आपको बता दें कि इस रेल मार्ग के चालू होने के बाद लोग सिलचर के रास्ते ट्रेन से आइजोल की यात्रा कर सकेंगे और राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता, पहाड़ियों और घने जंगलों का आनंद ले सकेंगे। मिजोरम को ''पहाड़ी लोगों की भूमि'' के रूप में जाना जाता है।

- रेल मार्ग के चालू होने के बाद लोग सिलचर के रास्ते ट्रेन से आइजोल की यात्रा कर सकेंगे
- इस लाइन के पूरा होने से मिजोरम पूर्वोत्तर का चौथा राज्य बन गया है, जिसकी राजधानी राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ी गई है

अधिकारियों ने कहा कि इस लाइन के पूरा होने से मिजोरम पूर्वोत्तर का चौथा राज्य बन गया है, जिसकी राजधानी राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ी गई है। हम आपको बता दें कि इस लाइन में 12.853 किलोमीटर लंबी 48 सुरंग, 55 बड़े और 87 छोटे पुल, पांच सड़क ओवरब्रिज और नौ सड़क अंडरब्रिज हैं। इनमें से एक पुल की ऊंचाई 104 मीटर है, जो कुतुब मीनार से 42 मीटर अधिक है। नयी लाइन से मिजोरम के लोगों को न केवल बेहतर परिवहन और सुगमता का लाभ मिलेगा, बल्कि इससे क्षेत्र से आवाजाही में भी वृद्धि होगी। साथ ही स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, इस अभूतपूर्व परिचालन से वाणिज्यिक गतिविधियों, आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और पूर्वोत्तर के राज्यों में ट्रेन संपर्क मजबूत होगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे तथा स्टेशनों और माल शेड के पास छोटे-छोटे व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा।

न्यूज बॉक्स

चार धाम यात्रा पर लगा 24 घंटे का प्रतिबंध हटा

नई दिल्ली। चार धाम यात्रा पर रविवार को 24 घंटे का प्रतिबंध लगाया गया था, जिसे अब हटा लिया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि चार धाम यात्रा पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया गया है और यात्रा एक बार फिर शुरू हो गई है। गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने बताया कि चार धाम यात्रा पर लगाया गया 24 घंटे का प्रतिबंध अब हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले जिलों के जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मौसम की स्थिति के अनुसार वाहनों को रोकने या आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के बढ़ते खतरे को देखते हुए रविवार को चार धाम यात्रा एक दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। यात्रा स्थगित करने की जानकारी देते हुए गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने रविवार को बताया कि लगातार भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका को देखते हुए चारधाम यात्रा एक दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। लोगों और संपत्ति की सुरक्षा के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। उन्होंने तीर्थयात्रियों से आग्रह किया कि वे जहां हैं, वहीं रहें और स्थिति में सुधार होने तक केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा करने से बचें।

अमरनाथ यात्रा पर साइकिल से निकले नेपाल के सचिन

जम्मू। नेपाल के रहने वाले सचिन चौधरी साइकिल पर सवार होकर अमरनाथ यात्रा पर निकले हैं। उनका यह सफर केवल धार्मिक नहीं, बल्कि एक सामाजिक और पर्यावरणीय संदेश लिए है। सचिन अपनी इस विशेष यात्रा के जरिए देशवासियों को जल संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। सचिन ने बताया कि उन्हें घर से निकले हुए आठ महीने और आठ दिन हो चुके हैं। यह उनकी भारत में दूसरी यात्रा है और इस बार उनका लक्ष्य बाबा बर्फानी के दर्शन करना है। उन्होंने बताया कि वे वर्तमान में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर हैं और यहां की यात्रा अब तक बहुत ही सकारात्मक रही है। सचिन ने कहा कि जैसे ही मैंने जम्मू में प्रवेश किया, तो बहुत प्यार और समर्थन मिला। जो डर हम लोगों को जम्मू-कश्मीर को लेकर होता था, वो सब गलत साबित हुआ। यहां कोई धर्म का भेदभाव नहीं है, हिंदू-मुस्लिम सब एकता और भाईचारे से रहते हैं। सचिन ने बताया कि रास्ते में लोग उन्हें खाना, पानी और रहने के लिए जगह तक उपलब्ध कराते हैं। गुरुद्वारों में उन्हें न सिर्फ भोजन, बल्कि रुकने के लिए कमरे भी दिए गए। भारत के लोग बहुत अच्छे हैं। जितना मैंने सोचा था, उससे कहीं अधिक सहयोग मिला है। सुरक्षा व्यवस्था की तारीफ करते हुए सचिन ने कहा कि 2025 में जो लोग अमरनाथ आना चाहते हैं, वे निश्चिंत होकर आएं। यहां जगह-जगह सुरक्षा बल तैनात हैं।

प्रकाश मिश्रा ने भक्तों से की अपील 'प्रशासन के साथ करें सहयोग'

पुरी। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान मची भगदड़ के बाद सरकार और प्रशासन अलर्ट मोड पर काम कर रहा है। इस बीच, ओडिशा के मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार प्रकाश मिश्रा ने भक्तों से रथ यात्रा के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार प्रकाश मिश्रा ने इस भव्य उत्सव में अटूट आस्था दिखाने और भागीदारी के लिए श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, "मैं सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे यकीन है कि हर कोई आध्यात्मिक माहौल का आनंद ले रहा होगा और भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के दिव्य दर्शन का अवसर प्राप्त कर रहा होगा। यहां भारी भीड़ है, लेकिन हर कोई व्यवस्थित कतार में चल रहा है।" प्रकाश मिश्रा ने जोर देकर कहा कि घबराहट या अशांति का कोई कारण नहीं है। कहीं भी अराजकता का कोई संकेत नहीं है। सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। रथ यात्रा एक पवित्र आयोजन है और यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की गई है कि सभी को दर्शन का मौका मिले। मैं सभी श्रद्धालुओं से धैर्य रखने और प्रशासन के साथ सहयोग करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने आगे कहा, "अनुष्ठान निर्धारित समय के अनुसार आगे बढ़ रहा है और रथ खींचने का काम 4 जुलाई तक जारी रहेगा। श्रद्धालुओं को जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है।

कांवड़ यात्रा की तैयारियां जोरों पर

अलीगढ़। सावन का पवित्र महीना नजदीक आते ही अलीगढ़ में कांवड़ यात्रा की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। इस दौरान भगवान शिव के भक्तों में घंटी और घुंघरू की खरीदारी का उत्साह चरम पर है। स्थानीय बाजारों में इस बार नई डाक कांवड़ भी कारोबारियों ने पेश की है, जो भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। अलीगढ़ के कारोबारी पिछले 11 महीनों से घंटी और घुंघरू तैयार करने में जुटे हैं, जिनकी मांग अब देश के विभिन्न हिस्सों में बढ़ रही है। अलीगढ़, जो पहले ताले और तालीम के लिए जाना जाता था, अब घंटी और घुंघरू के कारोबार के लिए भी अपनी पहचान बना रहा है। यहां तैयार ये उत्पाद हरिद्वार, बिहार, उज्जैन सहित देश के कई शहरों में भेजे जा रहे हैं। कारोबारी चंद्रशेखर शर्मा ने आईएएनएस से बातचीत में बताया, "सावन में कांवड़ यात्रा के लिए हम विशेष सामान बनाते हैं।

विधायक टी राजा सिंह ने बीजेपी पार्टी से दिया इस्तीफा

हैदराबाद। तेलंगाना के गोशामहल से भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी नेतृत्व के फैसले से असहमति जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनका यह फैसला रामचंदर राव को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की मीडिया रिपोर्टों के बाद सामने आया है। राजा सिंह ने अपने इस्तीफे में लिखा, "मैं यह पत्र भारी मन से और गहरी चिंता के साथ लिख रहा हूं। रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की खबर से न सिर्फ मैं, बल्कि लाखों कार्यकर्ता, नेता और पार्टी के समर्पित मतदाता भी सदमे में हैं। ऐसे समय में जब भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाने की दहलीज पर है, इस प्रकार का निर्णय पार्टी की दिशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है।" उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पर्दे के पीछे से फैसले करवा रहे हैं और व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भ्रमित कर रहे हैं।

शिमला में पिकअप ट्रक के खाई में गिरने से दो लोगों की मौत

शिमला। शिमला के एक गांव में एक पिकअप ट्रक के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान सुन्नी तहसील के गडेरी गांव निवासी भीम राम के पुत्र प्रेम चंद (40) और तेज राम के पुत्र दिनेश (36) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना रविवार देर रात शिमला जिले के सुन्नी तहसील में जलोग गांव के पास हुई। चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रक खाई में गिर गया। इस घटना में ट्रक चालक और अन्य व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक को सोमवार सुबह स्थानीय निवासियों ने देखा, जिन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने मौके से शवों को बरामद किया। शिमला पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी ने इस घटना की पुष्टि की और कहा कि मामले में जांच जारी है।

तिरुपति से लौट रहे श्रद्धालु हादसे के शिकार, 3 की मौत, 9 गंभीर

चिक्कबल्लापुर/चित्तूर। कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर के रहने वाले 3 लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। हादसे में 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। ये लोग थिम्मप्पा मंदिर में दर्शन के बाद तिरुपति से वापस चिक्कबल्लापुर लौट रहे थे। जानकारी के मुताबिक, आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में मदनपल्ले के पास हादसा हुआ। दुर्घटना तब हुई जब एक अज्ञात वाहन ने टेंपो ट्रेवलर को टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन चिक्काबल्लापुर के बागेपल्ली से तिरुपति जा रहा था, जो कुरुबलकोटा मंडल के चेन्नामरी मिट्टा के पास टेंपो ट्रेवलर से टकरा गया। टक्कर इतनी भयंकर थी कि टेंपो ट्रेवलर के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद वहां हाहाकार मच गया। वहां भीड़ इकट्ठा हो गई और स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिसने घायलों को अस्पताल भेजा। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक अपनी गाड़ी को लेकर वहां से फरार हो गया था। इस दुर्घटना में मृतक मेघर्ष (17), चरण (17) और श्रावणी (28) शामिल हैं।

भाषा विवाद पर फिर बोले राज ठाकरे

मराठी पर हिंदी थोपने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने सोमवार को कहा कि हिंदी भले ही व्यापक रूप से बोली जाती हो, लेकिन यह अन्य राज्यों पर थोपी जाने वाली राष्ट्रीय भाषा नहीं है और इसे मराठी से ऊपर रखने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। मनसे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) स्कूलों में प्राथमिक कक्षाओं के लिए तीसरी भाषा के रूप में हिंदी थोपने का विरोध करने में सबसे आगे रही है। स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी शुरू करने के बढ़ते विरोध को देखते हुए राज्य सरकार ने त्रिभाषा नीति के क्रियान्वयन पर दो सरकारी आदेश वापस ले लिए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाषा नीति पर आगे का रास्ता सुझाने के लिए शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की घोषणा की। पत्रकारों से बात करते हुए ठाकरे ने कहा, "लोग 150 से 200 साल पुरानी हिंदी भाषा को मराठी से बेहतर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका इतिहास 3,000 साल से भी ज़्यादा पुराना है। यह अस्वीकार्य है और मैं इसकी इजाज़त नहीं दूंगा।" उन्होंने ऐसी भाषाई विविधता वाले देश में हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में ब्रांड करने की वैधता पर सवाल उठाया। मनसे प्रमुख ने कहा कि हिंदी राष्ट्रभाषा नहीं है जिसे दूसरे राज्यों पर थोपा जाए। इस तरह की जबरदस्ती ठीक नहीं है। फडणवीस सरकार ने 16 अप्रैल को एक जीआर जारी किया, जिसमें अंग्रेजी और मराठी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बना दिया गया। विरोध के बीच, सरकार ने 17 जून को संशोधित जीआर जारी किया।

आज का राशिफल

मेष : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी।

वृष : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

कर्क : किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

सिंह : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं।

कन्या : संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी।

धनु : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है।

मकर : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं।

कुंभ : जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है।

मीन : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी।

ओमान की खाड़ी में तेल टैंकर को लगी आग

एजेसी। नई दिल्ली

ओमान की खाड़ी में मिशन के लिए तैनात भारतीय नौसेना का स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तबर 29 जून को पुलाऊ-ध्वजांकित तेल टैंकर एमटी यी चेंग 6 से संकट संकेत मिलने के बाद कार्रवाई में जुट गया। यह जहाज भारत के कांडला से ओमान के शिनास के रास्ते में था, उसके इंजन कक्ष में भयंकर आग लग गई, जिसके साथ ही बिजली भी पूरी तरह से गुल हो गई।

14 चालक दल के सदस्यों को ले जाने वाले संकटग्रस्त टैंकर की स्थिति तेज़ी से बिगड़ गई, जिसके कारण भारतीय नौसेना से तत्काल सहायता प्राप्त हुई।

सटीकता और व्यावसायिकता का प्रदर्शन करते हुए, आईएनएस तबर ने बचाव अभियान शुरू किया और जहाज की नाव और हेलीकॉप्टर दोनों के माध्यम से अपनी अग्निशमन टीम और विशेष उपकरण तैनात किए। भारतीय नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि 13 भारतीय नौसैनिक और क्षतिग्रस्त टैंकर के 5 चालक दल के सदस्य फिलहाल आग बुझाने के काम में लगे हुए हैं और जहाज पर लगी आग की तीव्रता में काफी कमी आई है।

भारतीय सेना ने घुसपैठ की कोशिश की नाकाम

अमरनाथ यात्रा के कारण सुरक्षा के कड़े इंतजाम

एजेंसी। राजौरी

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारतीय सेना ने राजौरी जिले के तारकुंडी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षा बलों ने राजौरी के तारकुंडी में सीमा रेखा के पास से एक पाकिस्तानी गाइड को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारतीय सेना के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा गया, जो जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के चार हथियारबंद आतंकवादियों को भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने में मदद कर रहा था। सतर्क सैनिकों की त्वरित कार्रवाई से इस घुसपैठ को नाकाम कर दिया गया। पकड़े गए युवक के पास से एक मोबाइल फोन और पाकिस्तानी मुद्रा सहित संवेदनशील वस्तुएं बरामद की गई हैं। फिलहाल पाकिस्तानी नागरिक सुरक्षा बलों की हिरासत में है और पूछताछ की जा रही है, ताकि सीमा पार के आतंकी नेटवर्क और हैंडलर्स की जानकारी मिल सके। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने नियंत्रण रेखा पर निगरानी को और भी बढ़ा दिया है, ताकि भविष्य में घुसपैठ की कोशिश को रोका जा सके। पाकिस्तानी गाइड की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है, जब अमरनाथ यात्रा को लेकर बीएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की चौकसी और सख्त कर दी है।

रेप केस — महिला सीएम होने के बावजूद, भाजपा ने मांगा ममता बनर्जी से इस्तीफा

महिलाओं पर अत्याचार के मामले में प.बंगाल पहले नंबर पर : गौरव वल्लभ

एजेंसी। कोलकाता

कोलकाता में कानून की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना को लेकर पश्चिम बंगाल में बढ़ते राजनीतिक विवाद के बीच भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की है। भाजपा ने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ऐसे मामलों में लगातार आरोपियों को बचाने का प्रयास करती है। साथ ही भाजपा ने सरकार पर महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद राज्य में महिलाओं की सुरक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

भाजपा प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद पश्चिम बंगाल महिलाओं के शोषण और अत्याचार के मामले में पहले नंबर पर है। ऐसा हर बार होता है कि आरोपी टीएमसी का सदस्य होता है। टीएमसी हमेशा आरोपी को बचाने की कोशिश करती है। वह पीड़िता के परिवार के सदस्यों के साथ खड़ी नहीं होती। हम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हैं, तभी पीड़िता के परिवार को न्याय मिलेगा। उन्होंने से बात करते हुए कहा, "आजकल महिलाओं के खिलाफ़ हो रहे अत्याचारों का पर्याय बन गई है टीएमसी। टीएमसी विधायक जो यह बयान देते हैं कि जब कॉलेज बंद था तो पीड़िता क्यों गई और अगर किसी दोस्त ने ऐसा किया तो पार्टी क्या कर सकती है, उन्हें यह सोचना चाहिए कि अगर उनके परिवार की महिलाओं के साथ ऐसा कुछ हुआ और दूसरे लोग इस तरह के बयान दें तो उन्हें कैसा लगेगा।"

भाजपा की चार सदस्यीय जांच समिति कोलकाता पहुंचेगी। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि आज हमारी पार्टी की चार सदस्यीय टीम कोलकाता आ रही है। हम उन्हें एयरपोर्ट पर रिसीव करेंगे और लालबाजार सीपी ऑफिस ले जाएंगे। हम सीपी से मिलना चाहते हैं। हमने मुख्य सचिव को भी ईमेल भेजा है, हम उनसे भी मिलना चाहते हैं। उसके बाद हम दक्षिण कोलकाता के लॉ कॉलेज पहुंचेंगे, जहां यह घटना हुई थी। यह सब हो जाने के बाद हम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे...हमें उम्मीद है कि सीएम ममता बनर्जी हमारे साथ ठीक से पेश आएंगी क्योंकि हम आंदोलन नहीं करने जा रहे हैं, हम सिर्फ घटना के बारे में पूछताछ करेंगे।

सामूहिक दुष्कर्म : तृणमूल सांसदों में जुबानी जंग

तृणमूल कांग्रेस के दो सांसदों कल्याण बनर्जी और महुआ मोइत्रा के बीच यहां एक विधि महाविद्यालय की छात्रा से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले को लेकर जुबानी जंग शुरू हो गई है। बनर्जी ने मोइत्रा पर व्यक्तिगत टिप्पणी की है। पश्चिम बंगाल की श्रीरामपुर लोकसभा सीट से सांसद बनर्जी ने दावा किया कि कृष्णानगर की लोकसभा सदस्य मोइत्रा अपने हनीमून के बाद भारत वापस आ गईं और उन पर हमला करना शुरू कर दिया है।

अमेरिकी कंपनियों पर अब टैक्स नहीं लगाएगा कनाडा

ट्रंप ने टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, पीएम कार्नी बोले- बिजनेस पर फिर बात करेंगे

ओटावा/वॉशिंगटन डीसी । एजेंसी

कनाडा ने रविवार देर रात अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स लगाने का अपना फैसला वापस ले लिया है। कनाडाई सरकार 30 जून से अमेरिकी कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स लगाने वाली थी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार को एक बयान में कहा कि वह और ट्रंप अब व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने पर राजी हो गए हैं।

कनाडाई वित्त मंत्रालय के मुताबिक, कार्नी और ट्रंप के बीच 21 जुलाई तक व्यापार समझौते पर फिर से बातचीत शुरू हो सकती है। ट्रंप ने 27 जून को कनाडा को धमकी दी थी कि अगर उसने अमेरिकी कंपनियों पर टैक्स लगाया, तो वे कनाडा पर जल्द नया टैरिफ लगा देंगे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा, 'हम कनाडा को अगले

7 दिनों में बता देंगे कि उसे अमेरिका के साथ बिजनेस करने के लिए कितना टैरिफ देना होगा। कनाडा में पिछले साल पास हुआ था डिजिटल सर्विस टैक्स कनाडा की संसद में डिजिटल सर्विसेज टैक्स एक्ट पिछले साल 20 जून, 2024 को पास हुआ था।

हालांकि, यह टैक्स एक साल बाद 30 जून, 2025 से लागू होना था। लागू होने से कुछ घंटे पहले ही कनाडा सरकार ने इस पर यू टर्न ले लिया। ट्रंप के टैरिफ को लेकर बातचीत से पीछे हटने के बाद कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने कहा था कि वह कनाडा की जनता के हित में अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखना चाहते हैं। वहीं, अमेरिका के ट्रेजरी सचिव यानी कि वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि उन्हें पहले से इस टैक्स के लगाए जाने की आशंका थी। हालांकि, अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत चल रही थी, इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि कार्नी प्रशासन इसे लागू नहीं करेगा।

क्या होता है डिजिटल सर्विस टैक्स?

डिजिटल सर्विसेज टैक्स वह टैक्स होता है, जो ऑनलाइन सर्विस देने वाली कंपनियों से वसूला जाता है। बड़ी विदेशी और घरेलू कंपनियों को, जो कनाडा में ऑनलाइन यूजर्स से पैसा कमा रही हैं, उसे आय पर 3% टैक्स देना होगा। यह कानून 2022 से पुराने बिलों पर भी लगना था, यानी कंपनियों को पिछले कई सालों के टैक्स का पैसा देना होता। यह टैक्स ऑनलाइन मार्केटप्लेस, सोशल मीडिया, ऑनलाइन विज्ञापन और यूजर डेटा बेचने से हुई कमाई पर लागू होने वाला था। यह टैक्स उन कंपनियों पर लागू होता, जिनकी सलाना कमाई 800 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। इससे खासकर अमेरिकी टेक कंपनियां जैसे मेटा, गूगल, एपल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट ज्यादा प्रभावित होतीं। कारोबारियों का अनुमान है कि इस टैक्स से अमेरिकी कंपनियों को हर साल दो अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान होगा। इसके साथ ही अमेरिका में 3,000 नौकरियां भी जा सकती हैं।

ओबामा ने ईरान को बहुत कुछ दिया, मैं नहीं देने वाला : ट्रंप

वाशिंगटन (आईएएनएस)

ईरान पर भविष्य में क्या अमेरिका हमला करेगा या नहीं, फिलहाल इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थिति स्पष्ट नहीं की है। ईरान के उप-विदेश मंत्री अमेरिका के साथ भविष्य में किसी भी कूटनीतिक और न्यूक्लियर वार्ता पर शर्त रख चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने कहा है कि अब वह ईरान से बात नहीं कर रहे हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ' पर लिखा, "मैं ईरान को कुछ भी नहीं दे रहा हूं। ओबामा की तरह, जिन्होंने 'परमाणु हथियार जेसीपीओए (जो अब समाप्त हो जाएगा) के तहत अरबों डॉलर का भुगतान किया था। इतना ही नहीं, मैं उनसे इस विषय पर बात भी नहीं करने वाला हूं, क्योंकि हमने उनकी न्यूक्लियर फैसिलिटी को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। जिनमें कहा गया था कि उनके प्रशासन ने सिविलियन एनर्जी प्रोड्यूसिंग न्यूक्लियर प्रोग्राम बनाने के लिए ईरान को 30 बिलियन डॉलर तक की मदद करने की चर्चा की थी। रविवार को 'बीबीसी' से बातचीत में माजिद तख्त-रवांची ने कहा था कि अमेरिका को ईरान के खिलाफ किसी भी हमले से इनकार करना चाहिए। इसके साथ ही उप-विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान के खिलाफ भविष्य के हमलों पर ट्रंप प्रशासन की स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। माजिद ने बताया कि अमेरिका ने मध्यस्थ देशों से कहा है कि वह ईरान के साथ बातचीत करना चाहता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वह भविष्य में हमले करेगा या नहीं। अमेरिका ने ईरान की तीन न्यूक्लियर फैसिलिटी नतांज, फोर्डो और इस्फाहान को नष्ट किया था।

चीन ने बनाया दुश्मन के बिजली घरों को नष्ट करना वाला ग्रेफाइट बम

ब्यूरो

नई दिल्ली। चीन ने ऐसा ग्रेफाइट बम बनाया है जिससे दुश्मन के बिजली घरों को नष्ट किया जा सकता है। इनके अंदर हाई वोल्टेज बिजली के बुनियादी ढांचे को शॉर्ट सर्किट करने के लिए डिजाइन किए गए महीन, रासायनिक रूप से उपचारित कार्बन फिलामेंट होते हैं, जो विस्फोट के साथ ही बिखर जाते हैं। ये कार्बन फिलामेंट दुश्मन के बिजलीघर को बर्बाद कर देते हैं।यह हथियार 10,000 वर्ग मीटर से ज्यादा क्षेत्र में बिजली को काटकर पूरी तरह ब्लैकआउट कर सकता है, जो दुश्मन की कमान व नियंत्रण प्रणाली को बाधित करने के लिए प्रभावी है। चीन की मीडिया ने इ इसे 'घरेलू रूप से निर्मित एक रहस्यमयी मिसाइल' कहा है। एक वीडियो के अनुसार, इसकी रेंज 290 किलोमीटर और इसका वारहेड 490 किलोग्राम वजन का है, जो इसे सैन्य सब स्टेशनों और दूसरे बिजली ढांचों पर हमले के लिए उपयुक्त बनाता है।ऐसे बमों का इस्तेमाल अमेरिकी सेना लंबे समय से कर रही है। इराक में ग्रेफाइट वॉरहेड से रैस टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों ने नेशनल ग्रिड के 85 % हिस्से को निष्क्रिय कर दिया, जिससे सैन्य कमान, वायु रक्षा व सरकारी संस्थान अंधेरे में डूब गए थे।

सूडान में ढही सोने की खदान, 11 की मौत, 7 घायल

खार्तूम । उत्तर-पूर्वी सूडान में एक सोने की खदान ढहने से 11 लोगों की मौत हो गई और 7 लोग घायल हो गए। सरकारी खनिज संसाधन कंपनी ने यह जानकारी दी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, रेड सी स्टेट में अत्बारा और हाया शहरों के बीच हौएद इलाके में स्थित केर्श अल-फील खदान में यह हादसा हुआ। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि खदान ढहने से यह घटना हुई, लेकिन हादसे की तारीख का जिक्र नहीं किया गया। कंपनी ने कहा कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण खदान को पहले ही बंद करने का आदेश दिया गया था। लेकिन, इसने खनन गतिविधियों की निगरानी जारी रखने और सुरक्षा मानकों को बेहतर करने का वादा किया, साथ ही खनिकों से सुरक्षा और पर्यावरण नियमों का पालन करने की अपील की। सूडान में पारंपरिक खनन से सोने का एक बड़ा हिस्सा निकलता है, लेकिन खराब सुरक्षा मानकों और पुराने ढांचे के कारण क्षेत्र में अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। कंपनी ने कहा कि उसने पहले ही खदान में काम रोक दिया था और इसके जोखिम के बारे में चेतावनी दी थी, क्योंकि यह जानलेवा खतरा पैदा कर सकता है। आधिकारिक और एनजीओ के अनुसार, सोने का लगभग सारा व्यापार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के माध्यम से होता है।

सीजफायर की उम्मीदों के बीच गाजा में इजरायली सैनिक की हुई मौत

यरूशलम (आईएएनएस)

उत्तरी गाजा पट्टी में एक इजरायली सैनिक की मौत की सूचना सामने आई है, जिसकी जानकारी इजरायली सेना ने दी है। 'सिन्हुआ समाचार एजेंसी' के अनुसार सेना ने बताया है कि 401वीं ब्रिगेड की 601वीं कॉम्बैट इंजीनियरिंग बटालियन के सार्जेंट यिसरायल नतन रोसेनफेल्ड (20) लड़ाई के दौरान मारे गए। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले 'कान टीवी' ने बताया कि रोसेनफेल्ड की मौत जबालिया में एक विस्फोटक उपकरण की वजह से हुई। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां सेना ने उत्तरी गाजा में एक नियोजित बफर जोन के हिस्से के रूप में चौकियों के निर्माण की तैयारी

में इमारतों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया था।

जून की शुरुआत से गाजा पट्टी में 21 इजरायली सैनिक मारे गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 तक सैनिकों की मौत का आंकड़ा 880 तक पहुंच चुका था। इससे पहले रविवार को, फिलिस्तीनी सूत्रों ने उत्तरी गाजा में भारी बमबारी की सूचना दी। गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायली हमलों में करीब 88 लोग मारे गए और 365 घायल हो गए। इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने गाजा के भीड़भाड़ वाले रिहायशी इलाकों के अलावा स्कूल, स्टेडियम और शरणार्थी टेंट को निशाना बनाया। यह हमला तब हुआ जब इजरायली सेना ने नई इवैक्युएशन वॉर्निंग जारी की। इस चेतावनी में गाजा शहर और जबालिया के निवासियों से तुरंत अल-मवासी क्षेत्र की ओर जाने को कहा गया। यह हमले ऐसे समय पर हुए, जब एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले हफ्ते तक सीजफायर का संकेत दिया था।

इजरायल-सीरिया संबंध तैयार, गोलान हाइट्स पर अडिग

यरुशलम । इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने सोमवार को कहा कि उनका देश सीरिया और लेबनान के साथ आधिकारिक राजनयिक संबंध स्थापित करने के लिए इच्छुक है, लेकिन किसी भी संभावित शांति समझौते के तहत गोलान हाइट्स से पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। इजरायल का सीरिया और लेबनान के साथ आधिकारिक रूप से कोई राजनयिक संबंध नहीं है और 1948 में इजरायल की स्थापना के बाद से इन तीनों देशों के बीच शत्रुता की स्थिति बनी हुई है। यरुशलम में ऑस्ट्रिया की विदेश मंत्री बीएटे मीनल-राइसिंगर के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिदोन सार ने कहा, "इजरायल अब्राहम समझौते और शांति व सामान्यीकरण के दायरे को बढ़ाना चाहता है।

फिजी में गहराया एचआईवी संकट संक्रमण से बच्चों की जा रही जान

सुवा (आईएएनएस)

फिजी में एचआईवी की समस्या गंभीर होती जा रही है। पिछले साल एचआईवी की वजह

से 126 लोगों की मौत हुई, जिनमें 8 बच्चे शामिल रहे। लाबासा में फिजी मेडिकल एसोसिएशन की एक बैठक में यूएनएड्स के प्रशांत सलाहकार रेनाटा राम ने ये चिंताजनक आंकड़े साझा किए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे स्वास्थ्य सिस्टम की बेहद जरूरत है जो मजबूत, जिम्मेदार और नए तरीकों से काम करने वाले हों ताकि एचआईवी जैसी समस्याओं से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। रेनाटा राम ने कहा कि फिजी में एचआईवी की स्थिति खराब हो रही है। इसलिए इस साल की कांफ्रेंस का विषय फिजी में हेल्थकेयर के मानकों को मजबूत बनाना है। रेनाटा राम ने बताया कि फिजी में 2024 में सबसे ज्यादा एचआईवी के नए मामले सामने आए। 1,583 नए लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। यह 2023 की तुलना में 281 प्रतिशत की चौंका देने वाली वृद्धि को दर्शाता है, जिसमें 415 मामले देखे गए थे। 2018 के मुकाबले यह संख्या 500 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ गई है, क्योंकि तब सिर्फ 131 मामले रिपोर्ट किए गए थे।

2024 में एचआईवी के 1,583 मामलों में से 1,542 वयस्क थे, लेकिन सबसे ज्यादा चिंता बच्चों के 41 मामलों की थी। इनमें से 32 बच्चे अपनी मां से एचआईवी संक्रमित हुए थे। यह संख्या 2023 के मुकाबले लगभग चार गुना ज्यादा है, जब सिर्फ 11 बच्चों में एचआईवी मिला था। रेनाटा राम ने जोर देकर कहा कि ये बढ़े हुए नंबर सिर्फ बेहतर टेस्टिंग की वजह से नहीं हैं।

सेनाध्यक्ष की भूटान यात्रा, रक्षा सहयोग को मिलेंगे नए आयाम

नई दिल्ली। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी सोमवार को भूटान की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए हैं। सेनाध्यक्ष का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण है। यह यात्रा भारत और भूटान के बीच लंबे समय से चले आ रहे गहरे व विश्वासपूर्ण रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी 2 जुलाई तक भूटान की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों को और प्रगाढ़ बनाना है। यह यात्रा भारत-भूटान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी और पारस्परिक विश्वास को दर्शाती है। दौरा भारत की अपने पड़ोसी देश भूटान के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराता है। सेना प्रमुख का यह दौरा दोनों राष्ट्रों के बीच पारंपरिक मित्रता तथा सहयोग को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

50 साल बाद भी 'संविधान' को कूड़ेदान में फेंकने की आदत से बाहर नहीं निकल पाया विपक्ष

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा

मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बिहार में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने तेजस्वी के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वह कहते हैं कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, "अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए।

बांग्लादेश : आईसीटी ट्रिब्यूनल ने 26 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया

ढाका (आईएएनएस)

बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने जुलाई 2024 में हुए छात्र विरोध प्रदर्शन के दौरान एक छात्र की हत्या के मामले में सोमवार को 26 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इन लोगों में बेगम रोकेया विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति हसीबुर राशिद भी शामिल हैं। तीन सदस्यीय ट्रिब्यूनल की अध्यक्षता न्यायमूर्ति मोहम्मद नजरुल इस्लाम चौधरी ने की। ट्रिब्यूनल ने बेगम रोकेया विश्वविद्यालय के छात्र अबू सईद की हत्या मामले में 30 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करते हुए यह आदेश पारित किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिन चार आरोपियों को पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है, उनमें विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोएक्टर शरीफुल इस्लाम, पुलिस के पूर्व सहायक उप-निरीक्षक आमिर हुसैन, कांस्टेबल सुजान चंद्र रॉय और बांग्लादेश छात्र लीग के नेता इमरान चौधरी शामिल हैं। अबू सईद की मौत 16 जुलाई 2024 को रंगपुर में स्थित बेगम रोकेया विश्वविद्यालय के पास पार्क मोड़ पर पुलिस फायरिंग में हुई थी। यह घटना सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर जारी उग्र छात्र आंदोलनों के दौरान हुई थी। बताया जा रहा है कि सईद पहले छात्र थे, जिनकी मौत रंगपुर में पुलिस की गोली से हुई थी। अबू सईद के बड़े भाई रमज़ान अली ने आईसीटी के अभियोजन विंग में शिकायत दर्ज कराते हुए, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित 24 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप लगाए हैं। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईसीटी अभियोजक मिजानुल इस्लाम ने बताया था कि जांच एजेंसी ने इस मामले में कुल 30 लोगों की संलिप्तता के साक्ष्य पाए हैं। मामले में तत्कालीन पुलिस शिविर प्रभारी, उप निरीक्षक विभूति भूषण रॉय द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में कहा गया है कि सईद पुलिस फायरिंग का शिकार नहीं हुए। रिपोर्ट में लिखा है, "प्रदर्शनकारियों ने हथियार चलाए और कई दिशाओं से ईंट-पत्थर फेंके। इसी दौरान एक छात्र जमीन पर गिरता देखा गया। पूर्व सब-इंस्पेक्टर ने यह भी दावा किया कि इस घटना में 2,000-3,000 अज्ञात लोग शामिल थे, जिनमें बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ता भी हो सकते हैं।

भूकंप के झटकों से हिला नेपाल, 3.9 रही तीव्रता

काठमांडू (आईएएनएस)

नेपाल में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 थी। अचानक आए भूकंप के कारण लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अभी तक जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, 30 जून 2025 को सुबह 8:24 बजे (भारतीय समयानुसार) नेपाल में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 थी। इसका केंद्र 29.24 उत्तरी अक्षांश और 81.77 पूर्वी देशांतर पर जमीन से 14 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे पहले, 29 जून को दोपहर 2:19 बजे (भारतीय समयानुसार) नेपाल में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 थी। इसका केंद्र 29.35 उत्तरी अक्षांश और 81.94 पूर्वी देशांतर पर जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। हालांकि, भूकंप के कारण जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। नेपाल के पड़ोसी देश तिब्बत में 23 मई की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भारतीय समयानुसार भूकंप 9 बजकर 27 मिनट और 27 सेकंड पर आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई। इसकी गहराई 20 किलोमीटर थी। हालांकि, इससे किसी भी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं थी।

करीना कपूर खान ने अपनी पहली फिल्म रिफ्यूजी के 25 साल पूरे होने पर तस्वीरें साझा कीं

कहानी फिल्म जगत की

इंस्टाग्राम पर फिल्म की मनमोहक तस्वीरें और "25 साल और हमेशा के लिए" लिखा

जे. पी. दत्ता द्वारा निर्देशित रिफ्यूज़ी (2000) आज से 25 साल पहले सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी, जिसने दुनिया को एक नहीं बल्कि दो भावी सितारों से परिचित कराया। हम करीना कपूर खान और अभिषेक बच्चन की बात कर रहे हैं, जिन्होंने आने वाले वर्षों में अभिनेताओं के रूप में खुद को विकसित किया है और अपने असाधारण कौशल और बेजोड़ ऑन-स्क्रीन पहचान से लोगों को चकित किया है।

बेबो ने इस महत्वपूर्ण करियर मील के पत्थर के सम्मान में फिल्म से मनमोहक तस्वीरें पोस्ट की हैं, साथ ही कैप्शन लिखा है, "25 साल और हमेशा के लिए जाने वाले हैं... दिल, इंद्रधनुष और अनंत इमोटिकॉन्स के साथ।" आइए इस महत्वपूर्ण अवसर के सम्मान में रेडिफ डॉट कॉम के लिए सुकन्या वर्मा के साथ करीना के पहले साक्षात्कार में वापस जाएं। करीना कपूर खान हमेशा से ही बॉलीवुड की असली दिवा रही हैं। पिछले कुछ सालों में, वे निजी और पेशेवर दोनों ही तरह से विकसित हुई हैं। हालांकि, 25 साल पहले लिए गए अपने पहले इंटरव्यू में भी यह सुंदरी उतनी ही आशावादी थी, जितनी कि अब है। थोड़ी चिंतित, लेकिन खुद पर बहुत भरोसा। जब उनसे पूछा गया कि इतनी कम उम्र में काम करने के बारे में उन्हें कैसा लगता है, तो एक व्यापक रूप से शेयर किए गए इंटरव्यू क्लिप में पूछा गया। अपने पहले इंटरव्यू में, करीना ने मुस्कुराते हुए कहा, "मुझे कुछ भी महसूस नहीं होता है, इसलिए मैं... मुझे नहीं पता कि क्या कहना है। एवी देखने के बाद, मुझे क्या महसूस हुआ? हां, मुझे लगा कि फिल्म बहुत बड़ी सफलता हासिल करने वाली है, और हम सभी की सराहना की जाएगी क्योंकि हम सभी ने बहुत मेहनत की है, और बस इतना ही।

आम और खास ने हूल क्रांति के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

झामुमो ने हूल के नायकों को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हूल दिवस पर झामुमो रांची जिला समिति ने कांके रोड स्थित सिदो कान्हू उद्यान अवस्थित सिदो कान्हू के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया और उनको नमन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय उपस्थित हुए और माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

झामुमो महासचिव विनोद कुमार पांडेय कहा कहा कि पार्टी की ओर से हम हूल दिवस पर सिदो कान्हू, चांद भैरव, फूलों झानो को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन करते हैं। हूल दिवस को हम क्रांति दिवस के रूप मे भी मनाते हैं, और इनके जो संघर्ष और कार्य रहे हैं विशेषकर आदिवासी और स्थानीय समुदाय लोगों के लिए साथ ही जो ऊर्जा भरने का कार्य किया है उस ऊर्जा से हम ये प्रण लेकर यहां से जाते हैं कि चाहे हम सत्ता मे रहे या ना रहे राज्य के लोगों के हक अधिकार के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

कार्यक्रम मे मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया, केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक मंडली सदस्य अश्विनी शर्मा, जिला संयोजक मंडली सदस्य डॉ हेमलाल मेहता, धर्मेंद्र सिंह, सोनू मुंडा आदि उपस्थित रहे।

हूल दिवस पर परिचर्चा का आयोजन, शहीदों को नमन कर पुष्पांजलि अर्पित की गई

रांची। संतोष कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन की बीएड एवं डीएलएड इकाई द्वारा हूल दिवस पर परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो सहित हज़ारों वीर शहीदों को नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की गई। विद्यार्थियों ने बताया कि हूल क्रांति

वर्ष 1855 में सिदो और कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में संथाल आदिवासियों द्वारा अंग्रेजों और ज़मींदारी अत्याचार के विरुद्ध प्रारंभ की गई थी। भोगनाडीह गांव से इस विद्रोह की शुरुआत हुई। यह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक महत्वपूर्ण अध्याय माना जाता है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को चुनौती दी। हूल क्रांति केवल कर या ज़मींदारी के शोषण के खिलाफ आंदोलन नहीं था, बल्कि यह सामाजिक न्याय, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए जनजागरण का प्रतीक था। इसने आगे चलकर पूरे देश में औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष की चेतना को प्रेरित किया। मौके पर उपस्थित व्याख्याताओं ने बताया कि हूल क्रांति हमें सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता और अपने अधिकारों की रक्षा की प्रेरणा देती है।

डीसी-एसएसपी ने सिदो-कान्हो को दी श्रद्धांजलि

रांची। हूल दिवस पर सोमवार को उपायुक्त मंजूनाथ भंजत्री व डीआईजी सह वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ने सिदो-कान्हो पार्क में शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उपायुक्त ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ शहीद सिदो-कान्हू द्वारा लड़ी गई लड़ाई हमारे लिए आदर्श है, उनके आदर्शों का अनुशरण करते हुए हमें समाज का नवनिर्माण करना है।

हूल दिवस पर सरकार ने याद कराई अंग्रेजी बर्बरता : सनी टोप्पो

● भोगनाडीह में हुई घटना की न्यायिक जांच हो, दोषियों पर कार्रवाई करे सरकार

रांची। भोगनाडीह में हूल दिवस पर आदिवासियों पर हुई प्रताड़ना और बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने कड़ी भर्त्सना की है। श्री टोप्पो ने कहा कि हूल क्रांति दिवस, जब हमारे पूर्वजों ने अंग्रेजी सरकार को चुनौती दी थी। उसके खिलाफ क्रांति का बिगुल चुका था। यह हम सबके लिए प्रेरणा देने वाला दिन है। ऐतिहासिक दिन है। ऐसे दिन भोगनाडीह में कांग्रेस झामुमो की सरकार ने जो बर्बरता दिखाई है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह अब स्पष्ट हो चला है कि यह सरकार किसी की नहीं है। श्री टोप्पो ने कहा कि सिद्धू कान्हो जैसे बलिदानियों के परिवारजनों के साथ, वहां के ग्रामीणों के साथ जो प्रशासनिक बर्बरता हुई, यह बर्बरता अंग्रेजों के शासन की याद दिलाने वाला है। आदिवासियों के नाम पर सरकार चलाने वाली कांग्रेस झामुमो तानाशाही पर उतर आई है। श्री टोप्पो ने इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग सरकार से की है।

हूल दिवस पर सिद्धू कान्हु की वीर गाथा को याद किया गया

रांची/पिठौरिया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के निर्देशानुसार सोमवार को सम्पूर्ण झारखंड में सिद्धू कान्हु की वीर गाथा को याद करते हुए हूल दिवस उनके चित्रों

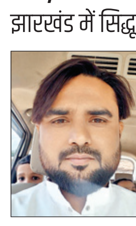

पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। वहीं इस अवसर पर वसीम अकरम सदर अंजुमन फ़लाहुल मुस्लिमीन ऊपर कोनकी सह युवा नेता झा मु मो के आवासीय कार्यालय में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। इस मौके पर वसीम अकरम ने कहा कि उनका देश के प्रति बलिदान झारखंड के साथ साथ देश कभी भूल नहीं पाएगा उनके वीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज देश जिस दिशा में जा रहा है वैसी हलात में ऐसे ही वीर शहिदों की देश को जरूरत है। वसीम अकरम ने प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे वीर शहीदों के कारण ही हम झारखण्ड वासी अपने को गौरवान्वित महसूस करते हैं कि उनके बलिदान के कारण देश आज आजादी की गाथा गढ़ने में सफल रहा।

सिद्धू- कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत को कभी स्वीकार नहीं किया : सुशील

रांची। आदिवासी छात्र संघ (एसीएस)के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव के नेतृत्व में 170वीं हूल दिवस मनाया गया । मोरहाबादी स्थित

सिद्धू- कान्हू पार्क में बाबा सिद्धू- कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित के साथ झारखंड के सभी महापुरुष को याद किया गया। केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने कहा कि सिद्धू- कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत को कभी स्वीकार नहीं किया। सही अर्थ में कहा जाए तो यही हूल क्रांति का आह्वान था। रांची जिला अध्यक्ष राजू उरांव ने कहा कि हूल के बाद अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष शुरु हुआ था। संथाल हूल एशिया का सबसे बड़ा आंदोलन था. जिसमें कई गांव आंदोलन के लिए निकल पड़े थे। लेकिन जो शुरुआती आंदोलन था, वह अंग्रेजों के खिलाफ नहीं था। वह सबसे पहले साहूकारों और महाजनों के खिलाफ था। इसके बाद जब अंग्रेजों का अत्याचार बढ़ा, तब जाकर ये हूल आंदोलन अंग्रेजों के खिलाफ शुरु हुआ। डीएसपीएमयू इकाई अध्यक्ष विवेक तिर्की ने कहा आज की पीढ़ी को इतिहास बताने की जरूरत है। उस समय जो आंदोलन हुए, उसमें लोग पहले साहूकारों के खिलाफ और उसके बाद अंग्रेजों के खिलाफ खड़े हुए और हूल आंदोलन सामने आया। मौके पर केंद्रीय मीडिया प्रभारी सुमित उरांव, रांची जिला अध्यक्ष राजू उरांव, डीएसपीएमयू इकाई अध्यक्ष विवेक तिर्की, अमित उरांव, छोटू उरांव, कर्मा उरांव,आनंद उरांव,प्रकाश उरांव,प्रदीप उरांव, पुष्पा उरांव,अनिकेत तिर्की, विष्णु कुमार, बिपिन मुंडा,अजय गाड़ी, जीनित खलखो, रमेश मुंडा पूर्व रातू प्रखंड अध्यक्ष, अमित तिग्गा रातू प्रखंड सचिव, सोनू मुंडा तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे ।

सहकारिता के क्षेत्र में झारखंड को सहयोग की जरूरत : शिल्पी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 'सहकार से समृद्धि के उपलक्ष्य में सहकारिता मंत्रालय द्वारा राज्यों के मंत्रियों के साथ आयोजित मंथन बैठक में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुईं। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित इस मंथन बैठक में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने झारखंड के परिपेक्ष्य में अपनी बातें रखी। कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में झारखंड एक पिछड़ा राज्य है और इस राज्य को विशेष सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को कई मामलों में नीतिगत हस्तक्षेप करने की आवश्यकता है। झारखंड जैसे प्रदेश जिसे तीसरी श्रेणी में रखा गया है, उन्हें सहकारिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए वर्किंग कैपिटल की जरूरत होगी, ताकि ट्रेनिंग सेंटर और क्षेत्रीय संस्थानों को विकसित किया जा सके। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के समक्ष प्रस्ताव रखते हुए कहा कि पैक्स के द्वारा 10 प्रतिशत के अंशदान पर केंद्र सरकार गोदाम निर्माण करने की बात कह रही है, लेकिन झारखंड के लिए ये 10 प्रतिशत का अंशदान भी संभव नहीं है। राज्य के पैक्स उस स्थिति में नहीं हैं। केंद्र सरकार को गोदाम के निर्माण में 100 प्रतिशत का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभर में 8 लाख को-ऑपरेटिव सोसाइटी है, लेकिन मात्र 15 सौ ही एसटी/एससी को-ऑपरेटिव सोसाइटी का संचालन हो रहा है। इनके चुनाव में हम एसटी/एससी आरक्षण की बात करते हैं। ये समाज काफी पिछड़ा है, इनके लिए कुछ नीतिगत हस्तक्षेप करने होंगे।

कांग्रेस को हर स्तर पर सशक्त करने में जुटें : के. राजू

रांची। कांग्रेस के झारखंड प्रभारी

के. राजू ने सोमवार को कहा कि वह कांग्रेस पार्टी को हर स्तर पर सशक्त करने में जुटे हुए हैं। पार्टी के अंदर के सिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है। पिछले 4 महीने में झारखंड में रैली, धरना-प्रदर्शन से लेकर कई मुद्दों को उठाया जा रहा है। सरना कोड, पेसा कानून, जातिगत जनगणना, संविधान बचाओ यात्रा से लेकर अन्य मुद्दों पर आंदोलन हुए। सफल रैलियां हुईं। इसमें प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से लेकर हर एक कार्यकर्ता तक लगे हुए हैं। पार्टी किसी एक आदमी पर निर्भर नहीं होती है। पंचायत, प्रखंड, जिला से लेकर राज्य स्तरीय कमेटियां काम करती हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव में पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। पार्टी का वोट प्रतिशत भी बढ़ा। पार्टी में किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की एक और पहल

राजधानी में खुलेगा रक्षा संपदा कार्यालय, नियुक्त होंगे अधिकारी

नवीन मेल संवाददाता

● रक्षा संपदा और सेना की जमीन से जुड़े हर मामले का होगा समाधान

रांची। अब झारखंड में रक्षा विभाग के जमीन से जुड़े किसी भी मामलों को लेकर बिहार नहीं जाना होगा। उसकी सुनवाई अब रांची में ही हो सकेगी। बहुत जल्द रक्षा संपदा विभाग का कार्यालय रक्षा मंत्रालय के द्वारा रांची में खोला जाएगा। रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ की पहल पर रक्षा मंत्रालय ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। विदित हो कि झारखंड में रक्षा संपदा कार्यालय अब तक नहीं था। ना तो इसके किसी अधिकारी की प्रतिनियुक्ति हुई थी। इस वजह से झारखंड में रक्षा भूमि से मामलों से जुड़े समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को बिहार के दानापुर में स्थित रक्षा संपदा कार्यालय जाना पड़ता था। सेना की जमीन से जुड़े मामले और ऐसे कई प्रकार की अनुमति लेने के लिए, नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेने के लिए लोग बिहार का चक्कर लगाते थे। झारखंड के लोगों को अब उससे मुक्ति मिल जाएगी। कई बार मुद्दों को सुलझाने में काफी समय लगता था, जिससे नागरिकों का असुविधा का सामना करना पड़ता था। इस पूरे मामले को लेकर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गंभीरता दिखाई और भूमि संपदा के महानिदेशक से बातचीत की। रक्षा राज्य मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि रांची में इसका उप कार्यालय खोला जाए। अविलंब इसका प्रस्ताव तैयार किया जाए। संजय सेठ की पहल पर रक्षा मंत्रालय ने इसकी त्वरित स्वीकृति प्रदान कर दी है। रांची में इसके लिए एक अधिकारी और अन्य कर्मचारियों को नियमित आधार पर प्रतिनियुक्ति किए जाने को भी अनुमति प्रदान की गई। यहां कार्यालय खुलने के बाद रांची सहित झारखंड की जनता को सेना संपदा और जमीन से जुड़े मामले के समाधान के लिए बिहार का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने जानकारी दी कि उनके समक्ष भी कई बार ऐसी समस्या आती थी कि लोगों को छोटे-छोटे मामलों के लिए बिहार के दानापुर जाना पड़ता था। इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने इसकी पहल की है। जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया है। बहुत जल्द रांची में इसका उप कार्यालय खुलेगा और क्षेत्र की जनता को बड़ी समस्या से मुक्ति मिलेगी।

झामुमो ने शिबू सोरेन के स्वास्थ्य लाभ के लिए किया हवन पूजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सोमवार को रातु रोड स्थित मां दुर्गा मंदिर में झामुमो ने हवन पूजन कर शिबू सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं सकुशल वापसी के लिए हवन पूजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय उपस्थित हुए।

हवन पूजन के सफल संचालन मे मुख्य रूप से आशुतोष वर्मा एवं विक्की यादव का अहम योगदान रहा। इस हवन पूजन में केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया, केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक मंडली सदस्य अश्विनी शर्मा, जिला संयोजक मंडली सदस्य डॉ हेमलाल मेहता, धर्मेंद्र सिंह, सोनू मुंडा, आदिल इमाम, जनक नायक, डॉ तालकेश्वर महतो, कुदूस अंसारी, आफताब आलम, अरुण वर्मा सहित अन्य शामिल थे।

शराब घोटाला में आरोपी विनय सिंह को कोर्ट से राहत नहीं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शराब घोटाले में आरोपी निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे के करीबी और रांची के प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। इसमें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने केस डायरी जमा करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने एसीबी के इस आग्रह को स्वीकार कर लिया। साथ ही, अदालत ने विनय सिंह के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई है। एसीबी विनय सिंह के खिलाफ पूर्व में वारंट ले चुका है। शराब घोटाला की जांच में एसीबी ने विनय सिंह को नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन विनय सिंह अब तक एसीबी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं। ज्ञात हो कि झारखंड में एसीबी शराब घोटाला की जांच कर रही है। यह मामला 38 करोड़ रुपए से अधिक के शराब घोटाले से जुड़ा है।

लाठीचार्ज आदिवासी अस्मिता पर हमला : विजय नायक

रांची। हूल दिवस पर भोगनाडीह में जुटे आदिवासियों पर पुलिस

लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ने की घटना को लेकर आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने राज्य सरकार को आदिवासी विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि यह कृत्य सिदो-कान्हू की धरती और आदिवासी अस्मिता पर हमला है। नायक ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, निष्पक्ष जांच और सार्वजनिक माफी की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि आदिवासी समाज अब अन्याय सहन नहीं करेगा और संघर्ष जारी रहेगा।

कोचिंग संस्थानों की फर्जी उपलब्धियों के प्रचार पर लगे रोक : अजय राय

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को कोचिंग संस्थानों की फर्जी उपलब्धियों के प्रचार पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे फर्जी संस्थानों को बंद कराए। अजय राय ने सोमवार को एक प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि शिक्षा को व्यापार बनाने वाले संस्थानों की गतिविधियों का खुलासा जरूरी है, ताकि छात्रों और अभिभावकों को गुमराह होने से रोका जा सके। राय ने कहा कि पिछले वर्ष पासवा ने दो कोचिंग संस्थानों पर गंभीर आरोप लगाए थे, पर जांच या निष्कर्ष सामने नहीं आए। ऐसी चुप्पी सोची-समझी साजिश भी हो सकती है। इससे ईमानदार प्रतिस्पर्धा खत्म होती है और छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ता है। उन्होंने सरकार के समक्ष कोचिंग संस्थानों के लिए कठोर नियमावली बनाने, फैकल्टी, फीस और परिणाम की जानकारी सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध करवाने, फर्जीवाड़ा करने वाले संस्थानों पर कानूनी कार्रवाई किए जाने सहित एक स्वतंत्र निगरानी प्राधिकरण गठित कर सलाना समीक्षा किए जाने की मांगें रखी हैं।

बर्बर कार्रवाई | हूल दिवस पर भोगनाडीह में लाठीचार्ज पर बाबूलाल मरांडी ने कहा

बर्बर अंग्रेजी हुकूमत के दौर की यादें ताजा हो गई

बाबूलाल ने कहा-

- आदिवासी समाज पर लाठीचार्ज व आंसू गैस का प्रयोग दुर्भाग्यपूर्ण
- यह दमनकारी घटना बनेगी हेमंत सरकार के पतन का कारण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को भोगनाडीह में हूल दिवस के दिन आदिवासी समाज के ऊपर हुए बर्बर लाठीचार्ज की घटना की कड़ी निंदा की है। मरांडी ने कहा कि हूल दिवस के पावन अवसर पर भोगनाडीह में पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और आंसू गैस के प्रयोग की घटना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस बर्बर कार्रवाई में कई ग्रामीण घायल हुए हैं।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि साहिबगंज एसपी से दूरभाष पर पूरी घटना की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि आज की यह बर्बरता अंग्रेजी हुकूमत के दौर की यादें ताजा कर दी है। हूल क्रांति की भूमि पर, छह पीढ़ियों के बाद एक बार फिर सिदो-कान्हू के वंशजों को अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध सड़क पर उतरना पड़ा है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि दरअसल, घुसपैठियों की गोद में बैठी राज्य सरकार नहीं चाहती कि झारखंड का आदिवासी समाज अपने पुरखों की वीरगाथाओं और बलिदानों से प्रेरित होकर अपनी अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित हो। उन्होंने कहा, लेकिन सरकार की यह साजिश कभी सफल नहीं होगी। जिस तरह वीर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने हूल क्रांति के माध्यम से अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी थी, उसी तरह आज भोगनाडीह में लाठीचार्ज की दमनकारी घटना हेमंत सरकार के पतन का कारण सिद्ध होगी।

कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा : झामुमो

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा हूल दिवस के दिन भोगनाडीह की घटना को लेकर राज्य सरकार पर लगाए गए आरोपों पर झामुमो ने हमला बोला है। झामुमो के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने जारी प्रेस वक्तव्य में कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था सर्वोपरि है। किसी को भी इसे हाथ में लेने की इजाज़त नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि हूल दिवस के अवसर पर भोगनाडीह में श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया था, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सुनियोजित ढंग से स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश की गई। ऐसे हालात में प्रशासन ने संयम और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की, ताकि माहौल और बिगड़ने से रोका जा सके। सरकार से असामाजिक तत्वों की जरूर पहचान करेगी और ऐसे लोगों का पर्दाफाश किया जाएगा। झामुमो की अगुवाई वाली सरकार में विभाजनकारी ताकतों को कभी भी सिर उठाने नहीं दिया जाएगा। ये सब भाजपा नेतृत्व वाली सरकारों में ही देखने को मिलता है। चंद लोगों की नादानी के कारण पूरे राज्य की जनता की सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला जा सकता। प्रवक्ता श्री पांडेय ने कहा कि भाजपा जानबूझकर भ्रामक प्रचार कर रही है और झूठे आरोपों के ज़रिए लोगों को भड़काने की कोशिश कर रही है। राज्य में कानून का शासन है। भाजपा को चाहिए कि वह गैर-जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका छोड़कर रचनात्मक सुझावों और जनहित के मुद्दों पर बात करे। उन्होंने कहा कि झामुमो और हेमंत सोरेन सरकार ने हमेशा आदिवासियों के इतिहास, अस्मिता और अधिकारों की रक्षा को सर्वोपरि रखा है। भाजपा का यह आरोप कि सरकार आदिवासियों की भावनाओं को कुचल रही है, पूरी तरह तथ्यहीन और दुर्भावनापूर्ण है। हूल दिवस हमारी सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इसका राजनीतिक उपयोग करना बेहद शर्मनाक है। विनोद पांडेय ने दो टूक कहा कि जो भी व्यक्ति या संगठन कानून को अपने हाथ में लेगा, उस पर नियमानुसार कार्रवाई होगी - चाहे वह किसी भी विचारधारा या दल से जुड़ा क्यों न हो। हम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, लेकिन अराजकता की इजाज़त नहीं दी जाएगी। राज्य सरकार अपने हर नागरिक की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

विकास के नाम पर आदिवासी अस्मिता पर हमला बर्दाश्त नहीं : राफिया नाज

- स्वास्थ्य सेवा बेहतर बनाने में विफल
- मेडिकल कॉलेजों की बदहाली

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने झारखंड सरकार पर आदिवासी अस्मिता और आजीविका पर हमला करने का आरोप लगाया है। कहा कि सरकार विकास के नाम पर आदिवासियों की जमीन हड़प रही है। स्वास्थ्य सेवाओं की हालत खस्ता है। नगड़ी क्षेत्र में प्रस्तावित रिम्स पार्ट-2 के लिए ग्रामीणों को उनके खेतों में धान लगाने से रोका गया है। यह घटना सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है।

झारखंड सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में विफल रही है। जिले-दर-जिले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बदहाल हैं और हजारों पद खाली हैं। 3497 स्वास्थ्य उपकेंद्रों में 70% बिना भवन के हैं और 5300 से अधिक चिकित्सा पदों में 4000 से ज्यादा खाली हैं। झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा पूरी तरह विफल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी मरीजों को चारपाई पर ढोकर अस्पताल ले जाया जा रहा है।

राफिया नाज ने हजारीबाग और दुमका मेडिकल कॉलेजों की बदहाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, हजारीबाग में न तो पर्याप्त डॉक्टर हैं और न ही आधुनिक उपकरण। फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, दुमका की स्थिति भी चिंताजनक है।

कैप्टन कूल को ट्रेडमार्क कराना चाहते हैं धोनी

आवेदन किया, अप्रूव होने पर अपने कोचिंग सेंटर को देंगे यह नाम

कोलकाता । एजेंसी

पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ने 'कैप्टन कूल' को ट्रेडमार्क कराने के लिए आवेदन किया है। अगर उन्हें इस शब्द के ट्रेडमार्क राइट्स मिल जाते हैं तो कैप्टन कूल शब्द का प्रयोग कोई व्यक्ति या संस्था नहीं कर सकेगी। धोनी ने 5 जून को ट्रेडमार्क रजिस्ट्री पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जमा किया। वे कोचिंग और ट्रेनिंग सेंटर्स के लिए 'कैप्टन कूल' का उपयोग करने के लिए विशेष अधिकार चाहते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान के आवेदन को शुरुआत में ट्रेड मार्क्स अधिनियम की धारा 11(1) के तहत बाधा का सामना करना पड़ा। क्योंकि, इस नाम से पहले ही एक ट्रेडमार्क रजिस्टर्ड था। ऐसे में नए ट्रेड मार्क से लोग भ्रमित हो सकते थे। धोनी के वकीलों ने तर्क दिया कि 'कैप्टन कूल' नाम धोनी से पिछले कई सालों से जुड़ा हुआ है। इसे जनता, मीडिया और प्रशंसकों ने बड़े पैमाने पर अपनाया है। धोनी को फैंस ने दिया कैप्टन कूल का टैग धोनी को कैप्टन कूल का टैग उनके फैंस और मीडिया ने दिया था। वे अपनी कप्तानी के दौरान मैदान पर काफी शांत नजर आते थे। मैच की परिस्थिति चाहे जितनी कठिन हो धोनी ठंडे दिमाग से ही फैसले लेते थे। यही कारण था कि उन्हें कैप्टन कूल के नाम से जाना जाने लगा।

वे 5 फैसले, जिनसे धोनी कैप्टन कूल कहलाए

2007 जोगिंदर को आखिरी ओवर दिया

2007 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल पाकिस्तान के खिलाफ खेला जा रहा था। आखिरी ओवर में पाकिस्तान को 13 रन चाहिए थे। ऐसे में धोनी ने कम अनुभव वाले गेंदबाज जोगिंदर शर्मा को आखिरी ओवर दिया और उन्होंने मैच जिता दिया।

2011 वर्ल्डकप फाइनल में बैटिंग ऑर्डर बदला श्रीलंका से वर्ल्ड कप

फाइनल में जब भारत मुश्किल में था, तब धोनी ने फॉर्म में चल रहे युवराज सिंह से पहले खुद बैटिंग करने का फैसला लिया। उन्होंने नाबाद 91 रन बनाकर भारत को 28 साल बाद विश्व कप जिताया।

2012 टेस्ट सीरीज 4-0 से हारे, मीडिया की तीखे सवालों पर शांत रहे

2012 भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत को 4-0 से हार मिली थी, लेकिन धोनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में न तो टीम को कोसा, न ही नाराजगी दिखाई। उन्होंने जर्नलिस्ट के सवाल पर शांत होकर कहा कि सीखना जरूरी है।

2016 बांग्लादेश के खिलाफ रनआउट से जिताया

2016 टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर 2 रन चाहिए थे। धोनी ने ग्लव्स उतारकर खुद रनआउट के लिए दौड़ लगाई और मैच जिता दिया।

2018 वापसी के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को चैंपियन बनाया

2 साल के बैन के बाद सीएसके की टीम लौटी, सभी ने टीम को 'डैड्स आर्मी' कहा।

फॉर्मूला 1

नॉरिस ने पियास्ट्री लेक्लेर को पछाड़कर ऑस्ट्रियाई ग्रां प्री जीती

स्पीलबर्ग (आईएएनएस)

लैंडो नॉरिस ने ऑस्ट्रियाई ग्रां प्री में मैक्लेरेन टीम के ऑस्कर पियास्ट्री के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की, जबकि मैक्स वेरस्टैपेन किमी एंटोनेली की मर्सिडीज के संपर्क में आने के बाद पहले ही लैप में बाहर हो गए। पोल से शुरुआत करते हुए नॉरिस ने टर्न 1 में बढ़त बनाए रखी, लेकिन जल्द ही चैंपियनशिप लीडर पियास्ट्री ने उन पर दबाव बना दिया। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने तनावपूर्ण मुकाबले के दौरान कुछ समय के लिए बढ़त हासिल की। लेकिन, नॉरिस ने जल्द ही बढ़त बनाई। टर्न 4 के लिए ब्रेक लगाने के दौरान एक नजदीकी कॉल के बाद, जिसमें पियास्ट्री लॉक हो गया और लगभग नॉरिस के पीछे जा टकराया। नॉरिस के पास पी 1 पर बने रहने और चेकर्ड ध्वज लेने के लिए पर्याप्त गति थी। यह सीजन की उनकी तीसरी जीत और पिछले महीने के मोनाको ग्रैंड प्रिक्स के बाद पहली जीत थी। फेरारी से रेस लगाने वाले चार्ल्स लेक्लर लुईस हैमिल्टन के साथ चौथे स्थान पर रहे। जॉर्ज रसेल पांचवें स्थान पर रहने वाले एकमात्र मर्सिडीज ड्राइवर थे, जबकि उनके नए साथी किमी एंटोनेली शुरुआती लैप में टर्न 3 के लिए ब्रेक लगाते समय नाटकीय ढंग से मैक्स वेरस्टैपेन से टकरा गए, जिससे दोनों ड्राइवर मुकाबले से बाहर हो गए। लियाम लॉसन ने अपने शीर्ष-छह ग्रिड स्लॉट को शीर्ष-छह फिनिश में बदलने के लिए एस्टन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो और किक सॉबर के बोर्टोलेटो से आगे रहने का फायदा उठाया, जिन्होंने दो बार के विश्व चैंपियन के साथ एक शानदार रेस के बाद अपना पहला एफ1 अंक हासिल किया।

क्लब विश्व कप : बेयर्न की फ्लेमेंगो पर 4-2 से शानदार जीत

मियामी (आईएएनएस)

हैरी केन के दो गोल की मदद से बेयर्न म्यूनिख ने हार्ड रॉक स्टेडियम में फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया। इसी के साथ उसने फीफा क्लब विश्व कप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। विन्सेंट कोम्पनी की टीम अब शनिवार को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगी। यह मुकाबला अटलांटा के मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में खेला जाएगा। बायर्न ने दो गोल की बढ़त हासिल कर ली, एरिक पुल्गर ने अनजाने में अपने ही नेट में हेडर मारा और केन का डिफ्लेक्टेड ड्राइव पोस्ट से अंदर चला गया। गेर्सन के एक दमदार स्ट्राइक ने इस अंतर को आधा कर दिया, लेकिन लियोन गोरेट्ज़का ने ब्रेक तक बवेरियन को 3-1 से आगे कर दिया। जॉर्जिन्हो ने मिशेल ओलिस को हैंडबॉल के लिए दंडित किए जाने के बाद स्पॉट से एक गोल वापस ले लिया।

हालांकि, फ्लेमेंगो ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन केन ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। एक बेहतरीन टेक और शानदार फिनिश ने जीत सुनिश्चित कर दी। बायर्न के मैनेजर विन्सेंट कोम्पनी ने कहा, "शुरुआती 20 मिनट हम अच्छा खेल रहे थे, लेकिन खेल की गति बहुत तेज थी। मैं सोच रहा था, 'इस समर में इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ क्या यह प्रदर्शन जारी रहेगा?' ईमानदारी से कहूं तो, हम मैच में आगे बढ़े और मुझे लगता है कि यह फैंस के लिए एक अच्छा मैच था। हम अगले दौर में जाने पर सच में बहुत खुश हैं। विन्सेंट कोम्पनी ने बताया कि उनकी टीम शनिवार को अटलांटा में पीएसजी के साथ होने वाले मुकाबले पर फोकस करने से पहले आराम करने को प्राथमिकता देगी। मैनचेस्टर सिटी के पूर्व डिफेंडर ने कहा, "अहम बात यह है कि हमें अब आराम करना है।

अजहर महमूद को पाक का कार्यवाहक रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त किया गया

लाहौर (आईएएनएस)

पाकिस्तान द्वारा 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र शुरू करने से पहले, पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को टीम का कार्यवाहक रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त किया गया है और वह अपने मौजूदा अनुबंध के समापन तक इस पद पर काम करेंगे। पिछले साल के अंत में जेसन गिलेस्पी के पाकिस्तान के रेड-बॉल हेड कोच के पद से हटने के बाद, आकिब जावेद ने यह भूमिका संभाली थी। लेकिन 50 वर्षीय महमूद अब पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच और बाद में सहायक मुख्य कोच के रूप में लंबे समय तक काम करने के बाद इस पद पर आसीन हुए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को एक बयान में कहा, "खेल के बारे में उनका गहरा ज्ञान, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और इंग्लिश काउंटी सर्किट में सिद्ध सफलता के साथ, उन्हें इस पद के लिए असाधारण रूप से उपयुक्त बनाता है।

उनकी लाल गेंद की विरासत दो काउंटी चैंपियनशिप खिताबों से रेखांकित होती है - एक उपलब्धि जो उनके नेतृत्व, सामरिक कौशल और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के बारे में बहुत कुछ कहती है।

हॉकी इंडियाः पाकिस्तान को एशिया कप खेलने की अनुमति संभव नहीं

नई दिल्ली (आईएएनएस)

पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में होने वाले हॉकी पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित है, क्योंकि उन्हें बाहर करने की मांग बढ़ रही है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर, राजगीर हॉकी स्टेडियम में 29 अगस्त से 9 सितंबर तक पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम की भागीदारी खतरे में है। टूर्नामेंट के लिए दो महीने से भी कम समय बचा है, हॉकी इंडिया अभी भी पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम के देश में आने के लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार कर रहा है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने अगस्त में एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर आईएएनएस से कहा, "हम सरकार के संपर्क में हैं।

बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन : आयुष ने जीता मेंस सिंगल्स खिताब, तन्वी उपविजेता

काउंसिल ब्लफ्स (आईएएनएस)

आयुष शेट्टी ने सोमवार को 'बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट' के फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को हराया। इसी के साथ आयुष ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अपना पहला खिताब जीत लिया है। यह मुकाबला मिड-अमेरिका सेंटर में खेला गया। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप- 2023 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट आयुष ने 47 मिनट तक चले इस मुकाबले में विश्व के 33वें नंबर के खिलाड़ी यांग को 21-18, 21-13 से शिकस्त दी। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा, "आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन-2025 जीतकर अपना पहला 'बीडब्ल्यूएफ सुपर 300' खिताब जीता। उन्होंने ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-13, 21-18 से हराया। इस दौरान उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक शानदार खेल दिखाया। यह एक शानदार जीत है, जिसने बैडमिंटन के शीर्ष खिलाड़ियों में उनकी जगह पक्की कर दी है। यह एक नए 'इंडियन पावरहाउस' के उदय का प्रतीक है। चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने टूर्नामेंट की शुरुआत डेनमार्क के वर्ल्ड नंबर 85 मैग्नस जोहानसन पर 21-17, 21-19 से जीत के साथ की। इससे पहले उन्होंने राउंड ऑफ-16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में आयुष ने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन लिन पर 22-20, 21-9 से जीत दर्ज की थी। आयुष की सबसे बड़ी जीत सेमीफाइनल में आई, जब उन्होंने दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी चाउ टीयेन चेन को 21-23, 21-15, 21-14 से हराकर ताइपे ओपन-2025 के सेमीफाइनल में चोऊ से मिली हार का हिसाब चुकता किया। इस बीच, विमेंस सिंगल्स में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा का शानदार सफर 34 वर्षीय अनुभवी बिवान झांग के खिलाफ 11-21, 21-16, 10-21 से रोमांचक फाइनल में हारने के साथ खत्म हुआ।

एफआईएच प्रो लीग : भारतीय महिला हॉकी टीम चीन से 2-3 से हारी

बर्लिन (आईएएनएस)

भारतीय महिला हॉकी टीम को रविवार को बर्लिन में चीन के खिलाफ खेले गए मैच में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में उसका अभियान समाप्त हो गया। चीन की तरफ से यिंग झांग ने मैच के 19वें और 30वें मिनट में गोल किया।

वहीं, जू वेन्यू ने 53वें मिनट में गोल किया। भारत की तरफ से दो गोल सुनलिता टोप्पो (9वें मिनट) और रुजुता दादासो पिसल (38वें मिनट) ने किए। इस सत्र का यह आखिरी मैच था। नीदरलैंड शीर्ष पर रहा, अर्जेंटीना दूसरे और बेल्जियम लीग में तीसरे स्थान पर रहा। चीन अंक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। भारत अंतिम स्थान पर रहा। भारतीय टीम को प्रतिष्ठित एफआईएच प्रो लीग में फिर से अपना स्थान हासिल करने के लिए एफआईएच नेशंस कप खेलना होगा। भारत की शुरुआत अच्छी रही। उसने मैच के नौवें मिनट में बढ़त हासिल की, जब नेहा गोयल से मिले पास को सुनिलिता टोप्पो ने गोल में बदला।

व्यापार/लाइफ व साइंस

रिपोर्ट का दावा : 2030 तक भारतीय कंपनियां 700 बिलियन डॉलर कमाई की संभावनाएं

नई दिल्ली (आईएएनएस)

- **एआई सॉफ्टवेयर राजस्व में अगले सात वर्षों में 5-8 गुना वृद्धि संभावित**
- **भारत में 77,000 से अधिक संगठन पहले ही कोपाइलेट को अपना चुके हैं**

भारतीय कंपनियां वैश्विक क्षेत्र में नौ परिवर्तनकारी सेक्टर में विशिष्ट भारतीय क्षमताओं के साथ तेजी से आगे बढ़ सकती हैं और सामूहिक रूप से 2030 तक 588 बिलियन डॉलर से 738 बिलियन डॉलर के बीच राजस्व अर्जित कर सकती हैं। यह जानकारी मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म मैकिन्से एंड कंपनी की एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, यह 2023 की तुलना में साढ़े तीन गुना वृद्धि दर्शाता है, जिसे 164-206 बिलियन डॉलर के बीच आंका गया था।

विकास का यह इंजन नौ क्षेत्रों से आने की उम्मीद है, जिसमें ई-कॉमर्स, सेमीकंडक्टर, क्लाउड सर्विस, साइबर सिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक व्हीकल एंड बैटरी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सॉफ्टवेयर एंड सर्विस, स्पेस, न्यूक्लियर फिजन और रोबोटिक्स शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ई-कॉमर्स में राजस्व 2023 के 60-70 बिलियन डॉलर से 2030 तक 240–300 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। कुल खुदरा बिक्री में ई-कॉमर्स का हिस्सा 2022-23 में 7-9 प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्राप्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के राजस्व को लेकर भी अच्छी संभावनाएं बनी हुई हैं, विशेषकर जब इस क्षेत्र में कई भारतीय परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र का राजस्व 2023 में 40-45 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक 100-120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरते हुए एआई सॉफ्टवेयर के राजस्व में अगले सात वर्षों में पांच से आठ गुना वृद्धि होने का अनुमान है। भारत में 77,000 से अधिक संगठन पहले ही कोपाइलेट को अपना चुके हैं, एजेंटिक एआई का चलन बढ़ रहा है और एआई-संचालित औद्योगिकीकरण स्वचालन को गति दे रहा है। इसके साथ ही, एआई की डेटा मांग की वजह से क्लाउड से जुड़े राजस्व में 2023 और 2030 के बीच चार गुना से पांच गुना वृद्धि होने का अनुमान है, जो कि बढ़कर 70-80 बिलियन तक पहुंच जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में भी राजस्व में उछाल आने की उम्मीद है, जो दशक के अंत तक छह से आठ गुना बढ़कर 40-60 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

शेयर बाजार में मुनाफावसूली, सेंसेक्स 452 अंक फिसला

मुंबई (आईएएनएस)

भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुए। बाजार में गिरावट की वजह लार्जकैप शेयरों में मुनाफावसूली को माना जा रहा है। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 452.44 अंक या 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,606.46 और निफ्टी 120.75 अंक या 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,517.05 पर था। भारतीय शेयर बाजार में यह गिरावट लगातार चार सत्रों की तेजी के बाद आई है। हालांकि, यह लार्जकैप तक ही सीमित थी। मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 356.05 अंक या 0.60 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,741.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 98.30 अंक या 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,075.10 पर बंद हुआ। सेक्टोरल आधार पर आईटी, पीएसयू बैंक, फार्मा, मीडिया, एनर्जी और पीएसई इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, रियल्टी और प्राइवेट बैंक इंडेक्स दबाव के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, एसबीआई, बीईएल, इटरनल (जोमैटो), अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, टाइटन, टीसीएस, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स और एचसीएल टेक टॉप गेनर्स थे। एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील टॉप लूजर्स थे। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि मध्य पूर्व में तनाव कम होने और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की उम्मीदों के कारण वैश्विक धारणा सकारात्मक हो रही है, लेकिन हाल की तेजी के बाद भारतीय बाजारों में ठहराव आ गया है। उन्होंने आगे कहा कि निवेशक अब आगामी कॉर्पोरेट आय पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, उपभोक्ता मांग और बेहतर मार्जिन के कारण बेहतर परिणामों की उम्मीद में मिड- और स्मॉल-कैप शेयरों में मजबूती दिख रही है।

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने नेशनल इलेक्ट्रिकल सेफ्टी वीक मनाया

मुंबई (आईएएनएस)

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने सोमवार को कहा कि वह 26 जून से 2 जुलाई तक अपने सभी डिवीजनों और आपूर्ति क्षेत्रों में नेशनल इलेक्ट्रिकल सेफ्टी वीक मना रही है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस सप्ताह के दौरान कर्मचारियों और ग्राहकों के लिए विभिन्न विद्युत सुरक्षा संबंधी शैक्षिक कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, अदाणी इलेक्ट्रिसिटी, अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से बीएमसी स्कूलों में विद्युत सुरक्षा कार्यशालाओं का आयोजन भी कर रही है। अप्रैल में आग की रोकथाम को बढ़ावा देने के लिए अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने अपने पूरे बिजली वितरण क्षेत्र में 'फायर सर्विस वीक' मनाया था। इस हफ्ते के दौरान, अदाणी इलेक्ट्रिसिटी के पावर वॉरियर्स के लिए कई फायर सेफ्टी वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्ष की थीम "यूनाइट टू इग्नाइट, फायर सेफ इंडिया" तय की गई थी, जिसमें फायर सेफ्टी में सामुदायिक भागीदारी, शिक्षा, तैयारी और इनोवेशन के महत्व पर जोर दिया गया।

सोने में लौटी तेजी, कीमत 96,000 प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंची

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को तेजी देखने को मिली। 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गई और चांदी की कीमत में मामूली उछाल दर्ज किया गया है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के अनुसार, 24 कैरेट के सोने की कीमत 95,886 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि शुक्रवार शाम को जारी कीमत, 95,784 रुपए प्रति 10 ग्राम से 102 रुपए अधिक है। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 87,832 रुपए हो गई है, जो कि पहले 87,738 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 71,915 रुपए हो गया है।

88% ग्लोबल फर्मों के पास अब डेडिकेटेड एआई बजट, इंटेलिजेंट एजेंट पर केंद्रित ध्यान

नई दिल्ली (आईएएनएस)

लगभग 88 प्रतिशत वैश्विक उद्यमों के पास अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए डेडिकेटेड बजट है, जिनमें से लगभग दो-तिहाई अपने कुल टेक बजट का 15 प्रतिशत से अधिक हिस्सा एआई प्रोजेक्ट्स पर खर्च कर रहे हैं। यह जानकारी सोमवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। नैसकॉम द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, यह प्रमुख निवेश जनरेटिव एआई के शुरुआती प्रयोग से एआई एजेंट बनाने की ओर शिफ्ट को दर्शाता है। 'एंटरप्राइस एक्सपेरिमेंट्स विद एआई एजेंट्स-2025 ग्लोबल ट्रेंड्स' शीर्षक वाली रिपोर्ट दर्शाती है कि दुनिया भर की कंपनियां एआई अपनाने के अगले चरण के लिए किस प्रकार तैयारी कर रही हैं। नैसकॉम की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य रणनीति अधिकारी संगीता गुप्ता ने कहा कि उद्यम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं।

भारतीय स्टेट बैंक ने देशभर में बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने की नींव रखी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की स्थापना 1 जुलाई 1955 को हुई थी। वर्तमान में एसबीआई के पास देश में 22,000 से अधिक शाखाएं और 62,000 से ज्यादा एटीएम हैं। इसकी स्थापना के पीछे मुख्य मकसद ग्रामीण क्षेत्रों की बैंकिंग सेवाओं को दुरुस्त करना था। गांवों में निजी बैंकों की पहुंच बहुत कम थी। हर साल 1 जुलाई को एसबीआई अपने स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अपने कार्यालयों में कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें कर्मचारी, ग्राहक और समुदाय हिस्सा लेते हैं। यह दिन बैंक की उपलब्धियों, ग्राहक सेवा और सामाजिक योगदान को सेलिब्रेट करने का अवसर होता है। एसबीआई की कहानी सिर्फ 1955 से शुरू नहीं होती है, औपनिवेशिक काल से शुरू होती है, जब 1806 में बैंक ऑफ कलकत्ता की स्थापना हुई, जो बाद में बैंक ऑफ बंगाल बन गया। इसके बाद, बैंक ऑफ बॉम्बे (1840) और बैंक ऑफ मद्रास (1843) की स्थापना हुई। इन तीनों प्रेसीडेंसी बैंकों को 1921 में मिलाकर इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया बनाया गया।